UPHIN/2009/27457

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

● वर्ष : 08 ● अंक : 42 ● लखनऊ, सोमवार 13 मई 2024 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

4 हर चरण के मतदान के साथ बढ़ी है

5 प्रदेशभर से आए क्षत्रियों ने राम और ....

6 कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद ....

इंडी गठबंधन और पाक का डीएनए मिलता-जुलता

पाकिस्तान की बीमारी ने कांग्रेस का समर्थन किया तो वहां भी लोग भूखों मरने लगे

संवाददाता

सीतापुर, बहराइच, अमेठी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार की सुबह काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया, फिर अलग-अलग जनपदों में चुनाव प्रचार करने निकल पड़े। मुख्यमंत्री ने सीतापुर जनपद में मोहनलालगंज लोकसभा, बहराइच जनपद में कैसरगंज लोकसभा और अमेठी लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी के लिए पांचवें चरण में 20 मई को कमल के फूल पर वोट देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने इन सीटों पर जहां बुलेट ट्रेन की तरह दौड़ते भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया तो वहीं कांग्रेस-सपा के समय छुक-छुक कर चलने वाली रफ्तार की भी बखिया उधेड़ दी।

सीएम ने सीतापुर में मोहनलालगंज के सांसद, केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रत्याशी कौशल किशोर के पक्ष में जनसभा की। कहा कि कांग्रेस-सपा, इंडी गठबंधन और पाकिस्तान का डीएनए मिलता-जुलता दिख रहा है। सपा-कांग्रेस के समय गरीब भूखों मरते थे। पाकिस्तान की बीमारी ने कांग्रेस के समर्थन में कहा तो वहां भी लोग भूखों मर रहे हैं और यहां 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है। कांग्रेस को 60-65 वर्ष तक मौका मिला, लेकिन इन्होंने विकास नहीं किया। यही समय है, सही समय है। देश के भविष्य के साथ खेलने वाले ऐसे लोगों की जमानत जब्त करा दीजिए। सीएम योगी ने कहा कि सपा-कांग्रेस व पाकिस्तान भारत, भारतीयता, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के विरोध में हैं। इंडी गठबंधन के लालू प्रसाद यादव ने मुसलमानों को ओबीसी के आरक्षण देने की वकालत की है।

सीएम योगी ने बहराइच जनपद में कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार करण भूषण सिंह के लिए वोट मांगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण पर आपत्ति करने वाले रामद्रोही सदैव राम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करते आए हैं। इंडी गठबंधन में शामिल लोग पाकिस्तान और आतंकवाद की पैरवी करते हैं। यह प्रभु राम पर ही नहीं, बल्कि हम सब लोगों के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करते हैं क्योंकि हम सभी जागने से लेकर सोने तक प्रभु श्रीराम का स्मरण करते हैं। अब हमें इन्हें बताना है कि देश में वहीं शासन कर सकता है, जो प्रभु राम को मानता है।

सपा कहती थी कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। आज वह आंखें खोलकर देख ले कि अयोध्या में रोजाना रामभक्तों का रेला उमड़ रहा है। बहराइच वह भूमि है, जहां सोमनाथ मंदिर के गुनहगार सालार मसूद को जहन्नुम में पहुंचाया गया। हमने महाराज सुहेलदेव का भव्य स्मारक बनाया है। सपा, कांग्रेस और बसपा के लोग दरगाह तो जाएंगे, लेकिन कभी यहां पुष्पांजलि के लिए नहीं आएंगे, क्योंकि इनको भय है कि मुस्लिम वोट न खसक जाए।

चौथे चरण का मतदान आज, 96 सीटों पर फैसला

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश की 96 संसदीय सीटों पर मतदान होगा। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस चरण में आंध्र प्रदेश और ओडिशा विधानसभा के चुनावों के लिए भी मतदान कराए जा रहे हैं। कई क्षेत्रों में वोटिंग सामग्री और मतदान कराने वाली टीमों को हवाई मार्ग से भेजा गया है। मतदान सोमवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक कराया जाएगा। तेलंगाना में 17 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ विधानसभा सीटों के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय शाम 7 बजे तक बढ़ाया गया है। चुनाव आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, 10 राज्य/केंद्र-शासित प्रदेशों की कुल 96 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 17.7 करोड़ मतदाता हैं। ये 1.92 लाख मतदान केंद्रों पर वोट डालकर 1717 उम्मीदवारों के के भाग्य का निर्णय कर सकेंगे। इनमें 8.97 करोड़ पुरुष और 8.73 करोड़ महिला मतदाता हैं। इस चरण में आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों और ओडिशा की 28 विधानसभा सीटों पर भी मतदान कराया जा रहा है। सोमवार को मतदान के दिन लू चलने का कोई पूर्वानुमान नहीं है।

यह चुनाव नहीं संविधान मंथन

अखिलेश यादव बोले- जान और संविधान को बचाना है तो भाजपा का करें सफाया

संवाददाता

बाराबंकी। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि यह चुनाव संविधान और देश बचाने को लेकर हो रहा है। यदि जान और संविधान दोनों बचाना है तो भाजपा का सफाया करें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा प्रहार करते हुए उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर किसानों को बर्बाद करने का आरोप लगाया। अखिलेश रविवार को शहर के मौरंग मंडी के मैदान में इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। अखिलेश ने भाजपा पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक चुनाव है। यदि जान और और संविधान बचाना है तो भाजपा का सफाया करना होगा।

अखिलेश यादव ने चुनाव को समुद्र मंथन की तरह संविधान मंथन बताया और कहा कि आपको और हमको अपना और आने वाली पीढ़ी का भविष्य बचाना है तो हर हाल में भाजपा को उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के डबल इंजन की होर्डिंग देखी होगी। एक इंजन तो उसमें पहले से ही गायब है। उन्होंने बाराबंकी के लोकसभा चुनाव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यहां तो भाजपा को अपना पहले ही अपना इंजन बदलना पड़ा। उनका इशारा भाजपा सांसद उपेंद्र सिंह रावत की बजाय राजरानी रावत को टिकट देने को लेकर था। उन्होंने कहा कि देश का युवा बड़ी मेहनत से कोचिंग करके दूर-दूर परीक्षा देने जाता है और जब परीक्षा देकर वह घर लौटता है तो पता चलता है पेपर लीक हो गया।

> *गठबंधन सरकार बनने पर किसानों को आटा और मोबाइल के लिए डाटा फ्री होगा। 4 साल की अग्निवीर वाली नौकरी की व्यवस्था खत्म कर पक्की नौकरी देंगे। किसानों का कर्ज माफ करेंगे।*
>
> **अखिलेश यादव**
> **सपा अध्यक्ष**

उन्होंने इसकी गणित समझते हुए कहा कि करीब एक करोड़ 80 लाख लोग इसी वजह से भाजपा के खिलाफ है। हर परिवार से तीन लोग भाजपा से खफा हैं। यदि इनको 80 सीटों में बांट दे तो हर सीट पर भाजपा का दो लाख से अधिक वोटो का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहां कि भाजपा सरकार से 17 साल का हिसाब लेना है। 10 साल का केंद्र सरकार के और 7 साल प्रदेश सरकार के। इस मौके पर उन्होंने गठबंधन प्रत्याशी तनुज पुनिया का हाथ उठाते हुए कहा कि इनका चुनाव निशान साइकिल नहीं बल्कि हाथ का पंजा है। इसलिए साइकिल वाले लोग हाथ के पंजे पर ही बटन दबाएं।

अमित शाह ने किए राहुल से पांच सवाल

संवाददाता

रायबरेली। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को रायबरेली और गोण्डा में आयोजित जनसभा के दौरान कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। रायबरेली की जनसभा में गृहमंत्री ने राहुल गांधी को घेरा। जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने राहुल से पांच सवाल भी किए। उन्होंने कहा, पहले जनता के पांच सवालों का जवाब दें, इसके बाद वोट मांगे। कांग्रेस पर हमलावर हुए गृहमंत्री शाह ने कहा, गांधी परिवार ने रायबरेली के विकास को रोक दिया है। एक बार मौका दीजिए तो इसे नंबर-1 जिला बनाएंगे। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार झूठ बोलता है।

रायबरेली के जीजीआईसी ग्राउंड में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के लिए आयोजित जनसभा में शाह ने कहा कि राहुल कह रहे हैं कि ट्रिपल तलाक का कानून खत्म करेंगे।

जब तक मोदी है, धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाएगा

एजेंसी

कोलकाता। बीजेपी लगातार दावा कर रही है कि लोकसभा चुनाव 2024 में वह और उसके साथी दल मिलकर चार सौ से ज्यादा सीटें जीतकर फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे। बीजेपी का यह भी दावा है कि इस बार उन्हें पश्चिम बंगाल में उन्हें इस बार 2019 लोकसभा चुनाव से ज्यादा सीटें मिलेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में थे। यहां उन्होंने बैरकपुर लोकसभा सीट और हुगली लोकसभा सीट पर चुनावी रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने बैरकपुर लोकसभा सीट पर हुई जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें पश्चिम बंगाल में 2019 के मुकाबले इस लोकसभा चुनाव में बड़ी सफलता मिलेगी। वहीं हुगली की रैली में उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस पार्टी को उसके 'शहजादे' की उम्र से भी कम सीट मिलेंगी। बैरकपुर लोकसभा सीट पर हुई जनसभा में उन्होंने टीएमसी और ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में बम बनाने को एक कुटीर उद्योग बना दिया है। तृणमूल कांग्रेस सरकार लोगों को भगवान राम का नाम लेने और रामनवमी मनाने नहीं देती। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासन में हिंदू दोयम दर्जे के नागरिक बन गए हैं।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जब तक मोदी है, कोई अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का आरक्षण नहीं छीन सकता। जब तक मोदी है, धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा।

चौथे चरण के मतदान के लिए सख्त सुरक्षा इंतजाम

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के 13 जिलों की 13 लोकसभा सीटों पर चौथे चरण में सोमवार को होने वाले मतदान के लिए और भी कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

सुरक्षा ड्यूटी में 8209 इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर, 65500 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल, 45976 होमगार्ड्स, 44 कंपनी पीएसी तथा 239 कंपनी सीएपीएफ लगाई गई है। सीएपीएफ में बीएसफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी व आरपीएफ शामिल है।

यह जानकारी डीजीपी प्रशांत कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि 10788 ग्राम चौकीदार व 915 पीआरडी जवान भी ड्यूटी पर लगाए गए हैं। इसके अलावा सभी जिलों में 230 कंपनी पीएसी, आठ कंपनी यूपीएसएसएफ, तीन कंपनी एसडीआरएफ, राजपत्रित अधिकारी व अन्य पुलिस बल सामान्य कानून-व्यवस्था व सुरक्षा ड्यूटी के लिए लगातार व्यवस्थापित रहेंगे। डीजीपी ने बताया कि 13 जिलों में से लखीमपुर खीरी तथा बहराइच की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर 36 बैरियर तथा इटावा की अन्तर्राज्यीय सीमा पर पांच बैरियर स्थापित कर अनवरत सघन चेकिंग कराई जा रही है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस को दिया समर्थन

लखनऊ। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने बाराबंकी सुरक्षित सीट पर इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया के समर्थन का ऐलान किया है। इसी तरह बहराइच में इस पार्टी ने सपा प्रत्याशी रमेश गौतम को समर्थन देते हुए उन्हें जिताने की अपील की है। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व वित्तमंत्री केके गौतम ने यह जानकारी दी। असल में स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी यूं तो इंडिया गठबंधन को समर्थन दे रही है लेकिन कुछ सीटों पर उसने अपने प्रत्याशी भी उतारे हैं। इस पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य खुद कुशीनगर से चुनाव लड़ रहे हैं।

राजनाथ की राह नहीं आसान

सपा-कांग्रेस ने अग्निवीर योजना को लेकर फिर जताया कड़ा विरोध

संवाददाता

लखनऊ। इंडिया गठबंधन बीजेपी के गढ़ के रूप में मानी जाने वाली लखनऊ लोकसभा सीट पर इस बार मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ अग्निवीर योजना को कांग्रेस एक बड़े हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। उसने आरोप लगाया है कि रक्षामंत्री 80 साल की उम्र में भी अपने पद पर रहना चाहते हैं।

बीजेपी के गढ़ के रूप में मानी जाने वाली लखनऊ लोकसभा सीट पर इस बार इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है। कांग्रेस रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ अग्निवीर योजना को एक बड़े हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने राजनाथ सिंह पर हमला बोलते हुए कहा कि वे 80 साल की उम्र में भी अपने पद पर रहना चाहते हैं लेकिन 21 से 25 साल के युवाओं को रिटायर करना चाहते हैं। पार्टी ने कहा है कि सत्ता में आने पर वह अग्निवीर योजना को समाप्त कर देगी। कांग्रेस नेता अभय दुबे ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित करके उत्तर प्रदेश की धरती को पावन बताते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर हमला बोला है। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी देश की अस्मिता की रक्षा न करने का आरोप लगाते हुए जमकर खरी-खोटी सुनाई है। उन्होंने कहा कि भारत माता की अस्मिता को जिसने दिया धोखा, उस मोदी सरकार को क्यों देना अगला मौका। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि चीन भारत की सीमा में 2000 किलोमीटर तक अंदर घुसकर बैठ गया है। विश्व की सबसे ऊंची हवाई पट्टी हमारे पास होने के बावजूद भी मोदी सरकार देश की रक्षा करने में नाकाम रही है।

मुश्किल में फंसे अल्लू अर्जुन, आचार संहिता का उल्लंघन करने पर केस दर्ज

नई दिल्ली। साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन इन दिनों फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म को लेकर कोई ना कोई अपडेट हर दिन सामने आ ही जाते हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों में बड़ी एक्साइटमेंट देखने के लिए मिल रही है। ऐसे में अब एक्टर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उन पर आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप है। दरअसल, अल्लू अर्जुन लोकसभा चुनाव 2024 में दोस्त और विधायक रवि चंद्र किशोर रेड्डी के लिए चुनाव प्रचार के लिए नांद्याल पहुंचे थे।

राहुल को खुली बहस की चुनौती

संवाददाता

अमेठी। अमेठी से चुनाव लड़ रहीं स्मृति ईरानी ने राहुल और प्रियंका को बहस करने की खुली चुनौती दी है। मालूम हो कि राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि वह मोदी से बहस कर सकते हैं लेकिन मोदी उनसे बहस नहीं करेंगे। अब इस पर स्मृति ईरानी ने पलटवार किया है। स्मृति ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस खुद मुद्दों से भाग रही है।

सांसद स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी के बयान पर जवाब देते चुनौती दी और कहा कि मेरी आज इन सबको चुनौती है..आप अपना चैनल पिक करिए, एंकर चुनिए..मुद्दा चुनिए..स्थल चुनिए.. तारीख चुनिए..दोनों भाई बहन एक तरफ और भाजपा के एक प्रवक्ता एक तरफ़..दूध का दूध, पानी का पानी वहीं हो जाएगा किसमें कितना दम है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद मुद्दों से भाग रही है। अगर मुद्दों पर बात करने का दम है तो फिर कहती हूं चैनल बताएं, रिपोर्टर बताएं..स्थल बताएं..तारीख बताएं.. मुद्दा बताएं. हमारी पार्टी से सुधांशु त्रिवेदी जी हैं, वही काफी हैं। दोनों भाई-बहन एक तरफ और त्रिवेदी जी एक तरफ, सब पता चल जाएगा।

राहुल गांधी शनिवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम में थे। संविधान रक्षा से जुड़े एक कार्यक्रम में राहुल से सवाल पूछा गया कि क्या वह खुले मंच पर मोदी से बहस कर सकते हैं। इसके जवाब में राहुल ने कहा कि वह पीएम से बहस कर सकते हैं लेकिन वह पीएम को जानते हैं। पीएम उनके साथ बहस नहीं करेंगे। राहुल ने यह भी कहा कि पीएम मोदी के साथ बहस करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे भी तैयार हैं।

दो अस्पतालों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने के बाद अब दो अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने इस बार भी पुराने पैटर्न को दोहराते हुए ईमेल भेजा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ये धमकी भरा मेल संजय गांधी अस्पताल और बुरारी अस्पताल के पास आया है।

अस्पतालों द्वारा शिकायत मिलने के बाद मौके पर पुलिस के अलावा दमकल विभाग और तमाम सिविक एजेंसियां, बम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए हैं। अस्पताल में तलाशी अभियान जारी है। हालांकि अभी तक अस्पताल के परिसर से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिली है।

एक मई को सुबह 223 स्कूलों में बम रखे होने के ई-मेल भेजे गए थे। ईमेल में नफरती भाषा का इस्तेमाल किया गया था। ईमेल में लिखा था, हमारे हाथों में जो लोहा है। वह हमारे दिलों को गले लगाता है। इंशाअल्लाह, हम इन्हें हवा में उड़ा कर तुम्हारे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। तुम्हारे घिनौने शरीरों को चीर देंगे। हम तुम्हारी गर्दन और चेहरे को फाड़ देंगे। अल्लाह की मर्जी हुई तो हम तुम्हें आग की लपटों में डाल देंगे।

केजरीवाल की देश को 10 गारंटी

एजेंसी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार पीएम मोदी पर हमलावर हैं। रविवार को एक बार फिर उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रधानमंत्री की गारंटी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इसी के साथ केजरीवाल ने देश को 10 गारंटियां दी। उन्होंने कहा कि जब इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी तब इन गारंटियों को पूरा किया जाएगा।

केजरीवाल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में महंगाई कम करने, हर साल 2 करोड़ रोजगार देने, 15 लाख रुपए और किसानों की आय दोगुनी करने समेत कई गारंटियां दी थीं लेकिन आजतक एक भी गारंटी पूरी नहीं हुई है। वहीं मैंने दिल्ली और पंजाब के चुनावों में फ्री बिजली-पानी और अच्छे स्कूल और अस्पताल की गारंटी दी थी, जो मैंने पूरी की।

केजरीवाल ने कहा कि हमने बिजली मुफ्त करने की गारंटी दी, स्कूल शानदार की गारंटी दी, मोहल्ला क्लिनिक खोलने का वादा किया। हमने वो सब किया जिसकी हमने गारंटी दी थी।

> *देश में मोदी की गारंटी की चर्चा है। केजरीवाल ने कहा कि पीएम ने 15 लाख रुपये खाते में देने की गारंटी दी थी, जो नहीं हुआ। उन्होंने कहा दो करोड़ रोजगार देंगे, वह भी नहीं हुआ। स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करके किसानों को फसलों के दाम दिए जाएंगे और 2022 तक किसानों की इनकम डबल हो जाएगी, यह भी नहीं हुआ।*
>
> **अरविन्द केजरीवाल**
> **मुख्यमंत्री, नई दिल्ली**

10 गारंटियां

1. मुफ्त बिजली की गारंटी
2. बेहतर शिक्षा की गारंटी
3. शानदार और फ्री इलाज की व्यवस्था करेंगे
4. चीन से जमीन वापस लेने की गारंटी
5. अग्निवीर योजना बंद कर, अग्निवीरों को पक्का करने की गारंटी
6. किसानों के लिए गारंटी
7. दिल्ली को पूर्ण राज्य की गारंटी
8. रोजगार की गारंटी
9. भ्रष्टाचार से मुक्ती की गारंटी
10. व्यापारी को खुलकर व्यापार करने की गारंटी

भाजपा सांसद रमेश बिंद को सपा ने मिर्जापुर से टिकट दिया

राजेंद्र एस बिंद का टिकट पिछली बार भी कटा था

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने भाजपा सांसद रमेश बिंद को अपने दल में शामिल करते हुए मिर्जापुर से टिकट दे दिया। इसके लिए पार्टी ने अपने पूर्व घोषित प्रत्याशी राजेद्र एस बिंद का टिकट काट दिया। वहीं, रॉबर्टसगंज से छोटे लाल खरवार को प्रत्याशी बनाया है।

पार्टी ने रविवार को इन दोनों के नाम घोषित कर दिए। अब सपा के कोटे के सारे यानी 62 प्रत्याशी घोषित हो गए। रमेश बिंद भाजपा के भदोही से सांसद हैं। जब भाजपा ने उनका टिकट काट दिया तो उन्होंने सपा से मिर्जापुर से टिकट के लिए भागदौड़ शुरू की। जब इसकी भनक राजेंद्र एस बिंद को लगी तो वह अपना टिकट बचाने के लिए सक्रिय हो गए।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने शुरू किया बूथ विजय संकल्प अभियान

लखनऊ। कांग्रेस ने बूथ विजय संकल्प अभियान शुरू किया है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर रविवार को पार्टी के जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी व शहर अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम ने अभियान का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके तहत कांग्रेस के नेता एवं पदाधिकारी किसी एक बूथ की जिम्मेदारी लेते हुए उसे जिताने संकल्प लेंगे। यह 2027 के विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता अभय दुबे, मीडिया चेयरमैन डॉ. सीपी राय, राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर गरिमा मेहरा दसौनी व चित्रा निषाद बाथम, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता शुचि विश्वास, प्रदीप सिंह, राजेश सिंह काली, अजय वर्मा व नईम खान भी मौजूद रहे।

मतदान वाले इलाकों में मौसम रहेगा खुशगवार

लखनऊ। सोमवार को प्रदेश के जिन इलाकों में मतदान होगा, वहां गर्मी वोटरों को बहुत परेशान नहीं करेगी। मौसम विभाग के अनुसार इन इलाकों में मौसम खुशगवार रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, अतुल कुमार सिंह के अनुसार शाहजहांपुर, खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई., मिश्रिख , उन्नाव, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच इलाकों में आंशक बदली छाई रहेगी। इन इलाकों में दिन का तापमान 36 से 39 डिग्री के आसपास रहने के आसार हैं। कानपुर में दिन का तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास जा सकता है, बाकी इलाकों में दिन का तापमान 36-37 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रहने के आसार हैं।

कुवैत भेजने के नाम पर ठगी का आरोपित गिरफ्तार

लखनऊ। कुवैत भेजने के नाम पर फर्जी वीजा थमा कर रुपये ऐंठने के एक आरोपित को विभूतिखंड पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस दूसरे आरोपित की तलाश कर रही है। बस्ती के वाल्टरगंज निवासी अरुण चौधरी ने मुकदमा दर्ज कराया था कि कुछ समय पहले कुवैत जाने के लिए विभूतिखंड के धर्मा टावर स्थित सरला इण्टरनेशनल टूर एण्ड ट्रेवल्स के कार्यालय में संचालक विवेक कुमार मिश्रा व आदित्य विक्रम सिंह से मिले थे। दोनों आरोपितों ने कुवैत का वीजा दिलाने के नाम पर उनसे 85 हजार रुपये लिए थे। आरोपितों ने एक निजी अस्पताल में उनका मेडिकल भी करवाया था। कुछ दिन बाद आरोपितों ने वीजा थमा दिया। वह एयरपोर्ट पहुंचे तो पता लगा कि यह वीजा फर्जी है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील सिंह के मुताबिक आरोपित अमेठी के गौरीगंज निवासी विवेक मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं आदित्य की तलाश की जा रही है।

गुरुद्वारे में राजनाथ की जीत के लिए टेका मत्था

लखनऊ। रक्षामंत्री व लखनऊ से प्रत्याशी राजनाथ सिंह की ऐतिहासिक जीत के लिए चंदरनगर गुरुद्वारे में रखे गए अखंड पाठ का रविवार को समापन हुआ। इस मौके पर श्री गुरु सिंह सभा चंदरनगर (चंदरनगर गुरुद्वारा) में महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, सिंधी अकादमी के उपाध्यक्ष नानक चंद लखमनी, अनिल सिंह आदि ने मत्था टेक कर जीत की कामना की। लखनऊ व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष सतबीर सिंह राजू ने बताया कि पाठ की समाप्ति के बाद अरदास हुई। चंदरनगर गुरुद्वारा कमेटी ने सभी को सरोपे भेंटकर सम्मानित किया। इसके साथ अनीता अग्रवाल, राजू गांधी, पीयूष दीवान, अजय त्रिपाठी, सतबीर सिंह, दिलप्रीत सिंह, रजिंदर सिंह बग्गा, निर्मल सिंह, जसपाल सिंह, राजू अनेजा, हरीश कोहली, लखविन्दर सिंह, गुरजीत छाबड़ा सोनू, गुरप्रीत सिंह बग्गा, परविंदर सिंह को भी सम्मानित किया गया।

लॉरी की डॉक्टर से 85 लाख ऐंठे

लखनऊ। जालसाज ने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर फर्जी पासपोर्ट समेत अन्य प्रतिबंधित सामान भेजने का आरोप लगाते हुए केजीएमयू लॉरी की डॉक्टर से 85 लाख रुपये ऐंठ लिए। रुपये नहीं देने पर सात साल के लिए जेल भेजने की धमकी दी। लगातार रुपये की मांग बढ़ती देखकर पीड़िता ने साइबर क्राइम सेल में मुकदमा दर्ज कराया है। महानगर इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी डॉ. सौम्या गुप्ता केजीएमयू लॉरी में तैनात हैं। डॉ. सौम्या के मुताबिक कुछ दिन पहले उनके पास एक कॉल आई। कॉल उठाने ही इंदिरा गांधी एयरपोर्ट दिल्ली के कस्टम अधिकारी को ट्रांसफर कर दी गई। उसने कहा कि आपके नाम जो कारगो बुक किया गया है, उसमें जाली पासपोर्ट, एटीएम कार्ड और 140 ग्राम एमडीएम पाया गया। इसके बाद कॉल दूसरे व्यक्ति को ट्रांसफर कर दी गई। उसने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर जेल भेजने की धमकी देने लगा। उनके द्वारा कोई कारगो बुक न किए जाने की बात कही गई तो उनकी आईडी का प्रयोग होने की बात कहकर धमकाने लगे। कानूनी प्रक्रिया के तहत संपत्ति वेरीफिकेशन की जांच के बहाने उनके खाते और अन्य डिटेल ले ली। इसके बाद जालसाजों ने वेल बाण्ड भरने समेत अन्य चीजों के नाम पर 85 लाख विभिन्न खाते में जमा करा लिए। इसके बाद भी लगातार मांग बढ़ती देखकर डॉ. सौम्या ने साइबर क्राइम सेल में मुकदमा दर्ज कराया है।

लखनऊ में मतदान वाले दिन दौड़ेंगे 4000 ऑटो

लखनऊ। लखनऊ में 20 मई को लोकसभा चुनाव के मतदान के लिए, जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इस बार वोटरों को 457 मतदान स्थल तक पहुंचाने के लिए 4000 थ्री व्हीलर ऑटो रिक्शा चलेंगे। डीएम ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह ऑटो रिक्शा लखनऊ ऑटो रिक्शा संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में संचालित होंगे। मोर्चा की ओर से हर मतदान स्थल के लिए तीन से पांच ऑटो रिक्शा के रूट तय किए जाएंगे, ताकि हर बूथ पर वोटरों की संख्या बढ़ाकर रिकॉर्ड मतदान कराने की तैयारी है। चारबाग में रविवार को 20 मई को मतदान के लिए टैम्पो टैक्सी एवं ऑटोरिक्शा संयुक्त मोर्चा की ओर से मतदाता जागरूकता ऑटो रिक्शा रैली निकाली। इसे जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, गुंजिता अग्रवाल, एआरटीओ प्रशासन अखिलेश द्विवेदी ने संयुक्त रूप से रवाना किया। इस बार लखनऊ में 70 फीसदी तक मतदान की अपील की। इस दौरान जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने 200 मतदाता जागरूकता ऑटो रिक्शा रैली को रवाना करते हुए कहा कि ऑटो रिक्शा के लिए किराया चुकाना होगा। सुरक्षा कर्मियों को बताया जाएगा कि ऑटो रिक्शा से वोट देने आने वाले वोटरों को रोकें नहीं। निजी वाहन भी मतदान स्थल तक जा सकेंगे। कार्यक्रम में संयुक्त मोर्चा अध्यक्ष पंकज दीक्षित, महामंत्री राजेश राज, उपाध्यक्ष किशोर वर्मा, जिया रॉय, पीयूष वर्मा, सोनू रावत, नौशाद अली, राघवेंद्र सिंह, जगदीश तलरेजा, आशुतोष जायसवाल, नरेश ग्रोवर, राजपाल सिंह, सोनू सरदार, मारिफ अली खान, अजय प्रताप सिंह मुन्ना, हयात अली खान, संतोष जायसवाल, सतनाम सिंह, आरिफ खान आदि थे।

केजीएमयू में आईवीएफ केन्द्र शुरू

लखनऊ। केजीएमयू के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (क्वीन मेरी) में चार साल बाद दोबारा आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) की सुविधा शुरू हो गई है। केन्द्र की डॉक्टरों ने एक महिला का सफल गर्भधारण कराया। पूरी प्रकिया में जांच से लेकर दवाओं में करीब 80 हजार रुपये खर्च हुए हैं। जबकि निजी केन्द्र आईवीएफ का तीन लाख से अधिक वसूल रहे हैं। केजीएमयू के आईवीएफ केन्द्र में आधा दर्जन निःसंतान दंपतियों ने पंजीकरण कराया है। जो दंपति निजी सेंटरों पर आईवीएफ कराने में सक्षम नहीं हैं, वो दंपति यहां कम कीमत पर आईवीएफ की सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

मोदी संविधान हितैषी, संविधान पर भ्रम फैला रहे कांग्रेस और इंडी गठबंधन: आठवले

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी आफ इण्डिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा संविधान का सम्मान किया है। कांग्रेस और इंडी अघाड़ी आरक्षण और संविधान को लेकर भ्रम फैला रहे हैं, जबकि सबसे बड़े संविधान के विरोधी वही हैं। रविवार को प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कह रहे हैं कि मोदी इस बार प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे लेकिन राहुल गांधी जो बोलते हैं, हमेशा उसके उल्टा होता है। आरपीआई की उत्तर प्रदेश में भागीदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि आरपीआई, उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटों पर भाजपा को जिताने का काम कर रही है।

माफिया मुक्त घोषित होगा यूपी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया को चेतावनी देते हुए कहा है कि चार जून के बाद हमारी सरकार यूपी को माफिया मुक्त राज्य घोषित करने के लिए एक निश्चित कट-ऑफ तारीख देगी। उन्होंने कहा कि सभी माफिया नेताओं की तरफ से अर्जित संपत्तियों को जब्त किया जाएगा और गरीबों, अनाथों, महिला संरक्षण गृहों और दिव्यांगों के घरों के लिए आवंटित कर दिया जाएगी। सीएम योगी ने यह बड़ी घोषणा एक निजी टीवी चैनल में साक्षात्कार का दौरान कहीं। इस साक्षात्कार में सीएम योगी ने माफिया और विपक्षी नेताओं पर एक्शन को लेकर भी खुलकर जवाब दिया।

सीएम योगी ने कहा कि माफिया की अवैध जमीनों पर अस्पताल और स्कूल बनाए जाएंगे। पहले चरण में माफिया को टारगेट किया जाएगा और दूसरे चरण में उनके गुर्गों की संपत्तियां भी जब्त की जाएगी। इसके लिए हमारी कार्य योजना भी तैयार है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता

और पूर्व मंत्री आजम खान से जुड़े सवाल का भी जवाब दिया। आजम खान की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ये उस महाभारत परिवार के एक और 'काका श्री' हैं। जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था, तो दुर्योधन और दुशासन के सामने हर कोई चुप था। जैसी करनी वैसी भरनी (जैसा बोओगे, वैसा काटोगे)। चाहे वह आजम खान हों या कोई माफिया सरगना। उन्होंने राज्य के विकास में बाधा डाली। इसलिए, ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

तख्ती डालकर जान की भीख मांगने पर मजबूर: एक सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि जो भी दंगा करेगा उस पर डंडा तो चलेगा ही। यूपी में दंगा करने वालों को सात पीढ़ी तक जुर्माना भरना होगा। आज प्रदेश की बहन-बेटियां सुरक्षित हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि अब एक अपराधी गले में तख्ती डालकर जान की भीख मांगने पर मजबूर है। हमने प्रदेश में एक भयमुक्त वातावरण दिया है।

वोट के लिए जिहाद करेंगे तो जन्नत नहीं मिलेगी: कुछ इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा गजवा-ए-हिंद के बारे में बोलने पर योगी ने कहा, कयामत के दिन तक गजवा-ए-हिंद नहीं होने वाला है। भारत, भारत ही रहेगा। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी के वोट जिहाद के आह्वान पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वोट के लिए जिहाद करेंगे तो जन्नत नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले 10 वर्षों के दौरान मोदी जी ने जाति और धर्म को किनारे रख के सभी को समान रूप से सामाजिक कल्याण की योजनाओं का लाभ दिया। जो लोग हमारे समाज का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं, वे कभी मुसलमानों के हितैषी नहीं हो सकते। वे हमेशा चाहेंगे कि मुसलमान लुंगी पहनें और दौड़ें।

खत्म होगी कांग्रेस पूछ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि 4 जून के बाद इनको पूछने वाला कोई नहीं होगा। ये गाएंगे, चल उड़ जा रे पंछी, ये देश हुआ बेगाना। योगी ने कहा कि राहुल मुझसे लिखित में ले सकते हैं कि उनका गठबंधन यूपी में सभी सीटें हार जाएगा।

आयकर विभाग के चेक से फर्जीवाड़े की कोशिश

एसबीआई से विलयरेंस कॉल आई तो खुलासा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में इनकम टैक्स ऑफिस के चेक पर फर्जी साइन करके 16.5 करोड़ का फर्जीवाड़ा करने की कोशिश की गई। यह भुगतान मारुति सोलर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के खाते में होना था, लेकिन जालसाज कामयाब नहीं हो पाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू की है।

4 मई को करीब शाम 4.30 बजे इनकम टैक्स के ड्राइंग डिस्बर्सिंग ऑफिसर के पास एसबीआई बिजनेस ब्रांच से कॉल आया। जिसने 16 करोड़ 58 लाख रुपए भुगतान के लिए क्लियरेंस की बात कही। बताया कि यह चेक मारुति सोलर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर है।

चेक पर खाता संख्या 3564006937 लिखा है और जारी होने की तारीख 18 अप्रैल लिखी है। अधिकारी को संदेह हुआ तो चेक की कॉपी मंगाई गई। फिर गहराई से चेक की जांच की गई तो पता चला कि उस पर किया गया साइन फर्जी है। इसके बाद तुरंत भुगतान रोकने के लिए कहा गया।

डिप्टी डायरेक्टर इनकम टैक्स सुधाकर शुक्ला ने बताया कि पीडीआईटी ऑफिस कभी भी किसी प्राइवेट पार्टी को चेक जारी नहीं करता। इस मामले की पड़ताल के लिए आशीष कनौजिया को एसबीआई ऑफिस भेजा गया था।

वहां पता चला कि 637900 से 638000 नंबर की चेक बुक 27 मार्च 2023 को एक्टिव की गई। इसके आधार पर जांच की गई तो चेक बुक से दो चेक गायब मिले। इसके बाद तुरंत बैंक को इसका संचालन बंद करने को कहा गया। बैंक से भी इंटर्नल जांच कराने को कहा गया है।

इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। मामले की जांच की जा रही है। सारे तथ्य जुटाए जा रहे हैं। तथ्यों को आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

मायावती आज लखनऊ में करेंगी चुनावी सभा

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती सोमवार को लखनऊ में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी। आकाश आनंद को 28 अप्रैल में लखनऊ में चुनावी सभा करनी थी, लेकिन सीतापुर में सभा के दौरान एफआईआर होने के बाद उनका कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। मायावती की सभा दोपहर में सरोजनी नगर तहसील तहत किसान पथ के ओमैक्स सिटी रोड पीजीआई के नजदीक काशी पश्चिम मैदान में होगी। बसपा ने लखनऊ से सरकार अली और मोहनलालगंज संसदीय सीट से राजेश कुमार उर्फ मनोज प्रधान को टिकट दिया है। बसपा लखनऊ और मोहनलालगंज लोकसभा सीट कभी नहीं जीत पाई है। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन में मोहनलालगंज से बसपा चुनाव लड़ी थी। इस चुनाव में उसे 90 हजार से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। बसपा से निकलने वाले आरके चौधरी सपा के टिकट पर मोहनलालगंज से चुनाव लड़ रहे हैं। मायावती सरोजनीनगर क्षेत्र में इसीलिए चुनावी सभा रखी है कि दोनों लोकसभा सीट के मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचा सकें।

पीजीआई में नौकरी के नाम युवती से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई में नौकरी लगवाने का झांसा देकर आरोपित ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। भरोसे में लेकर रुपये और कीमती सामान भी उपहार में लिए। पीड़िता को खुद के साथ हुए धोखे का एहसास होने पर उसने नींद की गोलियां खाकर जान देने की कोशिश की। पीड़िता की तहरीर पर पीजीआई पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

पीड़िता के मुताबिक एक वर्ष पहले उसकी मुलाकात बाराबंकी के सहादतगंज निवासी विपिन कुमार से हुई थी। विपिन पीजीआई के सेक्टर-19 में रहकर पीजीआई में हेल्पर सुपरवाइजर के पद पर नौकरी करता है। विपिन ने पीजीआई में नौकरी लगवाने का झांसा देकर उससे नजदीकी बढ़ाई। भरोसे में लेकर उसके साथ दुष्कर्म किया। अक्सर वह उससे रुपये कीमती सामान उपहार में लेने

लगा। इसके बाद आरोपी बातें बदलने लगा। पुलिस से शिकायत करने की बात पर वह धमकाने लगा। परेशान होकर उसने चार मई को नींद की गोलियां खा लीं।

तबियत बिगड़ने पर विपिन ने उसे पीजीआई में भर्ती कराया। एक दिन बाद तबियत में सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अस्पताल से आने पर विपिन के दोस्त अमित ने उसका मोबाइल फोन सीवर लाइन में फेंक दिया।

इंस्पेक्टर पीजीआई ब्रजेश चन्द्र तिवारी के मुताबिक विपिन और अमित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

चंद्रावल में लगा 72वाँ आपका विधायक आपके द्वार जन सुनवाई शिविर

विधायक राजेश्वर सिंह ने बेटियों को उपलब्ध कराए खेल के संसाधन

संवाददाता

लखनऊ। सहज संवाद से जन समस्याओं के त्वरित समाधान का उत्कृष्ट माध्यम है सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर। रविवार को ग्राम पंचायत चंद्रावल में 72 वां आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। आज ग्रामसभा चंद्रावल में आयोजित आपका विधायक आपके द्वार जन सुनवाई शिविर के दौरान विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की टीम ने ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं और विकास संबंधित सुझाव प्राप्त किए। इस

दौरान विधायक की टीम द्वारा ग्रामवासियों से प्राप्त आवास, पेंशन सड़क व नाली आदि की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र निस्तारित कराए जाने हेतु आश्वस्त किया गया एवं विधायक द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों से अवगत कराया।

सरोजनीनगर परिवार के लिए संवाद, उपलब्धता व समस्याओं के समाधान हेतु 73वें आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन अगले रविवार को ग्रामसभा साहिजनपुर में किया जायेगा।

रविवार को विधायक राजेश्वर सिंह की टीम द्वारा ग्राम पंचायत परवर पश्चिम और परवर पूरब में गर्ल्स यूथ क्लबों की स्थापना कर स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराई गई।

विधायक का लक्ष्य बेटियों को गर्ल्स यूथ क्लबों के माध्यम से संगठित कर हर संसाधन उपलब्ध कराना है, अबतक सरोजनीनगर में 11 गर्ल्स यूथ क्लब स्थापित हो चुके हैं, जिनमें माध्यम से 350 से अधिक बेटियों को सशक्त बनाया गया।

वैज्ञानिक समेत 102 कर्मियों पर होगा केस

संवाददाता

लखनऊ। चुनाव की ड्यूटी लगाए जाने के बाद ट्रेनिंग में बिना कारण बताए गायब रहे अधिकारियों-कर्मचारियों पर एफआईआर के निर्देश डीएम ने दिए हैं। इनमें बैंक के डिप्टी मैनेजर, केन्द्रीय संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक, सरकारी विभाग के सूचना अधिकारी समेत कुल 102 कर्मचारी शामिल हैं।

जय नारायण पीजी कॉलेज (केकेसी) में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, मतदान अधिकारी द्वितीय, मतदान अधिकारी तृतीय का प्रशिक्षण चल रहा है। इसके दूसरे दिन 19 पीठासीन अधिकारी अनुपस्थित रहे। साथ ही मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय पद पर तैनात किए गए 83 कर्मचारी प्रशिक्षण लेने नहीं आए। ऐसे में डीएम सूर्य पाल गंगवार ने ट्रेनिंग से गायब कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। डीएम ने अनुपस्थित कार्मचारियों के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। इसके पूर्व शनिवार को 93 कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश उन्होंने दिए थे। डीएम ने कहा कि ट्रेनिंग लेना सभी कार्मिकों के लिए अनिवार्य है। किसी भी दशा में ट्रेनिंग छोड़ी नहीं जा सकती। चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों का प्रशिक्षण दो पालियों में हुआ। पहली पाली का प्रशिक्षण सुबह नौ बजे शुरू हुआ। दूसरी पाली का प्रशिक्षण दिन में 1:30 बजे शुरू हुआ। रविवार को 1200 पीठासीन अधिकारियों में से 1181 ने प्रशिक्षण लिया। इसी तरह 3600 में से 3512 मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय और तृतीय ने प्रशिक्षण लिया।

खड़गे व राहुल की जनसभाएं होगी कल

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 14 मई को प्रदेश के दौरे पर रहेंगे और अलग-अलग तीन लोकसभा क्षेत्रों महाराजगंज, बांसगांव सुरक्षित व झांसी में जनसभा को संबोधित करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय ने बताया कि मल्लिकार्जुन खड़गे 14 मई को अपराह्न 12.15 बजे जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज महाराजगंज में लोकसभा क्षेत्र महाराजगंज से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एवं कांग्रेस के विधायक वीरेन्द्र चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। अपराह्न 2.30 बजे वह सर्वोदय किसान इंटर कॉलेज गोरखपुर में लोकसभा क्षेत्र बांसगांव से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सदल प्रसाद के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।

दोनों सभाओं में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी के प्रभारी अविनाश पांडेय भी मौजूद रहेंगे। डॉ. राय ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 मई को अपराह्न 2.30 बजे क्राफ्ट मेला मैदान झांसी में लोकसभा क्षेत्र झांसी से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। डॉ. राय ने बताया कि प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय 13 मई को पूर्वाह्न 11 बजे श्रावस्ती में इंडिया गठबंधन दल की समन्वय बैठक को संबोधित करेंगे। साथ ही कांग्रेस के न्याय पत्र के घर-घर वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। अपराह्न 12.50 बजे वह लोकसभा क्षेत्र गोंडा एवं कैसरगंज की थाना कोतवाली देहात स्थित ग्राम खुराना में आयोजित समन्वय बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके बाद अपराह्न 2.50 बजे वह रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राहुल गांधी के समर्थन में आयोजित जनसंपर्क शामिल होंगे।

शंकराचार्य ने छोटी उम्र में संन्यासी बनने की ठान ली थी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राधा कमल मुखर्जी सभागार में आचार्य शंकर भारत उद्धारक मंडल की ओर से आदि शंकराचार्य के प्राकट्य उत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता मनोज ने शंकराचार्य के समग्र जीवन के बारे मे जानकारी दी। मुख्य वक्ता मनोज ने कहा कि शंकराचार्य का जन्म एक गरीब मलयाली ब्राह्मण परिवार में सन 788ई में, केरल के आधुनिक एर्नाकुलम ज़िले में कलादी नामक गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु था जो कि शास्त्रों में प्रवीण थे और माता का नाम आर्यम्बा था। शिवगुरु और आर्यम्बा के विवाह के कई वर्ष बाद तक उनके यहां कोई संतान नहीं हुई। तब उन्होंने भगवान शिव से एक पुत्र प्राप्ति की प्रार्थना की और उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर उन्हें वसंत ऋतु के शुभ अभिजीत मुहूर्त में एक बालक के रूप में मिला।

एडीआर ने पांचवें चरण के प्रत्याशियों के शपथ पत्र पर रिपोर्ट जारी की

संपत्ति में अनुराग तो आपराधिक मामलों में रविदास नंबर एक

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने यूपी में पांचवें चरण की 14 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले सभी 144 उम्मीदवारों के शपथपत्रों का विश्लेषण करते हुए अपनी रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक इस चरण के प्रत्याशियों में झांसी से भाजपा प्रत्याशी अनुराग शर्मा के पास सबसे अधिक 212 करोड़ रुपये की संपत्ति है। वहीं आपराधिक मामलों में लखनऊ से सपा प्रत्याशी रविदास मल्होत्रा नंबर एक पर हैं, इन पर 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मुख्य संयोजक यूपी इलेक्शन वॉच एडीआर संजय सिंह तथा राज्य संयोजक संतोष श्रीवास्तव ने पांचवें चरण के प्रत्याशियों के शपथपत्र के विश्लेषण के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। इस चरण की सीटें लखनऊ, मोहनलालगंज, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा से 144 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

इस चरण में कुल 20 फीसदी उम्मीदवारों पर दर्ज हैं आपराधिक मामले: आपराधिक मामलों में 144 में से 29 (20%) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं जबकि 18% उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आपराधिक मामले घोषित करने वाले उम्मीदवारों का दलवार विवरण देखा जाए तो बसपा के 14 में से 5 (36%), भाजपा के 14 में से 4 (29%), सपा के 10 में से 5 (50%), कांग्रेस के 4 में से 3 (75%) और अपना दल (कमेरावादी) के 4 में से 1 (25%) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। बसपा के 29%, भाजपा के 21%, सपा के 40%, कांग्रेस के 75% तथा अपना दल (कमेरावादी) के 25%, उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

लखनऊ से सपा के प्रत्याशी रविदास मल्होत्रा पर 18 आपराधिक मामले दर्ज रहे हैं। दूसरे नंबर पर झांसी से कांग्रेस के प्रत्याशी प्रदीप जैन आदित्य पर 6 आपराधिक मामले तथा तीसरे नंबर पर कैसरगंज से सपा प्रत्याशी भगत राम पर एक आपराधिक मामला पंजीकृत है।

37% उम्मीदवार करोड़पति, भाजपा प्रत्याशियों की औसत संपत्ति 28 करोड़: इस चरण के 144 में से 53 यानी 37% उम्मीदवार करोड़पति हैं। भाजपा के 14 में से 13 (93%), सपा के 10 में से 10 (100%), बसपा के 14 में से 10 (71%) तथा कांग्रेस के 4 में से 4 (100%) उम्मीदवार करोड़पति हैं। पांचवें चरण के उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति 4.37 करोड़ रुपये की है।

मुख्य दलों में भाजपा के 14 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब 28 करोड़ रुपये, बसपा के 14 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 5 करोड़, सपा के 10 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब 4 करोड़ तथा कांग्रेस के 4 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब 9 करोड़ रुपये है।

झांसी से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे अनुराग शर्मा की संपत्ति करीब 212 करोड़ रुपये है। कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह की संपत्ति 49 करोड़ रुपये और गोंडा से भाजपा प्रत्याशी कीर्तिवर्धन सिंह की संपत्ति करीब 37 करोड़ रुपये के आसपास है। पांच उम्मीदवारों ने अपना पैन घोषित नहीं किया है।

तीन गरीब प्रत्याशियों ने अपनी संपत्ति 20 से 32 हजार के बीच बताई है: वहीं हमीरपुर लोकसभा सीट से अल हिन्द पार्टी के प्रत्याशी धर्मराज की कुल संपत्ति महज 20 हजार, झांसी से अल हिन्द पार्टी से प्रत्याशी दीपक कुमार वर्मा की संपत्ति 22 हजार तथा फैजाबाद से भारत महापरिवार पार्टी से प्रत्याशी अम्बरीश देव गुप्ता ने अपनी कुल संपत्ति 32 हजार रुपये के करीब बताई है।

31 फीसदी प्रत्याशियों की शिक्षा 5वीं से 12वीं के बीच: पांचवें चरण के 144 उम्मीदवारों में से 44 (31%) उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता 5वीं और 12वीं के बीच घोषित की है। 89 (62%) उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा घोषित की है। छह उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा धारक घोषित की है। वहीं तीन उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता साक्षर और 2 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता असाक्षर घोषित की है।

34% युवा प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं इस चरण में: आयु की बात करें तो इस चरण के 144 में से 49 (34%) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 25 से 40 वर्ष के बीच घोषित की है। 64 (44%) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच घोषित की है तथा 31 (22%) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच घोषित की है। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मात्र 13 (9 प्रतिशत) महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

अखिलेश आज बाराबंकी व मोहनलालगंज में करेंगे चुनावी सभा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को बाराबंकी व मोहनलालगंज में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। अखिलेश 12.30 बजे बाराबंकी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी तनुज पुनिया के समर्थन में मौरंग मंडी का मैदान थाना सदर कोतवाली में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी आरके चौधरी के लिए 1.50 बजे अंधे की चौकी, कसमंडी रोड, मलिहाबाद लखनऊ में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

तेज हवाओं की वजह से भड़की आग

लखनऊ। आईआईएम रोड के पास कूड़े के ढ़ेर में आग लग गई। थोड़ी ही देर में विकराल रूप पकड़ लिया। वहां से गुजर रहे लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पा लिया। फायर सेफ्टी ऑफिसर पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि घटना शनिवार दोपहर 12 बजे की है। आग की सूचना के बाद 2 टीम रवाना की गईं। आग से किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। किस वजह से आग लगी इसकी जानकारी नहीं हो पाई। तेज हवा की वजह से आग फैल गई। आसपास के पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है।

डिवाइडर से भिड़ी कार, बैंक कर्मी की मौत

लखनऊ। लोहिया अस्पताल के पास शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। कार चला रहे बैंक कर्मी रोहित कुमार (24) खिड़की के शीशे से बाहर निकलकर डिवाइडर में जा भिड़े। सिर में गंभीर चोट आने से उनकी मौत हो गई।

छात्रा को भगा कर ले जा रहा आरोपी गोवा एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज में रहने वाली स्नातक की छात्रा को अतरौली में रहने वाले दूसरे समुदाय का युवक भगा ले गया। परिजनों को पता चला कि आरोपी छात्रा को फ्लाइट से दिल्ली होते हुए गोवा ले जा रहा है। परिजनों ने मोहनलालगंज पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने गोवा पुलिस से सम्पर्क कर आरोपी को हिरासत में लेकर छात्रा को बरामद कर लिया। मोहनलालगंज में रहने वाले छात्रा के भाई ने दर्ज मुकदमे में बताया कि मंगलवार की भोर चार बजे अतरौली में रहने वाला मोहम्मद अमान उसकी बहन को बहला फुसला कर भगा ले गया है। साथ ही परिजनों ने बताया कि आरोपी लखनऊ से दिल्ली होते हुए फ्लाइट से गोवा लेकर जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर गोवा पुलिस से सम्पर्क किया और एयरपोर्ट पर ही रोक लिया। मोहनलालगंज पुलिस आरोपी व छात्रा को वापस लाकर आरोपी को जेल भेज दिया।

बिल्डरों ने व्यापारी को धमका कर मांगी रंगदारी

लखनऊ। वजीरगंज कोतवाली में व्यापारी ने बिल्डर और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी और रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपियों ने व्यापारी की सम्पत्ति खरीदने के लिए पूर्व में एग्रीमेंट किया। तय वक्त में रजिस्ट्री नहीं कराने पर बिल्डरों ने खुद ही एग्रीमेंट निरस्त करवाया था। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। नादान महल रोड निवासी व्यापारी प्रशांत जायसवाल के पिता अनिल कुमार मकान बेचने के लिए प्रयास कर रहे थे। इस सिलसिले में बिल्डर शाहिद और जुबैर से मुलाकात हुई। जिन्होंने डेढ़ करोड़ रुपये में मकान खरीदने का सौदा किया। दिसंबर 2022 में करीब 45 लाख रुपये प्रशांत के पिता के खाते में जमा कराए गए। तीन महीने में रजिस्ट्री होनी थी। तय वक्त गुजरने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराने पर शाहिद और जुबैर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने बिल्डर एग्रीमेंट कैंसिल करने के लिए कहा। फरवरी 2024 में प्रशांत के पिता ने करीब 15 लाख रुपये लौटाए दिए। बचे हुए रुपये भी जल्द ही वापस किए जाने थे। पीड़ित के मुताबिक 10 फरवरी को वह आगामीर ड्योढ़ी की तरफ से जा रहा था। तभी शाहिद के कहने पर कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। गाली गलौज करते हुए जबरन सादे स्टाम्प पर हस्ताक्षर करा लिए। प्रशांत के मुताबिक एक युवक ने फोन पर शाहिद से बात कराई थी। जिसने स्टाम्प का इस्तेमाल कर सम्पत्ति अपने नाम कराने की धमकी दी। वहीं, हस्ताक्षरयुक्त स्टाम्प लौटाने के बदले रुपयों की मांग की गई। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई है।

फ्रेंचाइजी दिलाने का दावा कर 19 लाख हड़पे

लखनऊ। गोमतीनगर कोतवाली में व्यापारी ने फैशन टीवी की फ्रेंचाइजी दिलाने का झांसा देकर धोखाधड़ी किए जाने का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपियों ने 19 लाख रुपये लिए थे। विज्ञानपुरी निवासी मनोज के मुताबिक वर्ष 2022 में सोशल मीडिया के जरिए उन्हें फैशन टीवी के बारे में पता चला। जिसका दफ्तर मुम्बई में है। कम्पनी की तरफ से सोशल मीडियो पोस्ट में फ्रेंचाइजी देने का वादा किया गया। जिस पर भरोसा करते हुए मनोज ने मुम्बई सांताक्रुज निवासी कासिफ खान से सम्पर्क किया। बातचीत में पता चला कि फैशन टीवी की तरफ से स्पा और सैलून खोले जाने हैं। जिनकी फ्रेंचाइजी दी जा रही है। कम्पनी के साथ जुड़ कर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। कासिफ के अलावा कम्पनी में दुष्यंत सिंह, प्रियेश जैन और हार्दिक गौर भी थे। आरोपियों ने करीब 19 लाख रुपये जमा कराए। लेकिन उन्हें फ्रेंचाइजी नहीं दी गई। पूछताछ करने पर आरोपी टाल मटोल करते रहे। इंस्पेक्टर दीपक पाण्डेय ने बताया कि मनोज की तहरीर पर अमानत में खयानत और धोखाधड़ी की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

लखनऊ में 4000 बीएलओ ऐप से देंगे वोटिंग का अपडेट

लखनऊ। शहर के 4000 बीएलओ लोकसभा के लिए होने जा रहे मतदान के दिन आपको पल-पल की रिपोर्ट देंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर पता चलता रहेगा कि किस बूथ पर लाइन कितनी लम्बी है। मोबाइल और कम्प्यूटर के जरिए बूथ पर भीड़ की स्थिति पता लगाने की सुविधा देने के प्रयास सफल हो चुके हैं। इसके लिए 'बीएलओ मित्र सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है।

रामद्रोही सिर्फ परिवार के लिये राजनीति करते हैं : सीएम योगी

संवाददाता

उन्नाव। राम भक्तों की राजनीति राष्ट्र के लिए होती है। वहीं रामद्रोहियों की राजनीति परिवार के लिए होती है। वह अपने परिवार से ज्यादा कुछ नहीं सोचते हैं। समाजवादी पार्टी ने अपने ही परिवार के लोगों को टिकट दिया है। वर्तमान में यह पांच सीटों पर लड़ रहे हैं। अभी इनके बच्चे और नाती पोते होने दीजिये, वह भी चुनाव लड़ेंगे। ऐसे लोगों की वजह से ही विकास कार्य ठप पड़ते हैं। देश और प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा होता है। सुरक्षा खतरे में पड़ती है और माफिया हावी होते हैं। यह जनता का खून चूसते हैं और बेटी-व्यापारी असुरक्षित होते हैं। वहीं जब राजनीति राष्ट्र के लिए होती है तो दुनिया में देश का सम्मान होता है। देश की सीमाएं सुरक्षित होती हैं और विकास के बड़े-बड़े कार्य होते हैं। गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के जनता जनार्दन को प्राप्त होता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उन्नाव लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी और सांसद साक्षी महाराज के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने शासनकाल में आतंकवादियों के मुकदमे वापस ले रही थी। इन लोगों ने अयोध्या, रामपुर में सीआरपीएफ कैंप, काशी में संकट मोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी की कचहरी पर हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का प्रयास किया था। इस पर न्यायालय ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि आज आप इनके मुकदमे वापस लेने की बात कह रहे हैं और कल इन्हे पद्म पुरस्कार से नवाजेंगे। इसके बाद न्यायालय ने समाजवादी पार्टी को रोका था। सीएम योगी ने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ राम भक्त हैं और दूसरी तरफ रामद्रोही। रामद्रोहियों के स्वर भी आपको सुनाई दे रहे होंगे। इनमें कोई कहता है कि राम मंदिर देश के अंदर नहीं बनना चाहिये था। यह कांग्रेस के बुद्धि दाता हैं। रामद्रोहियों की जमानत करानी है जब्तः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी कहती है राम मंदिर बेकार बना है। यह बात ये क्या किसी मस्जिद के लिए कह सकते हैं।

अखिलेश ने लिखा पत्र, ग्राम प्रधान से लेकर सांसद तक से की ये अपील

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चौथे चरण के चुनाव से पहले ग्राम प्रधान से लेकर सांसद तक चिट्ठी लिखी है। अखिलेश ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्हें पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि आप देश और समाज के उत्थान के लिए बाक़ी चार चरणों में और भी अधिक जोश के साथ अपने परिवारों को लेकर घरों से निकलिए। साथ ही औरों को भी निकालिए और ये सोच कर प्रचार और मतदान करें और करवाएं कि 'अभी नहीं, तो कभी नहीं।

अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले तीन चरणों में आपने 'इंडिया गठबंधन' को जितानेवाला मतदान कर के और करवा के, एक बड़ी जीत की नींव रख दी है, उसी मज़बूत नींव पर आगामी चरणों में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार की इमारत बुलंद होने जा रही है। इस चुनाव में आपसे अतिरिक्त सक्रिय सहयोग की अपेक्षा और आग्रह है।

अखिलेश ने यह चिट्ठी पार्टी के सभी ग्राम प्रधानों, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्यों, नगरीय निकाय के सभासदों ,ब्लॉक प्रमुखों, जिला पंचायत अध्यक्षों, निकायों के अध्यक्षों, विधायक व सांसद, पार्टी पदाधिकारियों को भेजी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि मतदान से लेकर परिणाम तक; बूथ से लेकर स्ट्रांग रूम तक; गिनती से लेकर जीत का सर्टिफिकेट मिलने तक अपलक सतर्क, सचेत और चौकन्ने रहकर अपने वोट की रक्षा करें। सत्ताधारियों के किसी भी तरह के डर और दबाव मे न आएं, दमनकारी लोगों का नाम-फ़ोटो लेकर चुनाव आयोग में शिकायत के लिए सीधे भेजें या आसपास के समाजवादी सिपाहियों से संपर्क करें।

जमीन विवाद में चले लाठी- डंडे, 12 घायल

बीकेटी। बीकेटी में आबादी की जमीन पर कब्जे को लेकर शनिवार को दो पक्षों के बीच जमकर लाठी- डंडे चले। दोनों पक्षों से महिलाओं समेत एक दर्जन लोग घायल हो गए। बीकेटी के शिवपुरी में सुरज कुमार व उसके चाचा परागी के बीच कुछ समय से आबादी की जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। शुक्रवार को जमीन पर कब्जे को लेकर कहासुनी हुई थी। शनिवार को दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। मामला बढ़ने पर दोनों पक्षों से और लोग जुट गए। कुछ ही देर में लाठी डंडे चलने लगे। मारपीट में एक पक्ष से सूरज कुमार, कृष्णा देवी, सुमन आदि व दूसरे पक्ष से चाचा परागी, शनि, रवि, रोशनी, लीलावती चोटिल हो गई। मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जिसमें परागी, रोशनी, सूरज व कृष्णा देवी की हालत गंभीर बनी हुई है। इंस्पेक्टर बीकेटी राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सेवानिवृत्त दरोगा समेत दो ने फांसी लगाई

संवाददाता

काकोरी। पारा में शुक्रवार रात आरपीएफ से सेवानिवृत्त दरोगा चंद्र प्रकाश दीक्षित (62) ने घर में फांसी लगा ली। कुछ समय से वह अवसाद में चल रहे थे। वहीं काकोरी में पत्नी के मायके से न आने से आहत होटल कर्मी ने फांसी लगा जान दे दी।

चंद्र प्रकाश दीक्षित दो वर्ष पहले आरपीएफ से दरोगा के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। कुछ माह से चंद्र प्रकाश मानसिक तनाव में थे। उनका इलाज चल रहा था। बीमारी के चलते कुछ दिनों से वह कमरे में ज्यादातर अकेले ही रहते थे। शनिवार सुबह पत्नी पुष्पा दीक्षित उन्हें जगाने पहुंची तो वह चादर के फंदे से पंखे के कुंडे के सहारे लटके हुए थे। जिसे देख उनकी चीख निकल पड़ी। शोर सुनकर परिवार व आसपास के लोग भी आ गए। आनन-फानन में उन्हें फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने चंद्र प्रकाश को मृत घोषित कर दिया। परिवार में बेटा वैभव और तीन बेटियां हैं। इंस्पेक्टर पारा के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी के मायके से न आने से आहत होटलकर्मी ने लगाई फांसी: काकोरी में शुक्रवार रात होटलकर्मी राजू गौतम (32) ने पत्नी के मायके से न आने से परेशान होकर घर में फांसी लगा ली। शव फंदे से लटका देख उनके होश उड़ गए। मलिहाबाद के दुलारमऊ निवासी राजू गौतम (32) काकोरी के दोना गांव स्थित ननिहाल में रहकर सरोसा भरोसा मोड़ स्थित होटल में वेटर का काम करता था। भाई राजेन्द्र के मुताबिक चार वर्ष पहले राजू की शादी लालता खेड़ा की नीलू के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही दोनों में किसी न किसी बात को लेकर अक्सर झगड़ा होता था।

सपा-बसपा और कांग्रेस को फिर झटका

- पूर्व मंत्री और पूर्व एमएलए समेत कई नेता भाजपा में हुए शामिल

संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के समक्ष शनिवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सपा, बसपा व कांग्रेस के कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सपा नेता व पूर्व मंत्री मतेश सोनकर (कौशांबी), सपा के पूर्व एमएलसी संजय कुमार मिश्रा (शाहजहांपुर), सपा से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी नथुनी कुशवाहा (कुशीनगर), सपा के प्रदेश सचिव एवं प्रवक्ता प्रदीप सिंह बब्बू (लखनऊ), सपा लोहिया वाहिनी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डा. कुंवर हर्षित राजवीर (लखनऊ), बालाजी मंदिर नेवादा नेरी के महंत अशोकानंद गिरी महाराज (सीतापुर), कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद जीशान हैदर (लखनऊ) को समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल किया।

इसके साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश वर्मा (अम्बेडकरनगर), नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल (सीतापुर), नगर पंचायत अध्यक्ष राम आशीष (आजमगढ़), प्रदेश अध्यक्ष माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक संघ रेनू मिश्रा (शाहजहांपुर), ब्लाक प्रमुख राजदीप सिंह बुन्देला (ललितपुर), बसपा से पूर्व प्रत्याशी आशुतोष त्रिपाठी (प्रतापगढ़) व डा. अवनीश कुमार सिंह (सुल्तानपुर), सपा से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी चन्द्राबली पटेल (कौशाम्बी), बसपा से पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल निषाद (बांदा), बसपा के अंजनी उपाध्याय (बलिया), युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. संदीप सिंह (अम्बेडकरनगर) आदि ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित बनाने के संकल्प के साथ पूरे देश में बड़ी संख्या में लोग भाजपा से जुड़ रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश संगठन ने प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लिया है। इसके लिए सभी जी-जान से जुट जाएं। इस दौरान मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय, प्रदेश मंत्री शिवभूषण सिंह, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी हिमांशु दुबे तथा डा. अंकुश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

मतदाता पर्ची वितरण विशेष अभियान की हुई शुरूआत

संवाददाता

लखनऊ। भाजपा महानगर द्वारा दो दिवसीय मतदाता पर्ची विशेष अभियान आज से शुरू हुआ। जिसमे लोकसभा प्रत्याशी राजनाथ सिंह के समर्थन में घर-घर दस्तक देकर मतदाता पर्चियों के साथ रक्षा मंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह द्वारा विकास कार्यों का पत्रक घर के मुखिया को देकर भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील की गई।

भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि लखनऊ महानगर के अंतर्गत वार्ड में बूथ स्तर तक पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि दो दिवसीय मतदाता पर्ची घर-घर पहुंचाएंगे और उसके साथ सांसद राजनाथ सिंह द्वारा लखनऊ के विकास कार्यों का पत्रक वितरण करेंगे।

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष ने अभियान की शुरुआत करते हुए बूथ संख्या 255 के बूथ अध्यक्ष क्षितिज, शक्ति केंद्र संयोजक गोविंद कन्नौजिया, रावत तथा बूथ संख्या 176,177 के बूथ अध्यक्ष सत्येन्द्र, मंडल अध्यक्ष राजन वर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक चित्रा द्विवेदी, शक्ति केंद्र संयोजक अनूप तिवारी बूथ अध्यक्ष रघुवंश पल जी बूथ संख्या 140,141 मंडल अध्यक्ष राजन वर्मा आवासीय पब्लिक स्कूल, गीतापल्ली वार्ड पार्षद ऋचा मिश्रा के साथ घर-घर मतदाता पर्ची के साथ विकास कार्यों का पत्रक वितरण कर स्टीकर लगाया। भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने पूर्व विधानसभा, पश्चिम विधानसभा में लोकसभा चुनाव संयोजक एवं विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, उपविजेता अंजनी श्रीवास्तव, उत्तर विधानसभा में विधायक डॉ नीरज बोरा, मध्य विधानसभा में उपविजेता रजनीश गुप्ता ने पर्ची वितरण अभियान में सम्मिलित होकर कार्यकर्ताओं के संग घर-घर पहुंचकर मतदाता पर्ची एवं लखनऊ के विकास कार्यों का पत्रक देकर स्टीकर लगाया।

युवा पीढ़ी के सामने प्रमुख तीन चुनौतियां

- अब लोकल या नेशनल नहीं, ग्लोबल और टफ कॉम्पिटिशन के लिए तैयार हो युवा पीढ़ीः डॉ. राजेश्वर सिंह

संवाददाता

लखनऊ। शनिवार को बक्शी का तालाब स्थित आर आर इंस्टिट्यूट ऑफ़ मॉडर्न टेक्नोलॉजी के वार्षिकोत्सव एवं मेधावियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सहभागिता की, कार्यक्रम के दौरान विधायक ने संस्थान के पांच मेधावी छात्रों को टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया।

संस्थान के छात्र - छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है, भारत में 50 प्रतिशत से कम जनसँख्या 25 साल से नीचे और 65 प्रतिशत जनसँख्या 35 साल से नीचे है। युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए विधायक ने कहा कि हमारे युवा नए विचारों, ऊर्जा, रचनात्मकता और कुछ हासिल कर सकने के उत्साह से परिपूर्ण हैं। युवाओं को अधिक बेहतर, संतुष्टिपूर्ण जीवन तथा लोकतांत्रिक विकास को गति देने की दिशा में अपना योगदान देना चाहिए। विधायक ने कहा कि छात्र छात्राओं के बीच जाना, उन्हें प्रेरित, प्रोत्साहित करना, उनका मार्गदर्शन करना मैं अपना प्रमुख उत्तरदायित्व समझता हूँ।

देश की प्रगति के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए सरोजनी नगर विधायक ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी बहुत ही भाग्यशाली है, उसके पास सभी संसाधन उपलब्ध हैं, आजादी के समय भारत में केवल 1.5 लाख प्राइमरी स्कूल, 1000 से कम कॉलेज और 50 से कम विश्वविद्यालय थे, हमारे अभिभावकों और शिक्षाविदों के अथक प्रयासों से आज देश में 15 लाख से अधिक प्राइमरी स्कूल, 45 हजार से अधिक कॉलेज, 1000 हजार से अधिक विश्वविद्यालय हैं, भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा शिक्षा नेटवर्क है।

युवाओं के पास आज अपने ही देश में इसरो, डीआरडीओ जैसे प्रमुख रक्षा संस्थान हैं, युवा पीढ़ी के पास प्रगति के असीमित अवसर हैं। भारत जब आज़ाद हुआ था तब देश में बिजली उत्पादन केवल 1500 रूळ्ळ था जो अब बढकर 4 लाख रूळ्ळ हो गया है, आज लखनऊ में बिजली की मांग 1947 में राष्ट्रीय उत्पादन से अधिक है, ये वृद्धि 77 साल में हुई देश की प्रगति को दर्शाती है। आज़ादी के समय भारत के पास केवल 1,000 करोड़ का विदेशी मुद्रा भण्डार था जो अब बढ़कर 50 लाख करोड़ से अधिक हो गया है, भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। युवा पीढ़ी को भविष्य के अवसरों और चुनौतियों के प्रति सचेत करते हुए विधायक ने कहा कि भारत को दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने का उत्तरदायित्व हमारी युवापीढ़ी के कन्धों पर है, उन्हें भविष्य के अवसरों व चुनौतियों के प्रति जागरूक होना है, 25 साल पहले किसी ने कल्पना नहीं की थी।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप से इनकार

- लखनऊ में अकबरनगर के सभी मकानों पर अब चलेगा बुलडोजर

संवाददाता

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को लखनऊ के अकबरनगर क्षेत्र में अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) द्वारा की जा रही तोड़फोड़ की कार्रवाई में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया कि किसी भी झुग्गीवासी को वैकल्पिक आवास दिए बिना बेदखल नहीं किया जाना चाहिए। एलडीए ने कुकरैल नदी के डूब क्षेत्र में बनी झुग्गियों को खाली करने का आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि हम इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश और टिप्पणियों में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं, जिसमें अकबरनगर में विध्वंस और बेदखली की कार्रवाई को सही ठहराया गया था। हम मामले में उच्च न्यायालय द्वारा पारित फैसले में दर्ज निष्कर्षों से सहमत हैं कि प्रभावित कॉलोनी का निर्माण बाढ़ क्षेत्र में किया गया है। तथ्यों से जाहिर है कि याचिकाकर्ताओं के पास उस जगह के मालिकाना हक को लेकर कोई दस्तावेज नहीं है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने पीठ को बताया कि इस कॉलोनी में रहने वाले लोगों के पुनर्वास और वैकल्पिक आवास के मुहैया कराने के लिए 1818 आवेदन मिले हैं। इनमें 1032 को जांच के बाद वैकल्पिक आवास के लिए योग्य पाया है। 706 आवेदनों की अभी भी जांच की जा रही है। अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल नटराजन द्वारा दी गई इस जानकारी के बाद शीर्ष अदालत ने कहा कि आवेदनों की जांच के बाद सभी पात्र व्यक्तियों को वैकल्पिक आवास मुहैया कराया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि प्रभावित कॉलोनी के निवासियों को वैकल्पिक आवास आवंटित किए बिना नहीं हटाया जाए। प्रभावित लोगों को वैकल्पिक आवास मिलने के बाद उन्हें जगह खाली करनी होगी। पीठ ने कहा कि यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो लखनऊ विकास प्राधिकरण कानून अनुसार कार्रवाई का हकदार होगा।

डूब क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण का सर्वे कर रिपोर्ट दें: शीर्ष अदालत ने कहा कि पुनर्वास के लिए वैकल्पिक आवास मुहैया कराने के लिए निवासियों द्वारा भुगतान की जाने वाली रकम का सवाल है तो इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, 15 वर्षों की अवधि में 4.79 लाख का भुगतान होगना है। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार और एलडीए को लखनऊ में अन्य डूब क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण के बारे में सर्वे कर तीन माह में उच्च न्यायालय के समक्ष हलफनामे के साथ विवरण दाखिल करने का निर्देश दिया। एक कार्य योजना बनाने और अनधिकृत अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया है।

नर्सों ने हेलमेट बांटकर राहगीरों से सुरक्षित चलने की अपील की

लखनऊ। नर्सेज दिवस की पूर्व संध्या पर केजीएमयू नर्सेज एसोसिएशन की ओर से मुख्य गेट पर फ्लोरेंस नाइटेंगल की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर जन्मदिवस मनाया गया। सड़क सुरक्षा के तहत नर्सेज दिवस पर एसोसिएशन की ओर से राहगीरों को हेलमेट बांटे गए। उन्हें हेलमेट पहनने के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताया गया। साथ ही उन्हें हेलमेट न लगाने से पूर्व में हुए हादसों के चित्रों को दिखाकर सड़क पर यातायात नियमों के तहत सुरक्षित चलने की भावनात्मक अपील की गई। केजीएमयू नर्सेज एसोसिएशन के संरक्षक प्रदीप गंगवार की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। यहां पर राहगीरों और केजीएमयू स्टाफ से लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील भी की। सड़क सुरक्षा के तहत स्थानीय पुलिस ने भी इस मुहिम में अपना सहयोग दिया। राहगीरों व पुलिस की मौजूदगी में भविष्य में हेलमेट पहनने और मतदान करने का भरोसा भी दिलाया।

70 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य निर्धारित

संवाददाता

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा न्यूनतम 70 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य की प्राप्ति लखनऊ के मतदाताओं को जागरुक किए जाने के लिए नगर निगम लखनऊ द्वारा विभिन्न गतिविधियां यथा चुनाव पाठशाला का आयोजन, स्थानीय सम्पर्क, फोरम एवं जागरुकता कार्यक्रम निरन्तर आयोजित किए जा रहे है। नगर निगम लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों व मोहल्लो में चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया जिनमें स्थानीय नागरिकगण, अधिकारियों/कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं द्वारा शपथ ली गयी तथा अधिक से अधिक मतदान करे हुए मतदान प्रतिशत बढाने के लिए जागरुक किया गया। साथ ही अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा स्थानीय नागरिको से सम्पर्क करते हुए मतदाताओं को बूथ की जानकारी दी गयी तथा मतदान की अपील करते हुए मतदान किए जाने हेतु शपथ दिलायी गयी।

कार्यक्रम के अंतर्गत नगर में स्थित विभिन्न विद्यालय इत्यादि संस्था जैसे कि जोन-1 में हर प्रसाद गुरू प्रसाद कान्वेन्ट स्कूल, भारतीय बालिका विद्यालय, लालबाग गर्ल्स इण्टर कालेज, कस्तूबा गांधी बालिका विद्यालय, जोन-2 में प्राईमरी विद्यालय ऐशबाग शिक्षा परिषद, सोहन लाल इण्टर कालेज, सरसस्वती शिक्षा निकेतन कुण्डरी रकाबगंज, लक्ष्मी नरायन भगवती विद्या मन्दिर, प्राथमिक विद्यालय कुण्डरी रकाबगंज, सरस्वती शिशु मन्दिर राजीजीपुरम, यू0पी0 ऐग्रो इडिस्ट्रियल कृषि वर्कशाप, महाराजा अग्रसेन, सेन्ट्रल एकेडमी गढी कनौरा, इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, आर0पी0एस0 इण्टर कालेज जोन-3 में शिया पी0जी0 कालेज, प्राथमिक विद्यालय सामुदायिक केन्द्र, आई.आई.एम. रोड महार्षि विद्या मंदिर, जोन-5 में हीरालाल लॉ कालेज सरोजनी नगर, प्राथमिक विद्यालय अनौरा, अवध स्टडी सर्क हाई स्कूल गंगा खेड़ा, कनौसी, स्वतंत्र बाल निकेतन इण्टर कालेज, मधुबन नगर आलमबाग, गांधी विद्यालय इण्टर कालेज कानपुर रोड, रोजरी पब्लिक इण्टर कालेज अर्जुन नगर, ए के डी पब्लिक स्कूल, सुजानपुरा, आदर्श किन्डर गार्डन स्कूल सिन्धु नगर, इण्डियन पब्लिक इण्टर कालेज, प्रेम नगर, जोन-6 में गिरधारी सिंह इंडर कालेज, ए0एल.वाई मैनपुरिया इण्टर कालेज, बराइट कैरियर स्कूल, इत्यादि में मतदान हेतु नागरिको को जागरुक करते हुए शपथ दिलायी गयी।

सम्पादकीय

मुद्दों की भटकन

हम कहते नहीं थकते कि देश का विकास कुलांचे भर रहा है। हम दुनिया की सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था हैं। अभी पांचवें स्थान पर हैं व जल्दी ही तीसरे स्थान पर होंगे। ये ज्ञान की सदी है। 21वीं सदी भारतीय युवाओं की है। हम चांद पर पहुंचे। हमने मंगल के दरवाजे पर दस्तक दी। हमारी ओलंपिक में उपलब्धियां रहीं। पैरा ओलंपिक में हमारे मेडलों का सैकड़ा पहली बार आया। अकसर ये हमारे मीडिया की सुर्खियां हुआ करती थीं। लेकिन सवाल है कि आम चुनाव के तीसरे चरण तक आते-आते देश का राजनीतिक विमर्श इतना नकारात्मक क्यों हो गया? आखिर क्यों हम देश की जनता को सकारात्मक मुद्दों पर चुनाव में मतदान करने के लिये प्रेरित नहीं कर सकते? अब सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, मुद्दों में नकारात्मकता व आक्रामकता क्यों है? क्यों राजनीतिक दलों के नेता आमने-सामने बैठकर अपने कार्यकाल की उपलब्धियों व भविष्य के एजेंडे को लेकर जनता से रूबरू नहीं होते? अमेरिका व अन्य विकसित देशों में शीर्ष राजनेताओं द्वारा लंबी बहसों से जनता को समझाने का प्रयास किया जाता रहा है। आखिर अमृतकाल के दौर में पहुंचकर भी देश में मतदाता इतना जागरूक क्यों नहीं हो पाया है कि उसे क्षेत्रवाद, धर्म-संप्रदाय, जातिवाद और अन्य संकीर्णताएं न लुभा सकें? क्यों चुनाव आयोग की मुहिम में बरामद रिकॉर्ड मूल्य की वस्तुओं में आधा मूल्य नशीले पदार्थों का होता है? क्यों छोटे-छोटे प्रलोभनों के जरिये मतदाता बहकते हैं? कहीं न कहीं हमारे नेताओं ने देश के जनमानस को पूरी तरह लोकतंत्र के प्रति जागरूक करने के बजाय संकीर्णता के शार्टकट से अपना उल्लू सीधा करना चाहा है। निस्संदेह, देश में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है। सोशल मीडिया के जरिये समाज में जागरूकता आई है। लोग सार्वजनिक विमर्श में अखबार व अन्य मीडिया की भाषा बोलते नजर आते हैं। तो फिर वे मतदान करते समय क्यों बहक जाते हैं? आखिर क्यों कहा जाता है कि फलां जगह पचास प्रतिशत या साठ प्रतिशत मतदान हुआ है? आखिर पचास प्रतिशत या चालीस प्रतिशत वोट न देने वाले लोग कौन हैं?यहां एक तथ्य यह भी है कि यदि आम चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग धर्म, सांप्रदायिकता, क्षेत्र, जाति व अन्य संकीर्णताओं का सहारा ले रहे हैं तो कहीं न कहीं एक वजह यह भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी लोग इन मुद्दों की तरफ आकर्षित होते हैं? कई जगह सत्ता पक्ष के खिलाफ चुनावों में नाराजगी दिखायी देती है तो जनता फिर दूसरे राजनैतिक दल को सत्ता सौंप देती है। यह उसके पास विकल्प न होने की स्थिति होती है, लेकिन फिर दूसरा दल भी उन्हीं संकीर्णताओं को अपना एजेंडा बनाकर चुनाव मैदान में आ जाता है। सवाल यह है कि किसी दल ने अपने कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं क्यों नहीं उन्हें चुनावी मुद्दा बनाया जाता है? क्या दल विशेष को अपनी बखान की गई उपलब्धियों की जमीनी हकीकत का अहसास होता है? भारत एक विविधता की संस्कृतियों का देश है। हर क्षेत्र की अपनी विशेषता और जरूरतें हैं। उत्तर भारत के राजनीतिक रुझान और दक्षिण भारत के राजनीतिक रुझान में हमेशा अंतर देखा गया है। जिसका लाभ एक क्षेत्र में पिछड़ने वाला राजनीतिक दल दूसरे क्षेत्र में उठाता है। हाल के दशकों में ऐसे कद्दावर नेता कम ही हुए हैं जिनकी राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता रही हो। लेकिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये जरूरी है कि सत्ता की रीतियां-नीतियां पूरे देश के मनोभावों के अनुकूल हों। राजनेताओं की कार्यशैली और घोषणाएं संकीर्णताओं से मुक्त हों। यदि देश में नकारात्मक मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़े जाते हैं तो पूरी दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। जिसका असर हमारी अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता पर भी पड़ेगा। यदि राजनीतिक परिदृश्य में सकारात्मकता का प्रवाह नहीं होता तो हम कैसे दावा कर सकते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। बड़े लोकतंत्र का बड़प्पन हमारे राजनेताओं में भी नजर आना चाहिए और मतदाताओं में भी। यदि हम संकीर्णताओं के पक्ष में मतदान कर रहे होते हैं तो कहीं न कहीं हम कमजोर व अयोग्य लोगों को ऊंची कुर्सी पर बैठाकर लोकतंत्र का अवमूल्यन कर रहे होते हैं।

उत्तर भारत के राजनीतिक रुझान और दक्षिण भारत के राजनीतिक रुझान में हमेशा अंतर देखा गया है। जिसका लाभ एक क्षेत्र में पिछड़ने वाला राजनीतिक दल दूसरे क्षेत्र में उठाता है। हाल के दशकों में ऐसे कद्दावर नेता कम ही हुए हैं जिनकी राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता रही हो। लेकिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये जरूरी है कि सत्ता की रीतियां-नीतियां पूरे देश के मनोभावों के अनुकूल हों। राजनेताओं की कार्यशैली और घोषणाएं संकीर्णताओं से मुक्त हों।

हर चरण के मतदान के साथ बढ़ी है

“ 7 मई को समाप्त हुआ, पिछले दो चरणों की तुलना में कई मायनों में अलग था। महत्वपूर्ण यह था कि भाजपा शासित राज्यों द्वारा मतदान केंद्रों से बड़ी संख्या में मतदाताओं को भगाने के लिए पुलिस बलों का उपयोग करना। यह राजीव कुमार के नेतृत्व वाले चुनाव आयोग के लोगों से मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के आह्वान के ठीक विपरीत हुआ। मतदाताओं को भगाने के लिए पुलिस का क्रूर और आपराधिक उपयोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ-शासित उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक स्पष्ट था। जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मुस्लिम और दलित मतदाताओं का अनुपात अधिक है, वे विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में इस तरह की पुलिस-संचालित आपराधिकता का शिकार हो रहे हैं।

अरुण श्रीवास्तव

लोक सभा चुनाव में मतदान के हर चरण के बीतने के साथ आरएसएस और पारंपरिक भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की पीड़ा और अधिक स्पष्ट होती जा रही है, भले ही आरएसएस के शीर्ष नेताओं ने उनकी पीड़ा रहने और भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की कोशिश की हो। जीत का भ्रम पैदा करने के लिए आरएसएस के दिग्गजों द्वारा दिये गये तर्क के विपरीत, उनके कैडर झुकने को तैयार नहीं हैं। वे स्पष्ट हैं कि यदि मोदी जीते तो एक खतरनाक निरंकुश शासक बन जायेंगे। हालांकि उन्हें यकीन है कि भाजपा को बहुमत नहीं मिलेगा, लेकिन पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। उस पृष्ठभूमि में, राष्ट्रपति निश्चित रूप से मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे। वे बताते हैं कि नरेंद्र मोदी के निर्देश पर अमित शाह भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में छोटे दलों से समर्थन जुटाने के मिशन पर हैं। उभरती राजनीतिक स्थिति से आशंकित होकर, राज्य-स्तरीय आरएसएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने निवारक कदम उठाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और इसके महासचिव दत्तात्रे यहोसबोले से संपर्क किया है। आरएसएस कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं को लिखे एक पत्र में यह भी दुख व्यक्त किया है कि यह उनकी निष्क्रियता थी जिसके कारण मोदी भगवा पारिस्थितिकी तंत्र के एकमात्र नेता के रूप में उभरे। राज्य के इन नेताओं ने उन कारणों को भी जानना चाहा है कि जब मोदी संगठनों की संस्कृति और लोकाचार को नष्ट करने के रास्ते पर चल पड़े तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने यह भी बताया है कि अब बदली हुई स्थिति में, बड़ी संख्या में कैडर और स्वयंसेवक चुनाव प्रचार कार्य करने के लिए नहीं आ रहे हैं। मोदी अपने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व वाले चुनाव आयोग का उपयोग धोखाधड़ी और अवैध रूप से मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीईसी द्वारा पहले दो चरणों में डाले गये वोटों के आंकड़ों को सही करना इस परिप्रेक्ष्य में एक अभ्यास है। तीसरा चरण, जो 7 मई को समाप्त हुआ, पिछले दो चरणों की तुलना में कई मायनों में अलग था। महत्वपूर्ण यह था कि भाजपा शासित राज्यों द्वारा मतदान केंद्रों से बड़ी संख्या में मतदाताओं को भगाने के लिए पुलिस बलों का उपयोग करना। यह राजीव कुमार के नेतृत्व वाले चुनाव आयोग के लोगों से मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के आह्वान के ठीक विपरीत हुआ। मतदाताओं को भगाने के लिए पुलिस का क्रूर और आपराधिक उपयोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ-शासित उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक स्पष्ट था। जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मुस्लिम और दलित मतदाताओं का अनुपात अधिक है, वे विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में इस तरह की पुलिस-संचालित आपराधिकता का शिकार हो रहे हैं। भगवा पारिस्थितिकी तंत्र और योगी सरकार ने इस भावना को दृढ़ता से पाला कि ये दोनों समुदाय इंडिया ब्लॉक, या किसी अन्य विपक्षी दल को वोट देंगे। पुलिस और चुनाव अधिकारियों ने उन निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान की थी जो विपक्ष, इंडिया ब्लॉक, उम्मीदवारों के पक्ष में थे। ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में दोपहर तक मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा। कतार में खड़े मतदाताओं को बिना वोट डाले ही वापस जाने को कहा गया। दोपहर तीन बजे के बाद मतदान में तेजी आई। फिर भी चुनाव आयोग के अधिकारियों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। पहले के दो चरणों की तरह, वोट डालने के लिए मूल और पारंपरिक भाजपा समर्थकों की अरुचि काफी चिंताजनक थी। दलबदलुओं द्वारा प्रदर्शित उत्साह के विपरीत, भाजपाध्आरएसएस के पारंपरिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने घर पर रहना पसंद किया। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि लंबे समय के बाद, ज्यादातर मामलों में आरएसएस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ समितियों का गठन नहीं किया और यह कार्य भाजपा नेताओं और चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों पर छोड़ दिया। शाम 5 बजे तक 60.19प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 11 राज्यों की 94सीटों पर मतदान हुआ। 2019 में 94सीटों में से कम से कम 86 सीटें भाजपा ने जीती थीं। स्वाभाविक है कि इस चरण में भाजपा को ज्यादा फायदा नहीं होने वाला है। विपक्ष और इंडिया गुट के लिए कोई भी लाभ भाजपा, विशेषकर आरएसएस के लिए एक बड़ा नुकसान होगा। असम में सबसे अधिक 74.86फीसदी मतदान हुआ, इसके बाद पश्चिम बंगाल में 73.93 फीसदी मतदान हुआ, जबकि महाराष्ट्र में सबसे कम 53.63फीसदी मतदान हुआ, तथा बिहार में 56.01 प्रतिशत। मोदी जो हाल ही में 400 पार वाक्यांश का उपयोग करने से परहेज कर रहे थे, उन्होंने एक बार फिर इसे धार (मध्य प्रदेश) की सभा में इस्तेमाल किया जब उन्होंने कहा-श्मैं कांग्रेस को अपने वोट बैंक को फायदा पहुंचाने के लिए ओबीसी कोटा लूटने से रोकने के लिए लोकसभा में 400 सीटें चाहता हूं। पिछले 5 वर्षों में, हमारे पास एनडीए, क्षेत्रीय दलों और निर्दलीय सहित लगभग 400 सीटें थीं जिसका हमने इस्तेमाल अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए किया। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि मोदी चुनाव जीतने के लिए किसी योजना पर काम कर रहे हैं। एक बार फिर भगवा पारिस्थितिकी तंत्र सक्रिय रूप से राहुल गांधी को एक अपरिपक्व राजनेता के रूप में पेश कर रहा है, जो मुद्दे तो उठा सकते हैं लेकिन देश पर शासन नहीं कर सकते। पारिस्थितिकी तंत्र अब राहुल को जमीनी हकीकत से कटे हुए नेता के रूप में चित्रित करने की योजना बना रहा है। केसरिया सूत्रों के अनुसार तो राहुल के खिलाफ नवीनतम दुष्प्रचार अभियान प्रमुख कार्य होने जा रहा है। हालांकि, आरएसएस कार्यकर्ताओं के भूमिगत नेटवर्क के बिना, ऐसा कदम भाजपा के लिए आत्मघाती साबित होगा।

मोदी ने नये निचले स्तर पर उतरते हुए एक नया मुहावरा गढ़ा है- वोट जिहाद। मतदाताओं से वोट जिहाद और राम राज्य के बीच चयन करने का आह्वान करते हुए उन्होंने बाबरी मस्जिद का मुद्दा भी उठाने की कोशिश की और कहा कि कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर पर बाबरी ताला लगायेगी। चुनाव अभियान को लगातार ध्रुवीकृत करने के मोदी के भयावह तरीकों पर चुनाव आयोग कुछ कार्रवाई नहीं करता।

सरोकार

जाति इस बार 2014 और 2019 से ज्यादा प्रभावी

अरविन्द मोहन

संविधान बचाने की बात करते हुए भाजपा विरोधी दल जरूर आरक्षण पर जोर दे रहे थे और संविधान पर आंच का मतलब आरक्षण पर आंच बताकर दलित और पिछड़ों को अपनी ओर गोलबंद करने की कोशिश कर रहे थे, पर धीरे-धीरे जाति इस बार के चुनाव का एक बड़ा विमर्श बन जाएगा और इसीसे भाजपा को दिक्कत होने लगेगी इसका अंदाजा शायद ही किसी को था। ऐसा इसलिए भी था क्योंकि राहुल गांधी ने हाल में हुए विधानसभा चुनावों में जातिवार जनगणना का सवाल बहुत जोर-शोर से उठाया था और कांग्रेस उन राज्यों में भी बुरी तरह हारी जहां उसकी स्थिति अच्छी लग रही थी। कहते हैं कि मध्य प्रदेश के कुछ बड़े कांग्रेसी नेताओं ने प्रदेश में जाति के सवाल को न छेड़ने की सलाह देने के साथ इंडिया गठबंधन की बैठक न होने दी या उसके नेताओं को चुनाव प्रचार में आने नहीं दिया। जाति के पिच पर भी उस्तादी दिखा चुके नरेंद्र मोदी ने जब हिन्दी पट्टी के तीन महत्वपूर्ण राज्यों के साथ हरियाणा के लिए नए मुख्यमंत्री का चुनाव किया तो जातिगत समीकरणों का पूरा ध्यान रखा।

और वे इस बार के प्रचार में संविधान के मसले पर अपना पक्ष मजबूती से रखते रहे लेकिन चुनाव प्रचार में या उम्मीदवारों के चयन में जाति के सवाल को कभी नहीं भूले।जैसे ही पहला दौर बीता और मतदान में गिरावट आई, मोदी जी का स्वर बदल गया। राजस्थान में उन्होंने मंगलसूत्र और कांग्रेस के सत्ता में आने पर हिंदुओं की संपत्ति छीनकर मुसलमानों को देने जैसे निम्न स्तर की बात शुरू कर दी। मोदी

की गारंटी की जगह कांग्रेसी घोषणापत्र पर आक्रमण शुरू किया। बीजद सरकार का एक्सपायरी डेट बताने लगे। ये बदलाव काफी लोगों को हैरान करने वाले थे। विपक्ष ने जैसे तैसे प्रचार अभियान शुरू किया था पर वह तानाशाहीध्संविधान पर खतरा से लेकर बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की मुश्किलें, अग्निवीर योजना की आलोचना और भाजपा के मुसलमानध्पाकिस्तान द्वेष को मुद्दा बनाने में लगा रहा। तीन हफ्ते और चुनाव के तीसरे दौर तक आते-आते चुनाव प्रचार को और भी मसाले मिले- झारखंड में कांग्रेसी मंत्री से जुड़े ठिकाने पर नोटों की गड्डियों से लेकर कर्नाटक में भाजपा के सहयोगी दल के उम्मीदवार प्रज्ज्वल और देवगौड़ा परिवार के कुकर्मों का अपूर्व वीडियो खजाना। दल बदल से लेकर उम्मीदवार बदलने और मैदान छोड़ने की घटनाएं भी हुईं। लेकिन चुनाव प्रचार और तैयारियों में भारी लीड के बावजूद भाजपा की बेचौनियां कम नहीं हुईं। टेक्सला के प्रमुख की प्रस्तावित भारत यात्रा का वादा पूरा न होना भी मुद्दा बना और सैम पित्रोदा का बयान भी। पाकिस्तान और मुसलमान तो आगे किया ही गया, मोदी जी अयोध्या हो आए और भगवान राम की मूर्ति का सूर्य अभिषेक करने जैसे बचकाना खेल भी हुए।

लेकिन जाति का मसला दिन ब दिन जोर पकड़ता गया। इसमें सिर्फ महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के सवाल पर पहले से जातिगत खलबली थी। राजस्थान में अचानक जाति आरक्षण उभर आया। केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला के एक बयान से देश भर के राजपूत उखड़ गए। उत्तर प्रदेश में वी के सिंह जैसों का टिकट काटना और झारखंड में एक भी राजपूत को टिकट न देना भी भाजपा के लिए परेशानी का कारण बनने लगा। बिहार में सिर्फ एक ओर उत्तर प्रदेश में सिर्फ दो वैश्य उम्मीदवार देने से भाजपा का यह मूल आधार भी नाराज बताया जा रहा है। उधर अखिलेश और लालू यादव ने मुसलमानों का टिकट कम किया (और उत्तर प्रदेश में बसपा ने मुसलमानों का टिकट बढ़ाकर भाजपा की मदद की, यह आरोप लगता रहा) तथा उस कोइरीध्कुशवाहाध्मौर्य का टिकट बढ़ाया जिससे एक साफ बदलाव दिख रहा है। अखिलेश ने तो अपने परिवार के अलावा अहीरों का टिकट भी कम किया है। उधर तेजस्वी यादव ने सब ओर से ठुकराए मुकेश साहनी को न सिर्फ अपने साथ लिया (और अपने हिस्से से तीन सीट देने के साथ उम्मीदवार भी पकड़ा दिए) बल्कि उनको चुनाव प्रचार में लगातार साथ रखा। यादवों के बाद कोइरीध्कुशवाहा और मल्लाहों की संख्या सबसे ज्यादा है और वे गोलबंद भी हुए हैं। कांग्रेस ने भी एक खेल किया है। उसने हिन्दी पट्टी में सभी जगहों पर जाति का गणित साधने का प्रयास किया है।

हिंदुत्व पर हमला और विपक्ष की नैतिक गिरावट

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हिंदुत्व से निपटने की सारी उम्मीदें खो दी हैं। वह अब हतोत्साहित है और प्रधानमंत्री मोदी को हटाना उसके लिए बेहद मुश्किल हो रहा है। लोग विकास, सुशासन और कानून-व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मोदी को वोट दे रहे हैं। हालांकि विपक्षी दल इस सच्चाई को समझने में असमर्थ हैं, क्योंकि वे छद्म धर्मनिरपेक्ष लेंस से देख रहे हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी को वोट देने वाले सभी लोगों को हिंदू और हिंदुत्व में विश्वास करने वाला बताते रहे हैं। वे दोनों के बीच का अंतर नहीं जानते और सीखने की कोई इच्छा नहीं रखते।

हिंदुत्व क्या है?ः हिंदू विरोधी हिंदुत्व पर अपने हमलों में बहुत ही परिष्कृत हैं, जैसे कि यह विचारधारा मानवता और हिंदुओं के खिलाफ है, लेकिन यह झूठ है। इसके विपरीत, यह विचारधारा हिंदू संस्कृति, धर्म और मानवता की रक्षा करती है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंदुत्व न तो प्रधानमंत्री मोदी का और न ही आरएसएस का राजनीतिक एजेंडा है। यह हर भारतीय की पहचान है। अपनी खुद की पहचान को अपनाने का मतलब है एक ऐसे मार्ग का अनुसरण करना जो सभी की भलाई में विश्वास करता हो और स्थापित तथ्यों पर आधारित हो, साथ ही आप जो हैं उसके साथ सहज हों। प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस केवल हमें याद दिलाने का काम कर रहे हैं कि हम क्या भूल गए थे। हिंदुत्व का मतलब उग्रवाद या आतंकवाद नहीं है, जैसा कि अकसर तथाकथित धर्मनिरपेक्ष भारतीय, कुछ बॉलीवुड हस्तियां, कई विपक्षी दल, विशेष रूप से वंशवादी दल और कुछ मीडिया द्वारा दावा किया जाता है। हिंदुत्व का मतलब अल्पसंख्यकों को नापसंद करना नहीं है। हिंदुत्व सभी भारतीयों के लिए है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, जो भारत के निर्माण के लिए सनातन संस्कृति के मूल्यों को स्वीकार करते हैं, उनकी सराहना करते हैं और उनसे अपने आप को जोड़ते हैं।

हिंदुओं को स्वार्थी उद्देश्य से कैसे निशाना बनाया जा रहा है?ः भारत में हिंदुत्व का विरोध करने वाले सभी हिंदू विरोधी इस समाज में विभिन्न भूमिका निभाते हैं, जिसमें नास्तिक, तर्कवादी, दार्शनिक, समाज सुधारक, राजनीतिक नेतागण, तथाकथित मसीहा और अन्य लोग शामिल हैं, जो सनातन धर्म में दोषों की पहचान करते हैं। क्या वे सनातन धर्म और इसकी शिक्षाओं के बारे में जानने के लिए सही लोग हैं? वे मुसलमानों और अन्य हिंदू विरोधियों की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए हिंदुत्व की मान्यताओं को बदनाम करने और हिंदू देवताओं का अपमान करने में संकोच नहीं करते हैं। यह कुछ लोगों द्वारा निर्धारित एजेंडा है जिन्हें अपनी वंशवादी राजनीति के लिए राजनीति में जीवित रहने की आवश्यकता है, और संघी या भक्त शब्द एक ऐसा शब्द है जिसका उपयोग किसी वास्तविक हिंदू को शर्मिंदा करने के लिए किया जाता है जब कोई समूह, मीडिया बहस या सार्वजनिक रैली में उनके खिलाफ ऐसा कहते है; बस देखें कि कौन संघी या भक्त शब्द कहता है, चाहे वे किसी अन्य धर्म से हों या कोई हिंदू जो अपनी संस्कृति और परंपरा को बदनाम करके अपना जीवनयापन करता हो। निरंतर प्रयासों के साथ, प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस धीरे-धीरे हिंदुओं को उनके धर्म, लोगों और मातृभूमि के प्रति उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में शिक्षित कर रहे हैं। वे हिंदुओं को इस बारे में शिक्षित कर रहे हैं कि कैसे वामपंथी-अब्राहमिक गठबंधन ने उन्हें घेरे में रखा है और उनके साथ अपने ही देश में दोयम दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार किया है। कई हिंदू इसे समझ रहे हैं और धीरे-धीरे अपने अधिकारों की रक्षा करने और उनके प्रति निर्देशित कट्टरता और घृणा के खिलाफ बोलने के लिए उठ खड़े हुए हैं। यही कारण है कि हमारे देश में बढ़ती असहिष्णुता के बारे में इतनी बहस हो रही है। हालांकि, उनमें से एक बड़ा हिस्सा या तो उदासीन है या वामपंथी-अब्राहमिक आंदोलन के धर्मनिरपेक्ष-उदारवादी प्रचार से प्रभावित हो गया है।

अधिकांश हिंदुओं को यह विश्वास करना सिखाया जाता है कि (झूठी) धर्मनिरपेक्षता लाभदायक है। इस्लाम या ईसाई धर्म में धर्मनिरपेक्षता की कोई अवधारणा नहीं है क्योंकि वे एकेश्वरवादी धर्म हैं जो ईश्वर तक पहुंचने के मात्र एक ही तरीके में विश्वास करते हैं और बाकी सब को अस्वीकार करते हैं। 1947 से, धर्मनिरपेक्ष राजनेताओं ने हिंदू वोटों को विभाजित करते हुए मुस्लिम वोटों को एकजुट करने का प्रयास किया है, एक चाल जिसका इस्तेमाल उन्होंने अल्पसंख्यकों से 20 फीसद तक अप्रत्याशित वोट हासिल करने के लिए किया, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हिंदुओं को जाति, भाषा, प्रांत, क्षेत्र, राज्य आदि के आधार पर विभाजित किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिख, बुद्ध और जैन धर्म जैसे सभी भूमिपुत्र धर्मों सहित हिंदुओं के 80 फीसद हिंदू वोटों को एकजुट करके इसके विपरीत किया, यही कारण है कि आज विरोधी दल संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस की धर्मनिरपेक्षता एकतरफा है। जिस तरह से हिंदुओं, उनकी संस्कृति और इतिहास पर उनके नेताओं द्वारा हमला किया जा रहा है, वह अन्य धर्मों की प्रशंसा करते हुए हिंदुत्व को बदनाम करने की इच्छा को दर्शाता है। राहुल गांधी की शक्ति टिप्पणी महिला सशक्तीकरण की स्थिति के प्रति उनकी नफरत को दर्शाती है, जिस पर हिंदू विश्वास करते हैं।

नजरिया

चौथे चरण से पहले भाजपा का नया शिगूफा

प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद ने दुनिया के 167 देशों में 1950 से 2015 के बीच आए जनसांख्यिकी बदलाव का अध्ययन कर एक रिपोर्ट चुनावों के बीच जारी की है, जिसके मुताबिक भारत में 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत घट गई। वहीं मुसलमानों की आबादी में 43.15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के अधिकांश मुस्लिम बहुसंख्यक देश में मुस्लिम आबादी में बढ़ोतरी हुई है, वहीं हिंदू, ईसाई व अन्य धर्म बहुल देशों में बहुसंख्यक आबादी में कमी आई है। इस रिपोर्ट को देखकर यह अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि यह भाजपा का चौथे चरण के मतदान से पहले एक नया शिगूफा है। दरअसल पिछले तीन चरणों के मतदान से भाजपा के लिए अच्छी खबरें नहीं आई हैं और यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने बयानों में अब हिंदू-मुस्लिम पर ज्यादा जोर देने लगे हैं।

राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, प.बंगाल इन तमाम राज्यों में श्री मोदी के भाषणों पर गौर फरमाएं तो उसमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश साफ नजर आती है।

इसलिए इस वक्त आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट का आना यह जाहिर करता है कि भाजपा के पास जनता के बीच जाने के लिए मुद्दों का अकाल है, इसलिए अब आभासी मुद्दे खड़े किए जा रहे हैं।

इस रिपोर्ट के बाद मोदी सरकार पर सवाल उठ रहे हैं कि जब उसने अपने पूरे कार्यकाल में जनगणना ही नहीं कराई तो अभी आबादी की बात किस आधार पर कर रही है। और जहां तक मुस्लिम आबादी की बात है तो नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के डेटा के मुताबिक मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर 2019-21 में सबसे कम 2.4 रही है, जबकि 2015-16 में 2.6 और 2005-06 में 3.4 थी।

तीन चरणों में भाजपा को नुकसान हो गया है, इसका प्रमाण बुधवार को प्रधानमंत्री के अडानी-अंबानी वाले बयान से मिल गया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी को घेरने की कोशिश की, लेकिन आखिर में भाजपा को ही मुश्किल में डाल दिया। इस बयान के अगले दिन गुरुवार को शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट देखी गई। जिससे निवेशकों को तीन लाख करोड़ से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ये कौन से लोग हैं, जो शेयर बाजार से अपना पैसा उठा रहे हैं, और क्यों उठा रहे हैं। क्या देश के चुनावी माहौल में भावी सरकार का अनुमान लगाते हुए शेयर बाजार में उठापटक हो रही है, इस पर अब गौर करना होगा। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो अब तक भारतीय जनता पार्टी की प्रमुख संपदा थे, अपने हालिया बयानों से उसे गहरे संकट में डाल चुके हैं। 400 पार के नारे के साथ शुरू हुआ भाजपा का लोकसभा 2024 का चुनावी अभियान मोदी ने ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया है जहां उसे सरकार बचाने के भी लाले पड़ रहे हैं।

वैसे तो जिस तरह का विमर्श भाजपा ने पिछले एक दशक से चला रखा था, लोगों का मूड भांपे बगैर श्री मोदी उसे ही आगे बढ़ाते चले गये। हिन्दू-मुस्लिम, विरोधी नेताओं का कथित भ्रष्टाचार, कांग्रेस का परिवारवाद आदि जैसे घिसे-पिटे नैरेटिव को आगे खींचते हुए भाजपा के स्टार प्रचारक कहे जाने वाले नरेंद्र मोदी की बातों में लोगों को अब कोई रस रह गया है। बतौर प्रधानमंत्री दो कार्यकाल पूरा कर लेने के बाद भी मोदी के पास गिनाने के लिये अपना एक भी काम नहीं है। इस चुनाव का ऐलान होते तक मोदी अपनी गारंटियों की खूब चर्चा करते रहे। वे दस वर्षों को अपनी सरकार का ट्रेलर बतलाते हुए कहते रहे कि श्असली पिक्चर तो तीसरे कार्यकाल में दिखलाई जायेगी। उन्होंने अबकी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी व 5 ट्रिलियन वाली इकानॉमी बनाने, 2047 तक सबसे विकसित देश बनाने और अगले एक हजार वर्ष तक सबसे आगे रहने जैसे सब्जबाग लोगों को दिखलाये। सभी संस्थाएं अपनी मुट्ठी में रखे हुए मोदी की इस श्विकास पुरुषश् की छवि को पार्टी का खर्चीला प्रचार तंत्र, उसका आईटी सेल, दरबारी मीडिया और श्ट्रोल आर्मीश् आगे बढ़ा रहे थे। राहुल गांधी की दो-दो भारत जोड़ो यात्राओं को मोदी व भाजपा ने हल्के में लिया। उन्होंने इस ओर से आंखें मूंद ली थीं कि कांग्रेस के नेतृत्व में 28 विपक्षी दल एकजुट हो गये हैं। कांग्रेस ने जनसामान्य के बुनियादी सरोकारों पर आधारित विमर्श को पुनर्जीवित किया जिससे जनमत भाजपा की ओर से इंडिया की ओर मुड़ने लगा जो कि प्रतिपक्षी दलों का एक मजबूत गठबन्धन का रूप ले चुका है और इसी शक्ति के साथ चुनाव के तीन चरणों का मतदान पार कर चुका है। तमाम सर्वे, अनुमान एवं विश्लेषण बतला रहे हैं कि तीनों में भाजपा इस कदर पिछड़ रही है कि उसने 400 पार के नारे का उल्लेख करना ही बन्द कर दिया है। हालांकि विपक्ष लोगों को यह नारा भूलने नहीं दे रहा है, पर यह भी बता रहा है कि भाजपा को संविधान समाप्त करने के लिये इतनी सीटें चाहिये। इसके कारण यह लड़ाई लोकतंत्र की लड़ाई में तब्दील हो गई है। तीन चरणों के मतदान का ही यह असर बतलाया जाता है जिसके कारण शेष चुनाव बचाने के लिये मोदी अपने चिर-परिचित विषय पर लौट आये हैं। वह है ध्रुवीकरण। पश्चिम बंगाल के दौरे में वे संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं पर अतिरिक्त द्रवित हुए। हालांकि लोगों ने सवाल उठाया कि मणिपुर की महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न व दुष्कर्म पर बोलने से आखिरकार मोदी को किसने रोका था? अपनी सभाओं में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के एक बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करते हुए यहां तक कह डाला कि कांग्रेस का मानना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

अतीक-अशरफ हत्याकांड- टली सुनवाई, कोर्ट में नहीं हाजिर हुए गवाह, 24 मई को होगी अगली पेशी

प्रयागराज। अस्पताल परिसर में मारे गए अतीक अहमद और भाई अशरफ की हत्या मामले में होने वाली सुनवाई फिर एक बार टल गयी है। अगली सुनवाई 24 मई को होगी। मामले में तीनों आरोपित शूटर चित्रकूट जेल में बंद है। जिनकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में कराई गयी। बहुचर्चित अतीक अशरफ हत्याकांड के विचाराधीन मुकदमे की सुनवाई शुक्रवार को जिला न्यायालय में फास्ट ट्रैक कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कराई गई। हत्याकांड के तीनों आरोपी लवलेश तिवारी सनी उर्फ मोहित सिंह और अरुण मौर्य की पेशी चित्रकूट जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के पेश हुए। तीनों शूटरो पर हस्ताक्षर कराए जाने के लिए कोर्ट से आदेश जेल भेज चुका है। शुक्रवार को पेशी के दौरान फिर एक बार गवाह पेश नहीं हो सके। सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी मृत्युंजय त्रिपाठी के मुताबिक पूर्व तारीख पर गवाह पेश नहीं हो पाए थे। इसलिए अदालत ने गवाही के लिए 10 मई की तारीख दी थी। आज सुनवाई फिर टल गई है। इस मामले में अगली सुनवाई 24 मई को की जाएगी।

शादी से एक दिन पहले दुल्हन प्रेमी संग फरार

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र में शादी के एक दिन पहले दुल्हन अपने प्रेमी के साथ रुपए गहने और कपड़े लेकर फरार हो गई। परिजनों ने थाने में तहरीर दी है। युवती के परिजनों का आरोप है कि आरोपी के घर को घर वाले जान से मारने की धमकी दे रहे हैं साथ ही अन्य बेटियों के साथ भी ऐसा ही व्यवहार करने की भी धमकी दे रहे हैं। फूलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक ज्योति की बारात आनी थी। घर के सदस्य लड़की की शादी की तैयारी में मशगूल थे। रात में दुल्हन बनने जा रही युवती गांव के ही अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। परिजनों को काफी देर बाद मालूम चला की युवती गांव के ही शनि पुत्र अमृतलाल के साथ फरार हुई है। परिजनों का आरोप है कि जब इस संबंध में फूलपुर थाना कोतवाली में प्रेमी सनी कुमार द्वारा ले जाने की तहरीर दी गई तो प्रेमी के परिजनों द्वारा घर पर चढ़कर जान से मारने की धमकी और घर की अन्य लड़कियों के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने की बात कही गई। आरोप है कि लड़की अपने साथ लगभग तीन लाख रुपए के गहने कपड़े और नकदी भी ले गई है। फूलपुर पुलिस का कहना है कि तहरीर मिल गई है कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भूमि विवाद में चले लाठी-डंडे, कई घायल

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के रामनगर स्थित शिववंश राय का पूरा गांव में भूमि विवाद में दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। बतकही के बाद वहां जमकर लाठी डंडे चले। जिसमें एक पक्ष के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट की घटना में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार शिवांश राय का पूरा गांव के मोहनलाल यादव एवं बसंत लाल यादव के बीच जमीन का विवाद चला आ रहा था। इसी जमीन को लेकर आज सुबह दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। बसंत पक्ष के लोगों ने मोहनलाल यादव पक्ष पर लाठी डंडे व लोहे के राड से हमला बोल दिया। हमले में मोहनलाल यादव उनकी पत्नी मुन्नी देवी, बेटी साधना, श्याम कली व बीच बचाव करने पहुंचे आधा दर्जन लोगों को गंभीर चोटे आई। सभी घायलों को उपचार के लिएं अस्पताल ले जाया गया। गंभीर होने पर मोहनलाल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मेजा राजेश उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। आरोपियों के घर दबिश भी दी लेकिन सभी फरार थे। वहीं मोहन लाल के मौत की अफवाह फैल गई। इससे उसके घर लोग पहुंचने लगे। बाद में पुलिस ने बताया कि उनका इलाज चल रहा है।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने येलो डे बड़ी धूमधाम से मनाया

हनुमानगंज। आशुतोष मेमोरियल स्कूल धनैचा-मलखानपुर, हनुमानगंज में शुक्रवार को प्री-प्राइमरी के बच्चों ने येलो डे बड़ी धूमधाम से मनाया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने अलग-अलग रूप में अपने मोहन प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। प्रधानाचार्या श्रीमती सौम्या मिश्रा और समन्वयक महेंद्र श्रीवास्तव ने इस अवसर पर सभी अभिभावकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी देखरेख में बच्चों ने फलों के राजा आम, सूरजमुखी इत्यादि रूपों में अपने बच्चों को तैयार कर उनकी प्रतिभा को उभारा। इस अवसर पर बच्चों ने डांस, खेलकूद,फलों व टॉफियों का भी लुफ्त उठाया।

सोना खरीदना ही नहीं अक्षय तृतीया पर सेवा का भी महत्व

झूंसी। अक्षय तृतीया वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन को लेकर लोगों में कई मान्यताएं हैं। जिनमें से सबसे प्रमुख मान्यता ये है कि इस दिन बिना पंचांग देखे किसी भी प्रकार के मांगलिक और शुभ कार्य को किया जा सकता है। यह इस विश्वास को दर्शाता है कि इस दिन किए गए किसी भी कार्य को असीम सफलता और सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अब इसके मायने भी बदलने लगे है। इस दिन को लोगो की सेवा में समर्पण को भी शुभ मानने लगे है। अक्षय तृतीय के दिन शुक्रवार को रुद्र संगम वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से शरबत पिलाया। जिसमे आशीष चतुर्वेदी के साथ अध्यक्ष संतोष सिंह, सचिव संजय पांडेय, एपी यादव, आर एस पांडेय, कवि अशोक श्रीवास्तव आदि रुद्रावासी सेवा में लगे रहे

संदिग्ध परिस्थितियों मे दुकान के अंदर मिला युवक का शव

जगदीशपुर/अमेठी। दुकान मे सो रहे एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों मे दुकान के अंदर मिलने से हडकंप मच गया घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा थानाक्षेत्र के अंतर्गत जगदीशपुर पुलिस बूथ से चंद कदम दूरी पर स्थित खुशीराम साहू निवासी पूरे शोहरत सिंह की फल की दुकान है जहां नित की भांति उनका पुत्र पंकज साहू उम्र लगभग 23 वर्ष जो घर से खाना पीना खाने के उपरांत आकर दुकान पर ही सोता था वहीं सुबह जब खुशीराम अपनी दुकान पर पहुंचे तो दुकान बंद थी यह देखकर उन्होने पंकज को आवाज लगाई लेकिन कोई हरकत नही हुई तो लगी खिडकी के झरोखे से देखा तो पंकज बदहवास पडा था जिससे जगन्नाथ परेशान हो उठे और घटना की जानकारी होने पर आसपास के तमाम लोग मौके पर पहुंच गए जिसकी सूचना पुलिस को देने के उपरांत मौके पर पहुंची पुलिस ने अपने आला अफसरो को सूचित कर विधिक कार्रवाई मे जुट गई। इस सम्बंध मे क्षेत्राधिकारी मुसाफिर खाना अतुल सिंह ने बताया कि परिजनो की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर छानबीन जारी है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो जाएगा ।

केडीसी के मनोविज्ञान विभाग की मिड टर्म परीक्षा आयोजित, शामिल हुए छात्र-छात्राएं

बहराइच। देवी पाटन मंडल का एक मात्र स्वायत्तशासी उच्च शिक्षण संस्थान किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहराइच में मनोविज्ञान विभाग के बीए द्वितीय, चतुर्थ और अंतिम सेमेस्टर की मिड टर्म परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में महाविद्यालय के मनोविज्ञान विषय से संबंधित सभी छात्र छात्राएं शामिल रहे। यह जानकारी विभाग के प्रभारी असिस्टेंट प्रोफेसर राजेंद्र कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि नयी शिक्षा नीति के तहत विभाग द्वारा मिड टर्म परीक्षा का आयोजन किया जाता है जिसके तहत यह परीक्षा आयोजित कराई गई और इसमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

प्रदेशभर से आए क्षत्रियों ने राम और राणा प्रताप को किया नमन

संवाददाता

हनुमानगंज। अखिल भारतीय महाराणा प्रताप सेवा संस्थान के बैनर तले हनुमानगंज सृष्टि गार्डन में गुरुवार शाम महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। प्रदेशभर से आए सैकड़ों क्षत्रियों ने भगवान राम और महाराणा प्रताप के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। ठाकुर राम प्रताप सिंह बालिका इंटर कालेज की छात्राओं ने हल्दीघाटी युद्ध की झलक प्रस्तुत कर राणा प्रताप के शौर्य को जीवंत कर दिया।

मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह

गौर ने कहा भगवान राम और महाराणा प्रताप पूरे विश्व के लिए एक आदर्श है। फूलपुर विधायक एवं लोकसभा भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल ने क्षत्रियों के सम्मान के लिए सदैव साथ रहने का भरोसा देते हुए कहा भगवान राम और राणा प्रताप के आदर्शों पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी देश की एकता अखंडता के लिए कृतसंकल्प हो संघर्षरत् है। पूर्व आईजी केपी सिंह, चेयरमैन कॉपरेटिव बैंक उपेंद्र सिंह, पूर्व विधायक हंडिया प्रशांत सिंह, पूर्व महाधिवक्ता अमरेंद्र प्रताप सिंह, संस्था के संरक्षक हरिनारायण सिंह, मनेंद्र प्रताप सिंह, अजय सिंह आदि ने क्षत्रिय एकता का विचार रखते हुए युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार दिलाने में परस्पर सहयोग करने की बात कही। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व प्रमुख राजकुमार सिंह रिंकू ने सभी का आभार जताया। अखंड राजपूताना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरपी सिंह, सदस्य जिला पंचायत भूपेंद्र सिंह पिंटू, ब्लॉक प्रमुख पप्पू छतहरा, पूर्व प्रमुख अशोक सिंह, अखिलेश सिंह, इन्द्रेश सिंह, विजय सिंह सहित सैंकड़ों क्षत्रिय कुल गौरव उपस्थित रहे।

युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

राणा प्रताप जयंती पर अमर मेमोरियल महेश नेत्रालय व एएमे ए द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए 34 यूनिट रक्दान किया गया। महेंद्र प्रताप सिंह अंकुर राणा, रवि सिंह पुष्पराज सिंह डिंपल सिंह विशाल सिंह आदर्श सिंह आकाश सिंह विशाल सिंह आदि ने रक्तदान किया।

दोनों फोटो लगना है साथ में, टॉप पर लगा दीजिएगा

यह खबर दूसरे पेज पर सबसे ऊपर रहेगी

विभागाध्यक्ष के प्रयास से लगे चर्म रोग विभाग में एसी

संवाददाता

प्रयागराज। स्वरूप रानी अस्पताल चर्म रोग विभाग में मरीजों की सुविधा के लिए एयर कंडीशन का शुभारंभ आज हुआ। स्वरूप रानी अस्पताल के त्वचा एवं गुप्त रोग विभाग में मरीजों को हो रही भयंकर असुविधा गर्मी उमस से बेहाल बच्चे एवं महिलाएं के लिए विभाग में बने कॉरिडोर में विभागाध्यक्ष डॉ अमित शेखर के प्रयास से दो एयर कंडीशन लगवाए गए। जिसका शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशु पांडे एवं पूर्व प्रधानाचार्य मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रोफेसर डॉ एसपी सिंह के कर कमल द्वारा संपन्न हुआ।

बता दें कि गर्मी को दिनों में मरीज के वेटिंग स्थान कॉरिडोर पर अत्यधिक गर्मी उमस होने के कारण अनेक मरीजों की तबीयत खराब हो जाती थी। बच्चे और महिलाएं गर्मी के कारण बेहाल हो जाते थे। मरीजों की

इस पीड़ा को देखते हुए विभाग अध्यक्ष ने अपने प्रयास से यह कार्य करवाया। मुख्य चिकित्सा अधिकारीड्डडॉ आशु पांडे ने इस प्रयास की सराहना की। डॉ एसपी सिंह ने इसे एक नजीर बताते हुए कहा कि सरकारी सहायता उपलब्ध न होने पर भी डॉक्टर मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए अपने प्रयास से मरीजों का भला करते हैं। अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर अजय सक्सेना ने शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर डॉ मनोज माथुर, डॉ कमलेश सोनकर, गौतम त्रिपाठी, डॉ एस के ओझा अनेक जूनियर डॉक्टर और स्टाफ मौजूद रहे।

हृदय रोग पर चर्चा के लिए जुटेंगे पूरे भारत के चिकित्सक

संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन अपनी वार्षिक आईएमएसीजीपी कांफ्रेंस आयोजित कर रहा है जिसका थीम कार्डियोलॉजी अपडेट है। यह कान्फ्रेंस 12 मई को एएमए कन्वेंशन सेंटर प्रयागराज में एएमए अध्यक्ष डॉक्टर कमल सिंह की अध्यक्षता में होगी। यह जानकारी यह जानकारी एएमए अध्यक्ष डॉक्टर कमल सिंह ने प्रेसवर्ता में दी।

उन्होंने बताया कि यह कॉन्फ्रेंस अपराह्न 1ः30 बजे डेलीगेट्स के पंजीकरण से प्रारंभ होगी। इसके पश्चात समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉक्टर अतुल गोयल एमडी मेडिसिन डायरेक्टर जनरल ऑफ़ हेल्थ सर्विस मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया के द्वारा होगा।

इस सेमिनार में हृदय रोग से संबंधित कारण उपचार सावधानियां

तथा नवीनतम वीडियो द्वारा उपचार पर परिचर्चा होगी। जिसमें फरीदाबाद सर्वोदय अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ रंजन मोदी उच्च रक्तचाप से संबंधित वर्तमान गाइडलाइंस से अवगत कराएंगे। इस सेमिनार में दो ऑपरेशन होंगे जिसमें डॉ के एस नियोगी और डॉ पीके गोयल निदेशक इंटरनेशनल कार्डियोलॉजी मेदांता लखनऊ द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि डॉ आलोक सिंह परामर्शदाता कार्डियोलॉजी वाराणसी हार्ट फैलियरकी वर्तमान गाइडलाइंस पर अपना वक्तव्य देंगे। वयस्कों में पैदाइशी हृदय विकार के समाधान विषय पर फॉर्टिसनई दिल्लीके निदेशक पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी डॉक्टर नीरज अवस्थी अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

के आर मंगलम विश्वविद्यालय सतत विकास व लक्ष्यों के लिए उत्कृष्टता केंद्र

संवाददाता

आगरा - के आर मंगलम विश्वविद्यालय में सतत विकास लक्ष्यों के लिए उत्कृष्टता का केंद्र संस्थान ने सतत विकास और एसडीजी (गुणवत्ता शिक्षा) के तहत एक उल्लेखनीय काम किया है, जो सभी के लिए समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा या एसडीजी (शांति, न्याय और मजबूत संस्थान) पर जोर देता है, जो शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देता है।

गुरुग्राम - एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज,की निदेशक डॉ.शोभना जीत ने बताया कि केआर मंगलम विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम विश्वविद्यालय ने 2009 में नई दिल्ली में स्थापित संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक,वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) और शांति और सतत विकास के लिए महात्मा गांधी शिक्षा संस्थान (एमजीआईईपी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। स्न्न्ढ्ढश्वक्क एशिया प्रशांत के लिए एक यूनेस्को अनुसंधान संस्थान है। इसका प्राथमिक ध्यान सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाजों के निर्माण के लिए शिक्षा को बढ़ावा देना है। जिसमें शिक्षा प्रणाली में सहानुभूति और दयालुता के लिए स्व-निर्देशित भावनात्मक शिक्षा को मुख्यधारा में लाना और युवाओं को सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के केंद्र में

रखना शामिल है। यूनेस्को एमजीआईईपी द्वारा पेश किया गया स्व-निर्देशित भावनात्मक शिक्षण फॉर एम्पैथी एंड काइंडनेस (सीक) पाठ्यक्रम, 18-35 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच मानवीय मूल्यों और कौशल की खेती पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से फलने-फूलने और शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाजों के विकास में योगदान करने के लिए उपकरणों से लैस करना है। जबकि विशिष्ट सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) सीधे सीक पाठ्यक्रम द्वारा पीछा किया जाता है। स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है,यह शिक्षा, कल्याण और वैश्विक नागरिकता से संबंधित कई एसडीजी के साथ संरेखित है। उदाहरण के लिए, यह एसडीजी (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) से जुड़ा हो सकता है,जो सभी के लिए समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा पर जोर देता है, या एसडीजी 16 (शांति, न्याय और मजबूत संस्थान), जो शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देता है।हालांकि, भावनात्मक सीखने और दयालुता पर सीक का प्राथमिक ध्यान कई एसडीजी के साथ एक व्यापक संरेखण का सुझाव देता है जो एक बेहतर दुनिया में योगदान देता है। केआर मंगलम विश्वविद्यालय (सतत विकास लक्ष्यों के लिए केंद्र के तहत) में लगभग 2000 छात्रों ने पंजीकृत किया है और सफलतापूर्वक इस कोर्स को पूरा किया है। युवाओं को जागरूक रखने और एसडीजी को प्राप्त करने और प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में विश्वविद्यालय की भूमिका और योगदान उल्लेखनीय है। डॉ. शोभना जीत (चेयरपर्सन, सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) ने यह जानकारी साझा की है और केआर मंगलम विश्वविद्यालय प्रबंधन और नेतृत्व की भूमिका और योगदान का उल्लेख किया है।

चिलचिलाती धूप व तपन मे झुलस रहे विद्यालय के बच्चे

संवाददाता

जगदीशपुर अमेठी। भयंकर गर्मी व तपन मे विद्यालय आने जाने वाले छात्र छात्राएं झुलस रहे हैं इसका प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पडकर बीमारी की चपेट मे आ सकते हैं इसके बावजूद भी विभागीय जिम्मेदार अधिकारीगण बेखबर हैं ।

विकास खण्ड के अन्तर्गत स्थित प्राथमिक विद्यालयों एंव मान्टेसरी,पब्लिक स्कूल, नर्सरी तथा मान्यता प्राप्त व गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के नन्हे मुन्ने छात्र छात्राएं जो भयंकर गर्मी व तपन लू की तेज व गर्म हवाएं सहने की क्षमता नहीं रखते वही छात्र आज रोडो पर ठीक दोपहर के समय भयंकर गर्मी व तपन मे चलने को मजबूर हैं इसका प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पडकर अभिभावकों के जी का जंजाल बन सकता है इसके बावजूद भी उच्च अधिकारीगण इस ओर ध्यान देना

मुनासिब नहीं समझते वहीं नाम ना छापने की शर्त पर विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि तेज धूप व तपन बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है हमे भी पता है परंतु विभागीय अधिकारीगण के आदेश निर्देश का पालन करना मजबूरी है ।

बेसिक शिक्षा अधिकारी बोले ःइस संबंध मे जब बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी से बात की गई तो उन्होने बताया कि बढती हुई गर्मी को देखते हुए जल्द ही विद्यालय बंद करने के आदेश जारी कर बच्चों को राहत दी जाएगी ।

विरोध के बीच ढहाया गया मकान

बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर बनाने के लिए जारी है ध्वस्तीकरण

संवाददाता

प्रयागराज। बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर बनाने के लिए लगातार दूसरे दिन संगम क्षेत्र में बने मकानों को ढहाया गया। गुरुवार को पीडीए की टीम सुबह 10 बजे हनुमान मंदिर के बगल बांध के पास चार कमरे के मकान को ढहाया गया। इसी के बगल बने तीर्थराज ब्रह्मचर्य आश्रम को ढहाने की बात अधिकारी करने पहुंचे तो मौजूद संतों ने यह कहते हुए विरोध व्यक्त किया कि यह आश्रम कई दशक से बना हुआ है। यहां पर जन कल्याण के लिए अखंड कीर्तन हो रहा है। हमें यहां से हटाने से पहले कहीं पर बसाया जाना चाहिए। यहां पर कई दशक पुराना शिवलिंग है।

आश्रम के संत श्री निवास नंद

सरस्वती ने कहा कि हम सब बड़े हनुमान मंदिर कारिडोर का पूरा समर्थन करते हैं। लेकिन आश्रम में रहने वाले 20 संत कहां जाएं।

पीडीए के अधिकारियों से वार्ता के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई बगल के मकान पर की गई। पीडीए के अधिकारी ने संतों से कहा कि हमें जो आदेश मिला है उसी के अनुसार कार्य किया जा रहा है। अगर आप को ध्वस्तीकरण का विरोध करना है तो उच्च अधिकारियों के पास आप जा कर अपनी बात रख सकते हैं।

ध्वस्तीकरण के दौरान मंदिर के आसपास अफरा तफरी का माहौल बन गया। सड़क के किनारे और मंदिर के आसपास छप्पर डालकर दुकान लगाने वाले अपनी दुकान को हटाने लगे। ध्वस्तीकरण के दौरान ही ढहाए गए मकान का मलबा दो ट्रकों को लगाकर हटाया गया। ध्वस्तीकरण शुरू होने के एक घंटे के बाद बुलडोजर में खराबी आ जाने के कारण कुछ समय के लिए कार्रवाई प्रभावित रही। बुलडोजर में नया केबल लगने के बाद भवन के शेष हिस्से को तोड़ा गया।

दिव्यांग बच्चों ने भी पोस्टर के माध्यम से मतदाताओं को किया जागरूकता

बहराइच। लोकसभा सामान्य निर्वाचन के लिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जहां विभिन्न प्रकार के प्रयास किया जा रहे हैं उनमें जनपद के दिव्यांग बच्चों ने भी आम मतदाताओं से अपील की है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। इसके लिए बच्चों ने अपने हाथ से पोस्ट इत्यादि बनाकर उनका प्रदर्शन भी किया।

शहर के बाबा सुंदर सिंह बधिर विद्यालय तथा बाबा सुंदर सिंह टीचर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के प्रशिक्षुओ व दिव्यांग बच्चों ने आम जनता से अपनी भाषा में पोस्टर के माध्यम से मतदान करने की अपील की। इन दिव्यांग बच्चों ने यह संदेश दिया है कि मतदान हमारा पहला अधिकार है हमें हर कार्य को छोड़कर पहले मतदान करना चाहिए उसके बाद अन्य कार्य करने चाहिए। इन बच्चों ने नारा दिया कि पहले मतदान फिर जलपान। इस नारे को चरितार्थ करते हुए बच्चों ने चार्ट पर अपनी भावनाओं को उकेरा और समाज में मतदान करने की अपील की।

युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप कुशल बना रही है सरकार

टाटा आईटीआई के माध्यम से एडवांस स्किल ट्रेनिंग की हो रही है शुरुआत

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में युवाओं का इंडस्ट्री के हिसाब से स्किल्ड करने के लिए प्रदेश सरकार प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने इंडस्ट्री और बाजार की मांग के अनुकूल युवाओं के कौशल को निखारने के लिए पिछले वर्ष जो मंच प्रदान किया था उसे इसी शैक्षणिक सत्र में जुलाई से धरातल में उतारा जा रहा है। इंडस्ट्री 4.0 के हिसाब से टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ प्रदेश के जिन 150 आईटीआई को अपग्रेड करने के लिए करार हुआ था उसमें प्रयागराज में भी दो टाटा आईटीआई भवन का निर्माण हो चुका है जिसमे इसी शैक्षिक सत्र से प्रशिक्षण शुरू हो रहा है।

प्रदेश के युवाओं को इंडस्ट्री और बाजार की डिमांड के अनुसार अपना कौशल निखारने के लिए अब कहीं और नहीं भटकना पड़े इसके लिए सरकार अलग मंच दे रही है। प्रदेश की योगी सरकार की तरफ से टाटा टेक्नोलॉजी के साथ पांच हजार करोड़ से ज्यादा का एमओयू साइन करने के बाद अब जुलाई से यह प्रयास जमीनी धरातल पर उतर रहा है। प्रयागराज में इसी के अंतर्गत दो टाटा आई टी आई भवन का निर्माण हुआ है जिसमे जुलाई से प्रथम शैक्षिक सत्र शुरू हो रहा है। राजकीय काष्ठ कला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज के प्राचार्य हिमांशु द्विवेदी बताते हैं कि प्रयागराज में नैनी और कटरा में इनका निर्माण हुआ है। जिले की सरकारी आईटीआई परिसर में ही ये बनाए गए हैं। प्रत्येक टाटा आईटीआई में पढ़ाने के लिए टाटा की ओर से दो-दो प्रशिक्षक भी इसमें उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा आईटीआई के चार-चार शिक्षकों को भी इन नए कोर्स का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रत्येक के निर्माण में चार करोड़ की लागत आई है। जुलाई से इसका शैक्षिक सत्र शुरू हो रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में राजकीय आईटीआई हैं जहां से हर साल हजारों की संख्या में युवा प्रशिक्षित होकर आ रहे हैं। लेकिन इनमें रोजगार पाने वालों का प्रतिशत कम है। इसकी वजह बदलती टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखकर इंडस्ट्री के अनुकूल इनका प्रशिक्षण नहीं हुआ था लेकिन अब टाटा आईटीआई इस कमी को पूरा कर सकेंगे। प्रदेश सरकार ने पहली बार आईटीआई को अपग्रेड करने का कार्य शुरू किया है।

राजकीय काष्ठ कला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज प्राचार्य हिमांशु द्विवेदी के मुताबिक आईटीआई में टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से आगामी सत्र से इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) दो वर्षीय , मैन्युफैक्चरिंग प्रॉसेस कंट्रोल एण्ड ऑटोमेशन एक वर्षीय तथा बेसिक डिज़ाइन एण्ड एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग एक वर्षीय कोर्स संचालित किए जाने है।

चार धाम के लिए यात्रियों का जत्था रवाना

बहराइच । भोलेनाथ के भक्तों की यह लालसा बनी रहती है कि वह बाबा केदारनाथ के दर्शन एक बार अवश्य करें। वर्तमान में केदारनाथ यात्रा का शुभारंभ हो चुका है। ऐसे में बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों के जत्थों की रवानगी की शुरू हो चुकी है। जिला मुख्यालय से यात्रियों का जत्था बाबा के दर्शन के लिए जिले से रवाना हुआ। जो केदारनाथ व बद्रीनाथ पहुंचकर बाबा के दर्शन के साथ-साथ चार धाम का भी दर्शन करेगा। यात्रियों के जत्थे में कुंवर दिवाकर सिंह, अभय प्रताप शुक्ला, सन्तोष कुमार सिंह, महेश सोनी, गोलू सिंह शामिल है। यात्रियों के जत्थे में शामिल कुंवर दिवाकर सिंह ने बताया कि हरिद्वार पहुंचकर बाबा केदारनाथ की यात्रा प्रारंभ की जाएगी तथा अन्य देवी देवताओं के दर्शन का भी लाभ प्राप्त होगा। मालूम होगी समय-समय पर बहराइच से चार धाम यात्रा के साथ-साथ अमरनाथ यात्रा तथा माता वैष्णो देवी की यात्रा के लिए भी तीर्थ यात्रियों का जज था रावण होता रहता है इसके लिए विशेष संगठन के लोग इस यात्रा में अपना सक्रिय योगदान देते हैं।

अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिलने से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

अरविंद केजरीवाल को चुनाव में प्रचार से रोकने की भाजपा की साजिश नाकाम हुई ..सभाजीत सिंह

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिलने से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। यूपी में पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी का इजहार किया।

इस मौके पर सभाजीत सिंह ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। देश से तानाशाही का अंत होगा।

अरविंद केजरीवाल को चुनाव में प्रचार से रोकने की साजिश नाकाम हुई है । यह लोकतंत्र की जीत है लाखों करोड़ों लोगों की दुआओं और आशीर्वाद का फल है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए अब और मजबूती से और शिद्दत के साथ लड़ाई लड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल एक व्यक्ति नहीं एक सोच है अब इस सोच को और तेजी से आगे लेकर बढ़ेंगे। अरविंद केजरीवाल के प्रचार से इंडिया गठबंधन और अधिक मजबूत होगा।

इस मौके पर निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, दिनेश पटेल, ब्रजकुमारी सिंह, महेंद्र सिंह,सरबजीत सिंह मक्कड़, वंशराज दुबे, अजय गुप्ता, विनय पटेल, शैलेंद्र राठौर, प्रियंका श्रीवास्तव, अंकित परिहार, कायनात सिद्दकी, नूर सिद्दकी, पंकज यादव, राजीव पांडेय, राजेंद्र राजश्री, सुभासनी मिश्रा, इरम रिजवी अल्ताफ अहमद,अनुज पाठक, अंजली, धर्मवीर सिंह अभिषेक सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

वोटिंग के दौरान मतदाताओं पर मधुमक्खियों का हमला , 8 लोगों को अस्पताल में भर्ती

रायपुर ।लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान शुरू हो गया है। इस बीच छत्तीसगढ़ की सात लोकसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। इस बीच पोलिंग केंद्र में मतदान करने पहुचें ग्रामीणों पर मधुमक्खियों का हमला हुआ है। इस हमले में 8 लोग घायल हो गए है। इस हमले में सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि यह सभी मतदान करने पहुंचे हुए थे उस दौरान यह घटना घटी है। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला सरगुजा लोकसभा क्षेत्र आने वाले जशपुर जिले की है। जहां जिले के आरा मतदान केंद्र में सुबह से ही मतदाता बड़ी संख्या में पहुंचकर वोट डालने कतार में खड़े हुए थे,उसी दौरान मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया, जिसके बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और लोगों अपनी जान बचाकर इधर उधर भागने लगे। इस हमले में मधुमक्खियों ने 8 लोगों को काटा है इन सभी को तुरंत एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल ले जाया गाय है, जहां सभी का इलाज जारी है। वहीं मधुमक्खियों के हमले से आठ लोगों के घायल होने की जानकारी लगते ही जशपुर विधायक रायमुनी भगत घायलों से मिलने अस्पताल पहुंची है। विधायक ने डॉक्टरों को घायलों का उचित इलाज करने की बात करते हुए घायल से मिली है।

वोट करने पहुंचे बुजुर्ग मतदाता की पोलिंग बूथ में बिगड़ी तबियत, मौके पर हुई मौत

रायपुर । लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के बीच छत्तीसगढ़ की सरगुजा लोकसभा क्षेत्र में एक बुजुर्ग की वोटिंग के दौरान मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग मतदाता वोट करने मतदान केंद्र पहुंचा जहां वह अंदर जाने के दौरान गिर पड़ा। बुजुर्ग के गिरने के बाद आस-पास के लोग बुजुर्ग को उठाने पहुंचे और तुरंत उसे अस्पताल लेकर जाने लगे। लेकिन तब तक उस बुजुर्ग मतदाता की मौत हो चुकी थी।

सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के जशपुर में एक बुजुर्ग मतदाता की मौत हो गई है। मृतक के पहचान पत्र से पता चला की उसका नाम तारसियुस टोप्पो था। जानकारी के अनुसार मामला झारखंड सीमा के लोदाम का है जहां ग्राम पंचायत जमतोली बूथ पर तरसियुश टोप्पो नामक व्यक्ति जैसे ही वोट देने बूथ में घुसा वह अचानक गिर गया। आसपास के लोग दौड़े और उसे उठाने की कोशिश की लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। मौत के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और कारणों की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ की सात लोकसभा सीटों पर सुबह 6 बजे से मतदान जारी है। सभी लोकसभा सीटों पर दोपहर 1 बजे तक 46.14 प्रतिशत मतदान हो चुका है। जिसमें बिलासपुर लोकसभा 39.93 प्रतिशत, दुर्ग लोकसभा 46.68 प्रतिशत, जांजगीर- चांपा लोकसभा 43.14 प्रतिशत, कोरबा लोकसभा 48.10 प्रतिशत, रायगढ़ लोकसभा 55.87 प्रतिशत, रायपुर लोकसभा 40.59 प्रतिशत और सरगुजा लोकसभा में 51.72 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है।

पहली बार एसडीआरएफ टीम में शामिल की गई 12 महिला रेस्क्यूर

जौलीग्रांट (देहरादून) चारधाम यात्रा मार्गो के लिए एसडीआरएफ में 12 महिला रेस्क्यूर को शामिल किया गया है। इसी के साथ एसडीआरएफ मुख्यालय जौलीग्रांट में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त पुलिस के 53 जवानों का 84 दिवसीय बेसिक फर्स्ट रेस्पॉन्डर कोर्स संपन्न हो गया। ये भी एसडीआरएफ में शामिल हो गए। सेनानायक मणिकांत मिश्रा ने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा को सफल बनाने को पहली बार महिला रेस्क्यूर को भी विभिन्न पोस्टों पर तैनात किया जा रहा है। इससे चारधाम यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं को रेस्क्यू करने में मदद मिलेगी। कहा कि प्रशिक्षकों ने मेडिकल फर्स्ट रेस्पॉन्डर (एमएफआर) कॉम्प्लेक्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू (सीएसएसआर), केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल, न्यूक्लियर (सीबीआरएन) फ्लड रेस्क्यू, रोप रेस्क्यू इत्यादि का गहन प्रशिक्षण दिया गया है। राज्य में 31 स्थानों पर की पोस्टें हैं। नौ अतिरिक्त स्थानों पर भी रेस्क्यू टीम को तैनात किया गया है। इस अवसर पर सहायक सेनानायक शिवदत्त नौटियाल, क्वार्टर मास्टर राजीव रावत, ट्रेनिंग इंस्पेक्टर प्रमोद रावत आदि उपस्थित रहे।

शराब पीकर मतदाताओं से किया अभद्र व्यवहार

राजगढ़। मध्यप्रदेश में तीसरे चरण के लिए लगभग नौ सीटों पर मंगलवार को मतदान प्रक्रिया शुरू हुई है और लोग उत्साहपूर्वक मतदान भी कर रहे हैं। वहीं राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र की खिलचीपुर विधानसभा सीट के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्र क्रमांक 227 जामोन्या में पीठासीन अधिकारी के द्वारा शराब पीकर मतदाताओं से अभद्र व्यवहार करने का मामला सामने आया है, जिसको लेकर कलेक्टर ने निलंबन की कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी खिलचीपुर द्वारा कलेक्टर को एक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसमें उल्लेख था कि मतदान केंद्र क्रमांक 227 जमुनिया के पीठासीन अधिकारी बालकृष्ण चौहान शराब का सेवन करके आए और मतदान केंद्र पर मौजूद मतदाता व पोलिंग एजेंट से अभद्र व्यवहार किया गया। उक्त प्रतिवेदन के आधार पर जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर हर्ष दीक्षित के द्वारा आदेश जारी करते हुए पीठासीन अधिकारी बालकृष्ण चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें

कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, लश्कर के टॉप कमांडर बासित अहमद डार को घेरा; एनकाउंटर जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है। सोमवार सुबह दक्षिण कश्मीर में कुलगाम के रेडवानी पाईन इलाके में तलाशी अभियान के साथ सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ शुरू हो गई है जो अब भी जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला हुआ है। जानकारी के मुताबिक शीर्ष लश्कर कमांडर बासित अहमद डार कुलगाम की इस मुठभेड में घिर गया है। पिछले साल ही एनआईए ने लश्कर के सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के कमांडर बासित अहमद डार पर 10 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की थी। इनामी राशि की घोषणा दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के रेडवानी पाईन के बासित अहमद डार के खिलाफ दर्ज मामले 32/2021/एनआईए/डीएलआई में की गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, बासित कई हत्याओं का मास्टरमाइंड था। रेडवानी के कुलगाम का निवासी बासित, जो पिछले साल अप्रैल 2022 से अपने घर से लापता था, लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) में शामिल हो गया था। आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गत 4 मई को आतंकवादियों ने भारतीय वायु सेना (द्धस्न) के काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया था। सुरक्षा अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस हमले में द्धस्न का 1 जवान शहीद हो गया, जबकि 4 अन्य घायल हो गए।

कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद राधिका खेड़ा हुई भाजपा में शामिल

एजेंसी

रायपुर । कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता रही राधिका खेड़ा ने रविवार के दिन पार्टी को अपना इस्तीफा भेज दिया था। इसके बाद आज राधिका खेड़ा भारतीय जनता पार्टी के साथ चली गई है। राधिका खेड़ा ने आज भाजपा का दामन थाम लिाय है। आज बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की अध्यक्षता में राधिका खेड़ा बीजेपी में शामिल हो गई है। उनके साथ ही अभिनेता शेखर सुमन भी बीजेपी में शामिल हो गए है। बीते कुछ दिनों से चल रहे लगातार विवाद के बाद पहले राधिका ने इस्तीफा दिया और अब वह बीजेपी के समर्थन में चली गई है।

कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा को छत्तीसगढ़ के मीडिया विभाग की जिम्मेदारी देकर भेजा गया था। बीते दिनों प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में कांग्रेस नेत्री राधिका खेड़ा और संचार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के साथ विवाद हुआ था। जिसे लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा था। जिसमें राधिका रोते हुए फोन पर अपने साथ हुए दुर्व्यहार के बारे में बोलती नजर आ रही थी। वहीं इस मामले में राधिका ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भी बहुत सी बाते लिखी थी। जिसमें राधिका ने लड़की हूं लड़ रही हूं जैसी बात करते हुए। पूर्व सीएम और संचार विभाग के अध्यक्ष पर सीधा हमला बोला था। वहीं इस मामलें में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को जांच कर रिपोर्ट दिल्ली भेजने की बात कही गई थी। जिसके बाद बीते शनिवार को कांग्रेस भवन में दोनों पक्षो को बुलाकर सभी का बयान लिया गया और रिपोर्ट हाईकमान को भेज दी गई थी।

इस पूरे विवाद के बाद कांग्रेस हाईकमान के फैसले का इंतजार ही हो रहा था कि राधिका खेड़ा ने इस बीच रविवार को इस्तीफा कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया। राधिका खेड़ा ने इस्तीफा भेजते हुए छत्तीसगढ़ की घटना के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी पर कई आरोप भी लगाए। राधिका ने लिखा कि जब से मैं राम मंदिर रामलला के दर्शन करके लौट कर आई हूं मेरे सांथ पार्टी के द्वारा गलत व्यवहार किया जा रहा है। राधिका ने कहा कि मैं एक लड़की हूं कांग्रस पार्टी महिला के साथ हुए दुर्व्यहार पर चुप्पी बनाई हुई है। इसके बाद बीते सोमवार को राधिका खेड़ा ने प्रेस वार्ता कर कांग्रेस पार्टी के नेता प्रियंका गांधी, सचिन पायलेट, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम बघेल समेत महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। राधिका खेड़ा ने इस बीच छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज पर शराब ऑफर करने की बात भी कही है। राधिका ने कहा कि मैं लड़की हूं और अपने न्याय के लिए लड़ती रहूंगी। छत्तीसगढ़ के संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राधिका खेड़ा के आरोप के बाद मानहानी का आरोप लगाते हुए नोटिस भेज दिया है। सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाते हुए कहा है कि मेरी सामाजिक और पारिवारिक प्रतिष्ठा है मैं शिक्षित परिवार से आता हूं। मैं राधिका खेड़ा के आरोप से बहुत ज्यादा अपमानित और आहत हुआ हूं। शुक्ला ने आरोप लगाया कि राधिका खेड़ा ने मेरी राजनीतिक हत्या करने की कोशिश की है। इसके आलावा शुक्ला ने यह भी कहा कि राधिका ने यह आरोप लगाया कि मैंने उन्हें शराब की पेशकश की और उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया। इस बात का जबाव देते हुए सुशील आनंद शुक्ला ने दावा करते हुए कहा कि मैं छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय हूं मेरे बारे में हर कोई जानता है कि मैंने शराब का सेवन कभी नहीं किया है।

ऊना शहर से सटे लाल सिंगी में 50 झुग्गियां राख, लाखों का नुकसान

ऊना । हिमाचल प्रदेश के ऊना शहर के साथ सटे लाल सिंगी क्षेत्र के वार्ड 10 में मंगलवार सुबह करीब 11:00 बजे झुग्गियों में अचानक आग लग गई। अग्निकांड में करीब 50 झुग्गियां जलकर राख हो गई। सूचना मिलने पर करीब 12:00 बजे दमकल विभाग की तीन गाड़ियां आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचीं। इस दौरान रास्ता नहीं मिल पाने के कारण गाड़ियों को आगे बढ़ने में देरी हुई। इसके बाद गाड़ियां किसी तरह खड्ड को पार कर प्रभावित क्षेत्र में पहुंचीं।

इसके बाद आग को बुझाने का कार्य शुरू किया गया। दोपहर 12:30 बजे तक झुग्गियों में लगी आग को बुझाने का क्रम जारी रहा। इस हादसे से जुड़े कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। लेकिन आशंका जताई जा रही है कि किसी ने गेहूं के खेत में पराली को जलाने के लिए आग लगाई होगी जोकि बाद में झुग्गियों तक जा पहुंची। इस हादसे में लाखों का नुकसान बताया जा रहा है।

सैनिटरी पैड्स के निपटान के लिए अतिरिक्त शुल्क पर कोर्ट नाराज

एजेंसी

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार के उस नियम पर नाराजगी जाहिर की है जिसमें सैनिटरी कचरे के निपटान के लिए अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है.सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल सरकार के उस नियम पर नाराजगी जाहिर की है जिसमें सैनिटरी कचरे के निपटान के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है. कोर्ट ने अफसोस जताया है कि राज्य का रुख मासिक धर्म स्वच्छता और सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच के लिए अदालत की लगातार वकालत के विपरीत है. केरल सरकार द्वारा सैनिटरी पैड्स और डायपर के निपटान के लिए लगाए गए अतिरिक्त शुल्क के नियम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है. इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, ÷एक तरफ, हम स्कूलों और अन्य संस्थानों में सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराकर मासिक धर्म स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी कर रहे हैं और दूसरी तरफ राज्य सैनिटरी कचरे के निपटान के लिए शुल्क ले रहे हैं. यह कैसे हो सकता है? आप इस पर जवाब दें÷ अदालत ने यह टिप्पणी इंदु वर्मा द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर की. याचिकाकर्ता ने केरल सरकार के उस नियम पर रोक लगाने की मांग की है, जो इस्तेमाल किए गए सैनिटरी पैड्स और डायपर के निपटान के लिए लोगों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने की अनुमति देता है. सैनिटरी पैड्स उठाने के लिए शुल्क सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की बेंच के सामने याचिकाकर्ता ने कहा, ÷जब सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों में ऐसा कोई प्रावधान मौजूद नहीं है, तो राज्य सैनिटरी कचरे को उठाने पर शहरवासियों से अतिरिक्त शुल्क कैसे ले सकता है? संबंधित विभाग द्वारा सौंपी गई एजेंसियों द्वारा लोगों को सैनिटरी नैपकिन, शिशु और वयस्क के डायपर के संग्रह के लिए अतिरिक्त भुगतान करने के लिए कहा गया है÷ सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं और आवश्यक स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच पर सैनिटरी कचरे के निपटान के लिए अतिरिक्त शुल्क के संभावित प्रभाव के बारे में चिंता जताई. कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा, ÷आपको सैनिटरी कचरे के लिए अतिरिक्त शुल्क क्यों लेना चाहिए? यह मासिक धर्म स्वच्छता के संबंध में हमारे निर्देशों के उद्देश्य के विपरीत होगा. आपको इसे उचित ठहराना होगा÷ फ्री सैनिटरी पैड देने पर जोर इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छठी कक्षा से लेकर 12वीं तक हर छात्रा को मुफ्त सैनिटरी पैड और सभी रेसिडेंशियल और नॉन रेसिडेंशियल शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के लिए अलग शौचालयों का प्रावधान सुनश्चित करने का निर्देश जारी किया था

शहजादे राम मंदिर का फैसला पलटना चाहते थे पीएम मोदी ने फिर बोला कांग्रेस पर बड़ा हमला

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के खरगोन में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा कहा कि कांग्रेस के इरादे कितने खतरनाक है, इसका अंदाजा कांग्रेस छोड़ रहे नेताओं के बयानों से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ये समझने के लिए आपको उन लोगों की बातें सुननी होगी, जो 20-20, 25-25 साल कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता रहे हैं और ये लोग अब धमाधम कांग्रेस छोड़ रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, एक महिला ने कहा कि मैं राम मंदिर गई, तो उसको इतना टॉर्चर किया गया कि उन्हें कांग्रेस ही छोड़नी पड़ गई। एक और व्यक्ति ने कहा कि %कांग्रेस पर मुस्लिम लीगियों और माओवादियों ने कब्जा कर लिया है। तीसरे ने एक और गहरी साजिश से पर्दा उठा दिया, उन्होंने कहा कि %कांग्रेस के शहजादे का इरादा राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने का है।%

बता दें, कांग्रेस से निष्कासित नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सोमवार को दावा किया था कि सुप्रीम कोर्ट का राम मंदिर को लेकर फैसला आने के बाद राहुल गांधी ने एक बैठक की थी और कहा था कि कांग्रेस की सरकार बनने पर सुपरपावर कमीशन बनाकर इस फैसलो को शाह बानो केस की तरह पलट दिया जाएगा। पीएम मोदी उनके इसी बयान का जिक्र कर रहे थे।

वहीं उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान को लेकर भी कांग्रेस पर हमला बोला और कहा, मतदान के हर चरण के बाद कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम चरम पर पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के एक पूर्व सीएम ने कहा कि हमारी सेना आतंकी हमले करती है, पाकिस्तान निर्दोष है। कांग्रेस के एक और बड़े नेता कि बेशर्मी देखिए, उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले में भी पाकिस्तान का हाथ नहीं था। कांग्रेस के साथी दल के एक और नेता भारत को धमकी देते हैं...कहते हैं कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी हुई हैं।

उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस के शहजादे से पूछता हूं कि आपके ये साथी जो बोल रहे हैं, इनकी मंशा क्या है? पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत और हमारी सेना से इतनी नफरत क्यों? पाकिस्तान में आतंकी भारत के खिलाफ जिहाद की धमकी दे रहे हैं। यहां कांग्रेस के लोगों ने भी घोषणा कर दी है कि मोदी के खिलाफ वोट जिहाद करो। यानि मोदी के खिलाफ एक खास धर्म के लोगों को एकजुट होकर वोट करने को कहा जा रहा है। सोचिए, कांग्रेस किस स्तर पर उतर आई है!

पीएम मोदी ने आगे कहा, इंडी गठबंधन वाले किसलिए चुनाव लड़ रहे हैं? अपनी-अपनी विरासत बचाने के लिए। अपने बच्चों को अपनी पार्टी सौंप कर जाने के लिए। इन्हें आपके सुख-दुःख से कोई फर्क नहीं पड़ता।

रील बनाने के लिए लगा दी जंगल में आग

डीजीपी बोले- लोगों की मानसिकता हो चुकी खराब

एजेंसी

देहरादून । जंगल में जान बूझकर आग लगाने के मामले में पुलिस ने 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें चार लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि छह अज्ञात हैं। वन विभाग ने 351 मुकदमे दर्ज किए हैं, जिसमें 290 अज्ञात, जबकि 61 नामजद मुकदमे हैं। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार के मुताबिक, वन, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम ऐसे लोगों की पहचान कर रही है।

डीजीपी अभिनव कुमार ने कहा, कुछ लोगों की मानसिकता इतनी खराब हो चुकी है कि रील बनाने के लिए जंगल में आग लगा दी। ऐसे एक मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं मुख्य सचिव ने कहा, सरकार उन गांवों को पुरस्कृत करेगी, जहां ग्रामीणों ने अपने गांवों को जंगल की आग से बचाने का काम किया है। वनाग्नि प्रबंधन समिति के तहत भी पुरस्कार की व्यवस्था की गई है।

प्रदेश में जंगल की आग बेकाबू हो गई है। गढ़वाल से कुमाऊं तक सोमवार को 20 जगह जंगल धधके, जिससे 52 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र जल गया। गढ़वाल में सबसे अधिक 10 और कुमाऊं में नौ घटनाएं हुई हैं। आग पर काबू पाने के लिए एनडीआरएफ के साथ ही एयरफोर्स की मदद ली जा रही है। हेलिकॉप्टर से दो राउंड में लगभग पांच हजार लीटर पानी का छिड़काव किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया, हेलिकॉप्टर से आग बुझाने का अभियान जारी रहेगा। वहीं, कृत्रिम बारिश के लिए तकनीकी संस्थाओं को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। जंगलों की आग की राज्य में अब तक 930 घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे 1,196 हेक्टेयर से अधिक जंगल जल चुका है। सबसे अधिक 491 घटनाएं कुमाऊं और 365 घटनाएं गढ़वाल में हुई, जबकि 74 मामले वन्य जीव क्षेत्र के हैं। बेकाबू हो चुकी आग से अब तक पांच लोगों की मौत और चार लोग झुलस चुके हैं।

अररिया में चुनाव को लेकर भारत-नेपाल बॉर्डर पर दोनों देशों के सुरक्षाकर्मी तैनात

एजेंसी

अररिया। अररिया में तीसरे चरण के तहत हो रहे मतदान को लेकर भारत नेपाल सीमा सील है।दोनों देशों की सरहद की सुरक्षा में लगे जवान एक दूसरे के बॉर्डर पर तैनात हैं और शांतिपूर्ण मतदान के लिए किसी अवांछित तत्वों को प्रवेश करने नहीं दे रहे हैं।जिले के जोगबनी स्थित मुख्य बैरियर को नीचे गिरा हुआ है। दोनों देशों के बीच आवागमन को ठप्प है।

चुनाव को लेकर सड़क से लेकर सीमा तक की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कस्टम,एसएसबी समेत जोगबनी थाना पुलिस की मौजूदगी है।बॉर्डर को पूरी तरह सील कर दिए जाने के कारण नेपाल में फंसे लोगों की मुश्किलें भी बढ़ी है।वहीं भारतीय सीमावर्ती क्षेत्र के मतदाताओं का पहचान पत्र दिखाकर मतदाताओं के साथ इमर्जेंसी वाले की में लोगों को पैदल प्रवेश करने दिया जा रहा है।अररिया जिला प्रशासन के साथ नेपाल के मोरंग जिला प्रशासन के अधिकारी बॉर्डर पर मुस्तैद है।

इंडो नेपाल अधिकारियों की पिछले दिनों मीटिंग के आलोक में चुनाव से 48 घंटे पहले ही बॉर्डर को सील कर दिया गया था।जिससे खुली सीमा का फायदा उठाकर एक दूसरे देश के असमाजिक तत्व वाले लोग आवाजाही न कर सके।एसएसबी के जोगबनी कैंप प्रभारी आनंद सिंह भंडारी ने सीमा सील के बाद लोगों के आवाजाही पर रोक लगाने की बात कही।

प्रबुद्धजनों से सीएम बोले: चुनाव दो मांओं के बीच है, एक भारत माता और दूसरी आप जानते हैं किसकी मां

एजेंसी

खंडवा । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार देर रात प्रदेश के खंडवा पहुंचे थे, जिसके बाद उन्होंने मंगलवार सुबह एक निजी होटल के सभागार में प्रबुद्ध जनों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत सभी से मतदान करने की अपील से की और मतदान के प्रतिशत को अधिक से अधिक बढ़ाने को लेकर प्रदेश की जनता से अपील की।

सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि यह जो चुनाव है दो माताओं का चुनाव है। उन्होंने कार्यक्रम में बैठे कार्यकर्ताओं से पूछा कि बताइए किन किन माताओं के बीच में चुनाव है, इस दौरान एक कार्यकर्ता ने खड़े होकर कहा कि उनकी माता और भारत माता के बीच में चुनाव है। तब मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज चुनाव भारत माता के पुत्र और दूसरे किसके पुत्र हैं, आपको पता है उनके बीच में चुनाव है। वहीं सीएम ने सही जवाब देने पर इस कार्यकर्ता के लिए तालियां भी बजवाई।

इधर सीएम ने कहा कि जब से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार है, तब तक देश की सुरक्षा के साथ साथ देश की सीमाएं भी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश से लगी ईरान की बॉर्डर जहां से कभी बाहरी लोग हमारे देश में प्रवेश करते थे, लेकिन जब से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार है तब से ऐसे लोगों पर शिकंजा कसा है। वहीं उन्होंने चीन को लेकर कहा कि चीन पहले की सरकारों के समय लगातार आंखें दिखाता रहता था, लेकिन अब चीन भी अपनी सरहद की हद से बंधा हुआ है। अपनी सभा के बाद सीएम यादव ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि आज पूरा प्रदेश मोदी के लिए मोदीमय हो चुका है। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के जरिए नीचे तक की जनता को यह बताने में लगी हुई है कि देश के भविष्य के लिए, मध्यप्रदेश के विकास के लिए, लोकतंत्र की रक्षा के लिये केंद्र के साथ साथ मध्यप्रदेश की सरकार भी बनाएं।

सलमान खान फायरिंग केस

मुंबई पुलिस ने पांचवां आरोपी पकड़ा

एजेंसी

मुंबई । मुंबई में अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले के पांचवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक पांचवें आरोपी क राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है और उसका नाम मोहम्मद चौधरी है। पुलिस का कहना है कि चौधरी बाकी को दोनों आरोपियों की मदद कर रहा था। वह शूटरों सागर और विक्की को पैसे मुहैया करवा रहा था और रेकी में भी पूरी हेल्प कर रहा था। आज ही उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बता दें कि सलमान खान फायरिंग मामले के एक आरोपी ने पुलिस हिरासत में ही खुदकुशी कर ली थी। आत्महत्या करने वाले आरोपी का नाम अमुज थापन था। थापन के परिवार ने मुंबई हाई कोर्ट से मामले की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि थापन ने हवालात में खुदकुशी कर ली थी। इस मामले में अब तक थापन, सोनू बिश्नोई, सागर पाल और विक्की गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। इस तरह यह पांचवीं गिरफ्तारी है।

इस मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके भाई अनमोल बिश्नोई के खिलाफ एफआईआर द्रज की गई है। इस मामले कि जिम्मेदारी अनमोन बिश्नोई ने ली थी। आरोप था कि थापन ने इस गोलीबारी की घटना के लिए गोलियां और हथियार मुहैया करवाए ते। 26 अप्रैल को सोनू बिश्नोई को पंजाब से गिरफ्तार किया गया था।

जांच में सामने आया था कि अनुज थापन रायगढ़ के पनवेल से आया था और उसने शूटरों को दो पिस्तौल और 38 कारतूस दिए थे। इसके अलावा उसने शूटर्स के साथ समय भी बिताया। बात 14 अप्रैल की है जब दो बाइकसवार शूटरों ने गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर पांच राउंड फायरिंग की और वहां से फरार हो गए।

संक्षिप्त खबरें

जेलेंस्की की हत्या करने की रूसी साजिश को किया नाकाम

कीव। यूक्रेनी खुफिया रोधी जांचकर्ताओं ने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य शीर्ष सैन्य और राजनीतिक हस्तियों की हत्या करने की रूसी साजिश को नाकाम कर दिया है। यूक्रेन की राज्य सुरक्षा सेवा ने मंगलवार को यह दावा किया। एक बयान में कहा गया है कि शीर्ष अधिकारियों की सुरक्षा करने वाले यूक्रेन के स्टेट गार्ड के दो कर्नल को रूस की संघीय सुरक्षा सेवा द्वारा तैयार की गई साजिश को अंजाम देने की कोशिश करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इन संदिग्ध अधिकारियों की भर्ती की गई थी। विज्ञप्ति में राज्य सुरक्षा सेवा के प्रमुख वासिल मलियुक के हवाले से कहा गया है कि मंगलवार को पांचवें कार्यकाल के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शपथ से पहले इस हमले को अंजाम देने की साजिश रची गई थी। मलियुक ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से साजिश से जुड़े तथ्यों की जांच के लिए शीर्ष स्तर पर गुप्त ऑपरेशन का निरीक्षण कर रहे हैं। यूक्रेन द्वारा रूस पर जेलेंस्की की हत्या की साजिश रचने का आरोप नया नहीं है। जेलेंस्की ने दावा किया कि 2022 में उनकी हत्या के कम से कम 10 प्रयास हुए हैं।

देश से खिलौना निर्यात में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। देश से खिलौना निर्यात 2023-24 में मामूली घटकर 15.23 करोड़ डॉलर रहा। 2022-23 में यह आंकड़ा 15.38 करोड़ डॉलर था। हालांकि, आयात 2022-23 के 6.23 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 6.49 करोड़ डॉलर पहुंच गया। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, 2019-20 से 2021-22 तक खिलौना निर्यात 12.96 करोड़ डॉलर से बढ़कर 17.7 करोड़ डॉलर पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के खिलौना निर्यात को अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से खास लाभ नहीं हुआ। घरेलू उपायों का उद्देश्य स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देना था, लेकिन इनसे खिलौना निर्यात में खास वृद्धि नहीं हुई। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने चीन से घटिया खिलौनों के आयात पर रोक लगाई। इसके बावजूद भारत से निर्यात में वृद्धि नहीं हुई। वैश्विक खिलौना निर्यात में भारत की हिस्सेदारी महज 0.3 फीसदी है, जबकि चीन की 80 फीसदी। चीन ने 2023-24 में कुल 48.3 अरब डॉलर के खिलौनों का निर्यात किया।

परिवारों की शुद्ध बचत नौ लाख करोड़ रुपये घटी

नयी दिल्ली । देश में परिवारों की शुद्ध बचत तीन वर्षों में नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में 14.16 लाख करोड़ रुपये रह गयी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय की तरफ से जारी ताजा राष्ट्रीय खाता सांख्यिकी-2024 के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 में परिवारों की शुद्ध बचत 23.29 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। वित्त वर्ष 2021-22 में परिवारों की शुद्ध बचत घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपये रह गई। यह वित्त वर्ष 2022-23 में और भी कम होकर 14.16 लाख करोड़ रुपये पर आ गई जो पिछले पांच वर्षों का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले शुद्ध घरेलू बचत का निचला स्तर वर्ष 2017-18 में 13.05 लाख करोड़ रुपये था। लेकिन यह 2018-19 में बढ़कर 14.92 लाख करोड़ रुपये और 2019-20 में 15.49 लाख करोड़ रुपये हो गया था। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2020-21 से लेकर 2022-23 के दौरान म्यूचुअल फंड में निवेश लगभग तिगुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये हो गया जो 2020-21 में 64,084 करोड़ रुपये था। शेयरों और डिबेंचर में परिवारों का निवेश इस अवधि में 1.07 लाख करोड़ रुपये से लगभग दोगुना होकर 2022-23 में 2.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। आंकड़े बताते हैं कि परिवारों को बैंक ऋण भी इन तीन वर्षों में दोगुना होकर 2022-23 में 11.88 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह 2020-21 में 6.05 लाख करोड़ रुपये और 2021-22 में 7.69 लाख करोड़ रुपये था।

एस्ट्राजेनेका दुनियाभर से अपनी कोरोना वैक्सीन लेगी वापस

वैक्सीन को बंद करने का फैसला साइड इफेक्ट्स की वजह से नहीं

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने दुनिया भर में अपनी कोविड-19 वैक्सीन की खरीद-बिक्री बंद करने का फैसला किया है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने कहा है कि अब वैक्सीन की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई नहीं की जा रही है।

एस्ट्राजेनेका का दावा है कि वैक्सीन को बंद करने का फैसला साइड इफेक्ट्स की वजह से नहीं लिया गया है। कंपनी ने बताया कि वैक्सीन को व्यावसायिक कारणों से बाजारों से हटाया जा रहा है। अब बाजार में कई दूसरी एडवांस्ड वैक्सीन मौजूद हैं, जो वायरस के अलग-अलग वैरिएंट्स से लड़ सकती हैं। ऐसे में एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई बंद कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका ने इस साल 5 मार्च को वैक्सीन वापस लेने का आवेदन किया गया था। यह मंगलवार (7 मई) से लागू हो गया।

अब यूरोपीय संघ में वैक्सीन का उपयोग नहीं किया जा सकता है। एस्ट्राजेनेका ने 2020 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर कोरोना की वैक्सीन बनाई थी। इसके फार्मूले से भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई थी। वहीं ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में इसे वैक्सजेवरिया नाम से जाना जाता है। दरअसल, एस्ट्राजेनेका ने फरवरी में ब्रिटिश हाईकोर्ट को बताया था कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन के खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

कंपनी ने कोर्ट में जमा किए गए अपने दस्तावेजों में कहा कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है। हालांकि, ऐसा बहुत रेयर (दुर्लभ) मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका पर आरोप है कि उनकी वैक्सीन से कई लोगों की मौत हो गई। वहीं कई अन्य को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट में 51 केस चल रहे हैं। पीड़ितों ने एस्ट्राजेनेका से करीब 1 हजार करोड़ का हर्जाना मांगा है।

कंपनी ने पहले दावों को नकारा, फिर माना

पिछले साल स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मई 2023 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से टीटीएस नहीं हो सकता है। हालांकि, इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए दस्तावेजों में कंपनी इस दावे से पलट गई। इन दस्तावेजों की जानकारी अब सामने आई है। हालांकि, वैक्सीन में किस चीज की वजह से यह बीमारी होती है, इसकी जानकारी फिलहाल कंपनी के पास नहीं है। इन दस्तावेजों के सामने आने के बाद स्कॉट के वकील ने कोर्ट में दावा किया है कि एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन में खामियां हैं और इसके असर को लेकर गलत जानकारी दी गई।

ब्रिटेन में नहीं इस्तेमाल हो रही एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन

खास बात यह है कि इस वैक्सीन का इस्तेमाल अब ब्रिटेन में नहीं हो रहा है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी इसे बैन किया जा चुका है। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में आने के कुछ महीनों बाद वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन के खतरे को भांप लिया था। इसके बाद यह सुझाव दिया गया था कि 40 साल से कम उम्र के लोगों को दूसरी किसी वैक्सीन का भी डोज दिया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन से होने वाले नुकसान कोरोना के खतरे से ज्यादा थे। मेडिसिन हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी के मुताबिक ब्रिटेन में 81 मामले ऐसे हैं, जिनमें इस बात की आशंका है कि वैक्सीन की वजह से खून के थक्के जमने से लोगों की मौत हो गई। साइड इफेक्ट से जूझने वाले हर 5 में से एक व्यक्ति की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रीडम ऑफ इन्फॉर्मेशन के जरिए हासिल किए गए आंकड़ों के मुताबिक ब्रिटेन में फरवरी में 163 लोगों को सरकार ने मुआवजा दिया था। इनमें से 158 ऐसे थे, जिन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन लगवाई थी।

हमने मानकों का पालन किया

एस्ट्रजेनेका ने कहा, उन लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं, जिन्होंने अपनों को खोया है या जिन्हें गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। मरीजों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमारी रेगुलेटरी अथॉरिटी सभी दवाइयों और वैक्सीन के सुरक्षित इस्तेमाल के लिए सभी मानकों का पालन करती है। कंपनी ने आगे कहा, क्लिनिकल ट्रायल और अलग-अलग देशों के डेटा से यह साबित हुआ है कि हमारी वैक्सीन सुरक्षा से जुड़े मानकों को पूरा करती है। दुनियाभर के रेगुलेटर्स ने भी माना है कि वैक्सीन से होने वाले फायदे इसके दुर्लभ साइड इफेक्ट्स से कहीं ज्यादा हैं। कंपनी ने यह भी दावा किया है कि उन्होंने अप्रैल 2021 में ही प्रोडक्ट इन्फॉर्मेशन में कुछ मामलों में अअ्स के खतरे की बात शामिल की थी। कई स्टडीज में यह साबित हुआ है कि कोरोना महामारी के दौरान एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन आने के बाद पहले साल में ही इससे करीब 60 लाख लोगों की जान बची है।

पोर्न स्टार ने कोर्ट में ट्रम्प के खिलाफ गवाही दी

राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए दिए थे पैसे

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर आरोप है कि उन्होंने पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप रहने के लिए कहा। इस मामले में अमेरिकी कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल ने गवाही दी। स्टॉर्मी ने बताया कि उनकी मुलाकात ट्रम्प से 2006 में हुई थी, जब वे 60 साल के थे। तब स्टॉर्मी 27 साल की थीं।

दरअसल, ट्रम्प पर आरोप है कि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे। ट्रम्प के वकील ने भी इस बात को माना था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पोर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे। इसके बाद इसकी भरपाई के लिए पूर्व राष्ट्रपति ने बिजनेस रिकॉर्ड्स में धांधली भी की।

कोर्ट में 5 घंटे तक चली सुनवाई में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प ने 2006 के सेलेब्रिटी गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान उन्हें एक होटल में बुलाया था। जब वह पहुंचीं तो ट्रम्प ने खुद दरवाजा खोला। उन्होंने सिल्क के कपड़े पहन रखे थे। बातचीत के दौरान दोनों के बीच कई बार हंसी-मजाक भी हुआ। स्टॉर्मी ने कहा, जब मैंने ट्रम्प से उनकी पत्नी के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि वे अब एक कमरे में सोते तक नहीं हैं। बातचीत के दौरान स्टॉर्मी बाथरूम गईं। इसके बाद ट्रम्प अपने कमरे में पहुंच गए। वे टी-शर्ट और शॉर्ट्स में थे। स्टॉर्मी ने कमरे से बाहर जाने की कोशिश भी की, लेकिन ट्रम्प ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, स्टॉर्मी ने अपनी गवाही के दौरान हर एक घटनाक्रम को डिटेल में बताया। इस बीच कई बार जज ने उन्हें आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल पर रोका भी। वहीं ट्रम्प स्टॉर्मी के बयान पर उन्हें अपशब्द कहते नजर आए। यह पहली बार था जब स्टॉर्मी ने ट्रम्प के सामने इस मामले पर बात की। पोर्न स्टार ने बताया कि उन्होंने यह सब पैसों के लिए नहीं बल्कि डर की वजह से किया। आखिर में कमरे से जाते वक्त उनके हाथ कांप रहे थे और वे जूते भी नहीं पहन पा रही थीं। स्टॉर्मी ने बताया ट्रम्प ने उनसे कहा था कि वे उन्हें उनकी बेटी की याद दिलाती हैं, जो काफी स्मार्ट और खूबसूरत है, लेकिन उनकी कद्र नहीं की जाती। स्टॉर्मी होटल से जा रही थीं तब ट्रम्प ने उन्हें जल्द दोबारा मिलने को भी कहा था। स्टॉर्मी ने बताया कि उस दिन के बाद भी दोनों संपर्क में रहे। उन्होंने अपने फोन रिकॉर्ड्स भी दिखाए, जिसमें ट्रम्प के असिस्टेंट के फोन से कई बार स्टॉर्मी को फोन किया गया था। पोर्न स्टार के मुताबिक, इस दौरान ट्रम्प उन्हें हनीबंच कह कर पुकारते थे। स्टॉर्मी ने आगे कहा कि इसके बाद 2007 में लॉस एंजिल्स में दोनों की फिर मुलाकात हुई थी। इस दौरान ट्रम्प ने दोबारा उन्हें शारीरिक संबंध बनाने को कहा, लेकिन स्टॉर्मी ने बहाना बनाकर उन्हें मना कर दिया। दरअसल, पिछले साल अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ इस मामले में पहला क्रिमिनल केस दर्ज किया गया था।

नवाज शरीफ ने भ्रष्टाचार मामले में बरी किए जाने के लिए याचिका दायर की

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) प्रमुख नवाज शरीफ ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में बरी किये जाने के लिए मंगलवार को इस्लामाबाद की एक जवाबदेही अदालत में याचिका दायर की। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' समाचारपत्र की खबर के अनुसार, शरीफ के वकील राणा मुहम्मद आरिफ खान ने मामले में याचिका दायर की।

राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की ओर से पेश हुए अभियोजक ने अदालत में कहा कि वह आवेदन को एनएबी मुख्यालय भेज देंगे। अदालत ने शरीफ की याचिका पर नोटिस जारी किया और सुनवाई तीन जून तक के लिए स्थगित कर दी। इस महीने की शुरुआत में, एनएबी ने तोशाखाना से एक लक्जरी वाहन खरीदनेसे संबंधित मामले में 74 वर्षीय शरीफ को क्लीन चिट दे दी थी। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने एक रिपोर्ट सौंपी जिसमें कहा गया कि उच्चतम न्यायालयने शरीफ से जुड़े एक कथित फर्जी अकाउंट की जांच के निर्देश दिए थे। उसने कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता ने तोशाखाना से प्राप्त वाहन के भुगतान के लिए कथित खाते से धन का उपयोग नहीं किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि सऊदी अरब द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री को उपहार में दिया गया वाहन 1997 में तोशाखाना से हटा दिया गया था। इसने स्पष्ट किया कि 2008 में जब इसे नवाज द्वारा खरीदा गया था, तो वह तोशाखाना के स्वामित्व में नहीं था बल्कि संघीय परिवहन पूल के स्वामित्व में था।इस मामले में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी भी आरोपी हैं। हालांकि, जरदारी को राष्ट्रपति पद के चलते छूट प्राप्त है और इस पद पर रहने के दौरान उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

समस्या : एयर इंडिया एक्सप्रेस की कई उड़ानें रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली । एयर इंडिया एक्सप्रेस लगातार विवादों में बना हुआ है। जहां कुछ दिन पहले टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन के चालक दल के सदस्यों ने एयरलाइन में कुप्रबंधन का आरोप लगाया था। वहीं, अब सूत्रों की मानें तो एयर इंडिया एक्सप्रेस ने चालक दल की कमी के कारण कई उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस की 80 से अधिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, एयरलाइन के चालक दल के सदस्य बड़े पैमाने पर बीमारी का हवाला देकर छुट्टी पर चले गए हैं। ऐसे में ये उड़ाने रद्द की गईं हैं। नागरिक विमानन अधिकारी इस मुद्दे पर नजर बनाए हुए हैं।

बता दें, टाटा समूह की इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस, एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) का खुद में विलय करने की प्रक्रिया में है। इसी को लेकर, पिछले कुछ समय से इस एयरलाइन के चालक दल के सदस्यों में गुस्सा बना हुआ है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि माना जा रहा है कि एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में चालक दल के 200 से अधिक सदस्यों ने बीमार होने का हवाला दिया है। चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण मंगलवार रात से कम से कम 80 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं और कई उड़ानों में देरी हुई है।

वहीं, कोच्चि, कालीकट व बंगलूरू समेत विभिन्न हवाई अड्डों पर उड़ानों में बाधा आ रही है। पिछले महीने एयर इंडिया एक्सप्रेस के चालक दल के एक समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कर्मचारी यूनियन ने एयरलाइन में कुप्रबंधन का आरोप लगाया था। इनका कहना था की कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यूनियन ने दावा किया था कि उनके पास लगभग 300 कर्मचारियों की यह शिकायतें आई हैं। मैनेजमेंट के बुरे बर्ताव से कर्मचारियों के मनोबल पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कई यात्रियों ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अचानक उड़ानें रद्द होने की शिकायत की। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक यात्री की ओर से की गई पोस्ट में माफी मांगी थी। एयरलाइन ने कहा, हमारी सर्विस रिकवरी प्रोसेस के तहत आप या तो अगले सात दिन में फ्लाइट को रीशेड्यूल करने का विकल्प चुन सकते हैं या हमारे चैट बॉट टिया के जरिए पैसे वापसी का अनुरोध कर सकते हैं।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच रक्षा सहयोग पर हुई बातचीत, बनी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग) विश्वेश नेगी ने सुरक्षा और रक्षा पर यूरोपीय बाहरी कार्रवाई सेवा के सुरक्षा और रक्षा नीति निदेशक जोआनके बालफोर्ट के साथ यूरोपीय संघ-भारत रणनीतिक सुरक्षा और रक्षा सहयोग के रास्ते पर चर्चा की। दोनों पक्षों के बीच यूरोप में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ। इस दौरान यूक्रेन के खिलाफ रूस द्वारा किए जा रहे युद्ध के साथ-साथ दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व के हालातों पर चर्चा की।

रक्षा अधिकारियों के अनुसार, दोनों ने इंडो-पैसिफिक में अधिक सहयोग, भारत-ईयू के बीच बेहतर तालमेल के रास्ते और रक्षा उद्योग सहयोग के बारे में भी चर्चा की। यूरोपीय संघ ने यूरोपीय रक्षा औद्योगिक रणनीति (ईडीआईएस) सहित यूरोपीय संघ के रणनीतिक और इंडो-पैसिफिक रणनीति के कार्यान्वयन के साथ-साथ यूरोपीय संघ के नए संचालन, जैसे कि ईयूएनएवीफोर एस्पिड्स के कार्यान्वयन की जानकारी दी।

इसके अलावा, उन्होंने साइबर, समुद्री सुरक्षा और संकट प्रबंधन जैसे द्विपक्षीय सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों में जुड़ाव को गहरा करने पर भी चर्चा की। साथ ही इस पर सहमति जताई, एन्हांसिंग कोऑपरेशन इन एंड विद एशिया (ईएसआईडब्ल्यूए) द्वारा प्रस्तावित संभावनाओं का पूरा उपयोग करना शामिल है। वे अंतरिक्ष सुरक्षा सहित सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने की आवश्यकता पर भी सहमत हुए।

भारतीयों को रूस-यूक्रेन जंग में भेजने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, 180 भारतीयों को वापस लाने की कोशिश

एजेंसी

मॉस्को/नई दिल्ली। भारतीयों को धोखे से रूस-यूक्रेन जंग में भेजने के मामले में छ्क्द्ध ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन लोग भारत के हैं, जबकि एक रूस के रक्षा मंत्रालय में काम करने वाला ट्रांसलेटर है। इन्हें 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है। पकड़े गए लोगों में अरुण और येसूदास तिरुअनंतपुरम के रहने वाले हैं। एंथनी इलांगोवन मुंबई से है, जबकि निजिल जोबी बेनसाम रूस के रक्षा मंत्रालय का है। सभी लोग एक नेटवर्क का हिस्सा हैं, जिसमें सोशल मीडिया के जरिए भारतीय को नौकरी और अच्छी सैलरी का लालच देकर फंसाया जाता है। इसके लिए लोकल एजेंट्स की भी मदद ली जाती है।

रूसी ट्रांसलेटर इस नेटवर्क का अहम हिस्सा था। वह भारतीयों को रूसी आर्मी में भर्ती करने का काम करता था। वहीं एंथनी दुबई में फैजल बाबा और रूस में मौजूद अपने दूसरे साथियों के साथ मिलकर भारतीयों के लिए वीजा और प्लेन टिकट करवाने का काम करता था। अरुण और येसूदास लोकल एजेंट्स थे। वे लोगों को रूस में नौकरी और सैलरी का झांसा देते थे। उन्होंने कुछ प्राइवेट वीजा कंसल्टेंसी फर्म और एजेंट्स के खिलाफ मानव तस्करी के मामले में केस दर्ज किया है। इसका नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है।

दिल्ली-बेस्ड एक वीजा कंपनी अब तक करीब 180 भारतीयों को रूस भेज चुकी है। फिलहाल इन्हें वापस लाने की कोशिश की जा रही है। जांच एजेंसी ने बताया कि वीजा कंसल्टेंसी कंपनियां उन लोगों को टारगेट करती हैं, जो विदेश में नौकरी करना चाहते हैं। इसके बाद इन्हें झांसा देने के लिए यूट्यूब वीडियो बनाए जाते हैं। इनमें दिखाया जाता है कि रूस में जंग का कोई असर नहीं है और सब सुरक्षित हैं। इसके बाद रूस की आर्मी में हेल्पर, क्लर्क और जंग में ढह चुकी इमारतों को खाली करने की जॉब में वेकेंसी दिखाई जाती है। वीडियो में बताया जाता है कि नौकरी लेने वाले लोगों को बॉर्डर पर जंग लड़ने नहीं जाना होगा। उन्हें 3 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

रूसी आर्मी में भर्ती नहीं हुए तो 10 साल की सजा होगी

जब भारतीय झांसे में आकर रूस चले जाते हैं, तो उन्हें जबरदस्ती मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। उन्हें झूठे दस्तावेज दिखाए जाते हैं, जिस पर लिखा होता है कि अगर वे रूसी आर्मी में भर्ती नहीं हुए तो उन्हें 10 साल जेल की सजा हो जाएगी। इससे पहले फरवरी में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें बताया गया था कि भारतीयों को रूस-यूक्रेन सीमा पर रूसी सैनिकों के साथ लड़ने के लिए मजबूर किया गया। रूसी कंपनियों ने इन भारतीयों को हेल्पर के तौर पर काम करने के लिए हायर किया था। इसके बाद इन्हें रूस की प्राइवेट आर्मी कहे जाने वाले वैगनर ग्रुप में भर्ती करवा दिया गया और जंग के मैदान में छोड़ दिया गया।

बांग्लादेश के साथ पहली बार सैन्य अभ्यास करेगा चीन

एजेंसी

बीजिंग। चीन-बांग्लादेश गोल्डन फ्रेंडशिप 2024 संयुक्त अभ्यास की घोषणा करते हुए, चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल वू कियान ने 25 अप्रैल को बीजिंग में कहा कि बांग्लादेश में संयुक्त अभ्यास, जो ÷संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आतंकवाद विरोधी अभियानों पर आधारित है÷ दोनों पक्ष संयुक्त अभ्यासों में भाग लें। अभ्यास की थीम-जैसे कि बसों में बंधकों को छुड़ाना और आतंकवादी शिविरों की सफ़ाई करना।

चीन और बांग्लादेश के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं। बीजिंग ने बांग्लादेश में विभिन्न परियोजनाओं में 25 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जो पाकिस्तान के बाद किसी दक्षिण एशियाई देश में दूसरा सबसे बड़ा निवेश है। इसने बांग्लादेश में पुलों, सड़कों, रेलवे ट्रैक, हवाई अड्डों और बिजली संयंत्रों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। द्विपक्षीय व्यापार 2009-10 में 3.3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2021-22 में 20 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि बांग्लादेश के उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चीन में शून्य शुल्क लगता है।

इसके अलावा, चीन बांग्लादेश का एक महत्वपूर्ण सैन्य सहयोगी बनकर उभरा है। इसने बांग्लादेश नौसेना को 2016 में 205 मिलियन डॉलर की रियायती कीमत पर दो नवीनीकृत पनडुब्बियां प्रदान कीं। इसके अलावा, बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना ने पिछले साल 1.21 बिलियन डॉलर के चीन निर्मित पनडुब्बी बेस का उद्घाटन किया था। बंगाल की खाड़ी के तट पर कॉक्स बाज़ार में स्थित इस बेस में एक साथ छह पनडुब्बियां और आठ युद्धपोत रखे जा सकते हैं। बांग्लादेश के साथ चीन के मजबूत संबंध, विशेष रूप से नौसैनिक सहयोग में, 2002 के रक्षा सहयोग समझौते से उपजे हैं, जिसमें सैन्य प्रशिक्षण और रक्षा आपूर्ति शामिल है। दक्षिण पूर्व एशियाई इतिहास और राजनीति के शोधकर्ता अल्ताफ परवेज़ ने द डिप्लोमैट को बताया, ÷इस अभ्यास के माध्यम से बांग्लादेश को भारत और चीन के बीच शीत युद्ध में खींचा जा रहा है। भारत सरकार लंबे समय से पाकिस्तान को दुश्मन के रूप में देखती रही है। वह अब चीन को भी उसी नजरिए से देख रहा है, परवेज़ ने कहा। चीन द्वारा दक्षिण एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने की कोशिश के साथ, अमेरिका भारत पर बांग्लादेश पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए दबाव डालेगा, यह कहते हुए कि अमेरिका शत्रुता को बढ़ावा दे रहा है। परवेज़ के अनुसार, बांग्लादेश को सैन्य अभ्यास में शामिल नहीं होना चाहिए क्योंकि यह एक छोटा विकासशील देश है और उसे इस तरह के सैन्यीकरण की आवश्यकता नहीं है। यह केवल हर तरफ से परेशानी को आकर्षित करेगा। भारत और बांग्लादेश मजबूत सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक संबंध साझा करते हैं। हालाँकि, विवाद के कई मुद्दे हैं। इनमें सबसे प्रमुख है लंबे समय से चला आ रहा द्विपक्षीय नदी जल विवाद। दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार असंतुलन भी है, जो भारत के पक्ष में है। हालांकि इससे भारत को व्यापार के लिए रुपये के वैश्वीकरण की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को बढ़ावा मिलता है, लेकिन बांग्लादेश को बहुत कम लाभ होता है।

संयुक्त सैन्य अभ्यास से गहरा होगा रक्षा सहयोग

चीन की सैन्य रणनीति में, अंतरराष्ट्रीय संयुक्त सैन्य अभ्यास में शामिल होने को विदेश में सैन्य शक्ति के उपयोग के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में देखा जाता है, जिसे रणनीतिकार गैर-युद्ध सैन्य अभियान के अंतर्गत वर्गीकृत करते हैं। ये अभ्यास, चाहे द्विपक्षीय रूप से आयोजित किए जाएं या बहुपक्षीय रूप से, आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में कठोर शक्ति के नरम उपयोग के रूप में माने जाते हैं। पड़ोसी देश भारत में संयुक्त सैन्य अभ्यास पर पैनी नजर रखी जाएगी। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक मीडिया सम्मेलन में कहा, हम अपने पड़ोस और उसके बाहर होने वाले सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखते हैं, जो हमारे हितों, आर्थिक और सुरक्षा हितों को प्रभावित करते हैं और हम उसके अनुसार उचित कदम उठाते हैं। हालाँकि बांग्लादेश और भारत ने 2009 और 2023 के बीच 11 सैन्य अभ्यास आयोजित किए हैं, चीन-बांग्लादेशी अभ्यास ने बांग्लादेश और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर उनके प्रभाव पर कई चिंताएँ पैदा कर दी हैं।

देश के आठ प्रमुख शहरों में 2023 में खाली पड़े शॉपिंग मॉल की संख्या बढ़कर 64 हुई

एजेंसी

'नयी दिल्ली । देश के आठ प्रमुख शहरों में खाली पड़े शॉपिंग मॉल की संख्या पिछले साल 57 से बढ़कर 64 हो गई। इसकी वजह खुदरा विक्रेता और उपभोक्ताओं के प्रीमियम संपत्तियों को तरजीह देना है। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने मंगलवार को 'थिंक इंडिया थिंक रिटेल 2024' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। इसमें 29 शहरों के शॉपिंग सेंटर और बड़े बाजारों पर गौर किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, आठ प्रमुख महानगरों में खाली पड़ी खुदरा संपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। करीब 1.33 करोड़ वर्ग फुट सकल पट्टे योग्य क्षेत्र वाले 64 शॉपिंग मॉल को 2023 में 'घोस्ट शॉपिंग सेंटर' के रूप में वर्गीकृत किया गया। 'घोस्ट शॉपिंग सेंटर' से तात्पर्य उन मॉल से है जो 40 प्रतिशत से अधिक खाली हैं। क्षेत्रफल की बात करें तो यह पिछले वर्ष (2022) के 84 लाख वर्ग फुट से 58 प्रतिशत अधिक है। नाइट फ्रैंक ने खाली पड़े शॉपिंग केंद्रों की संख्या में वृद्धि के चलते 2023 में 6,700 करोड़ रुपये या 79.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान होने का अनुमान लगाया है। नाइट फ्रैंक के आंकड़ों के अनुसार, शीर्ष आठ शहरों में कुल 64 खाली पड़े मॉल में से 21 मॉल दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, 12 बेंगलुरु में, 10 मुंबई में, छह कोलकाता में, पांच हैदराबाद में, चार अहमदाबाद में और तीन-तीन चेन्नई और पुणे में हैं। हैदराबाद में केवल ऐसे मॉल की संख्या 19 प्रतिशत घटी है। कोलकाता में इनमें सबसे अधिक सालाना आधार पर 237 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

उपभोग की गति संगठित खुदरा क्षेत्र के पक्ष में

नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, '' बढ़ती खर्च योग्य आय, युवा जनसांख्यिकी और शहरीकरण से प्रेरित उपभोग की गति संगठित खुदरा क्षेत्र के पक्ष में है।'' उन्होंने कहा कि खरीदारों के लिए बेहतर खुदरा अनुभव महत्वपूर्ण है, जो भौतिक खुदरा स्थानों के महत्व को उजागर करता है। नाइट फ्रैंक ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक वर्ष में महानगरों में में शॉपिंग केंद्र की कुल संख्या भी घटी है। रिपोर्ट के अनुसार, आठ नए खुदरा केंद्र जुड़ने के बावजूद 2023 में शॉपिंग केंद्र की कुल संख्या घटकर 263 रह गई क्योंकि पिछले वर्ष 16 शॉपिंग केंद्र बंद हो गए।

रोमांटिक रिश्ते के टूटने से भी बदतर होता है दोस्ती टूटने काअनुभव

अगर आप भी ऐसी किसी परिस्थिति से गुजरे हैं तो यकीन मानिए आप अकेले नहीं है। अमेरिका के एक अध्ययन से पता चला है कि 86 प्रतिशत टीनएजर्स ने दोस्ती टूटने का अनुभव किया है। इनके मुताबिक, रोमांटिक रिश्ते के टूटने पर जितना बुरा महसूस होता है, दोस्तों को खोना भी उतना ही कठिन अनुभव है। जिंदगी में दोस्ती और दोस्तों का होना जरुरी है। इनके होने से हमारी जिंदगी इंद्रधनुष के सात रंगों की तरह खुशियों से भरी रहती है। कहा जाता है कि दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है, जो हमेशा एक जैसा रहता है। हालाँकि, सच्चाई इससे कोसो दूर है। अन्य रिश्तों की तरह दोस्ती के रिश्ते को भी देखभाल और समर्थन की जरुरत होती है। निरंतर देखभाल न की जाए तो दोस्ती का रिश्ता भी टूट जाता है। ये रोमांटिक रिश्ते के खत्म होने से भी ज्यादा बुरा हो सकता है। दोस्तों के साथ में हम अच्छा, बुरा और मनोरंजक समय बिताते हैं। इसीलिए दोस्ती टूटने पर हम बुरी तरह प्रभावित हो जाते हैं। हमें समझ नहीं आता कि आगे क्या करें? खुद को कैसे संभालें? आगे कैसे बढें? अगर आप भी ऐसी किसी परिस्थिति से गुजरे हैं तो यकीन मानिए आप अकेले नहीं है। अमेरिका के एक अध्ययन से पता चला है कि 86त्न टीनएजर्स ने दोस्ती टूटने का अनुभव किया है। इनके मुताबिक, रोमांटिक रिश्ते के टूटने पर जितना बुरा महसूस होता है, दोस्तों को खोना भी उतना ही कठिन अनुभव है। एक व्यक्तिगत विकास समूह के हालिया सत्र में, 20 और 30 साल के कई लोगों ने दोस्ती टूटने और दोस्तों के छूट जाने पर बातचीत की। सभी के अनुभव लगभग एक जैसे थे। सभी लोगों की दोस्ती लगभग एक जैसे कारणों की वजह से टूटी थी। लोगों ने बताया कि सब कुछ ठीक था, लेकिन फिर एक

दिन दोस्त ने लंबा चौड़ा मैसेज भेजा और कहा कि वह दोस्ती से खुश नहीं हैं और आगे इसे बढ़ाना नहीं चाहते हैं।

दोस्तों के दोस्ती खत्म करने पर लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी?

सभी लोगों ने एक जैसी प्रतिक्रिया दी। मैंने इसे आते हुए कैसे नहीं देखा? मेरा दोस्त इसे कैसे ख़त्म कर सकता है? इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा, %मैं इतना निराश क्यों महसूस कर रहा हूँ, जबकि ऐसा नहीं है कि वे मेरे जीवन साथी या कुछ और हैं?% एक अन्य ने कहा, %मैं इस बारे में कैसे बात कर सकता हूं कि यह कितना बुरा लगता है। लोग शायद सोचेंगे कि मैं जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया कर रहा हूं?

दोस्ती में अहम भूमिका निभाता है लगाव?

किशोरावस्था के दौरान हम बदलावों से गुजरते हैं। हमारे साथ हमारे रिश्ते भी बदलते हैं। बचपन में हमारा रिश्ता माता-पिता के साथ होता है, जो देखभाल पर जुड़ा होता है। लेकिन किशोरावस्था में चीजें बदलती है और ये हमें भविष्य के लिए तैयार करती हैं। किशोरावस्था हमारे झुकाव को माता-पिता से हटाकर ऐसे लोगों की ओर स्थानांतरित कर देती है, जिनपर हम सबसे अधिक भरोसा करते हैं या फिर जिसके साथ अंतरंग संपर्क चाहते हैं जैसे रोमांटिक पार्टनर या सच्चा दोस्त। जहाँ रोमांटिक पार्टनर बदलते रहते हैं, वहीं दोस्त लंबे समय तक रह सकते हैं। इसलिए एक दोस्त के साथ के रिश्ते को अन्य किसी भी रिश्ते से मजबूत माना गया है। सदमा और अस्वीकृति- एक्सपर्ट के अनुसार, यदि आपने इसे (दोस्ती टूटने) को आते हुए नहीं देखा तो यह विशेष रूप से भ्रामक हो सकता है। शोध से पता चलता है कि ज्यादातर लोग दोस्ती तोड़ देते हैं और इसके पीछे के मुद्दों पर बात करने की बजाय इन्हें टाल देते हैं। यह एक सदमे जैसा महसूस हो सकता है और इस बात को अस्वीकार्य करना परेशान कर सकता है। इससे आपका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है।

दोस्ती ख़त्म होने के पीछे क्या कारण?

युवावस्था में दोस्ती खत्म होने के कई कारण होते हैं। इन कारणों में शारीरिक अलगाव होना, पुराने दोस्तों की जगह नए दोस्त बना जाना, दोस्त के प्रति नापसंदगी बढ़ना और डेटिंग या शादी के कारण हस्तक्षेप होना शामिल है। जब हम एक रोमांटिक रिश्ते में शामिल हो जाते हैं तब दोस्ती को कम समय देने लगते हैं। ऐसे में अगर आपका कोई दोस्त सिंगल है तो यकीनन उसके दिल में बुरे ख्याल आने लगेंगे। वह अकेला महसूस कर सकता है, उसे जलन हो सकती है या फिर वो डरा हुआ महसूस कर सकता है।

सहानुभूति और संचार मदद कर सकता है

दोस्ती का रिश्ता जीवन में हो रहे बदलावों की वजह से खत्म नहीं होना चाहिए न ही आपको इसे खत्म होने देना चाहिए। दोस्त जरुरी है क्योंकि हम हर बात अपने पार्टनर या परिवार से साझा नहीं कर सकते हैं। इसलिए अगर आपके जीवन के बदलाव आपकी दोस्ती को प्रभावित कर रहे हैं तो दोस्त के साथ बैठिये और उनसे बात कीजिये। बातें करने से मुद्दे साफ हो जाएंगे। बात करके, आप एक-दूसरे को दोस्ती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में आश्वस्त भी कर सकते हैं। भले ही आपको एक साथ पहले जितना समय नहीं मिल रहा, लेकिन जितना मिल रहा है उसके हिसाब से एडजस्ट करने की कोशिश करें।

संचार विफल हो जाए तो क्या करें?

हमेशा अच्छे की उम्मीद करने से अच्छा नहीं होता है। जरुरी नहीं कि आपने अपनी दोस्ती को ठीक करने की जो दिमाग में कल्पना की है वैसे ही सब हो जाए। हो सकता है जिस रिश्ते को आप ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं वो अब ठीक करने लायक बचा ही नहीं है। आप दोस्त से बात करना चाहते है, लेकिन वे आपसे बात नहीं करना चाहते हैं? फिर क्या करेंगे आप? इससे आपकी भावनाएँ आहत हो सकती हैं। इससे भी बदतर अगर कुछ होगा तो वो ये कि जिस दोस्त के साथ आप सब ठीक करना चाहते हैं वो आपको और ज्यादा बुरा महसूस करवा सकता है। हो सकता है कि हर चीज के लिए वो आपको दोष दे सकता है। ऐसे में क्या किया जाए? इस परिस्थिति में दोस्ती को जाने देना सबसे अच्छा है।

दोस्ती टूटने के बाद खालीपन महसूस हो सकता है, लेकिन एक चीज जो आपको समझने की जरूरत है वो यह है कि समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। घाव भरने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन ये भर जायेंगे। इस दौरान आप इन्हें खुद से खुरेदने की कोशिश न करें। कभी-कभी दर्द का सैलाब महसूस हो सकता है, जिसे ब्रीथिंग एक्सरसाइज की मदद से कम किया जा सकता है। जब तक शांत महसूस न करें तब तक ब्रीथिंग एक्सरसाइज का अभ्यास करते रहें।

अपनी खुशी के लिए सीखें 'नो' कहने की कला, यही है स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद

कल्पना करिए, किसी दोस्त ने आपको ट्रिप पर चलने के लिए कहा। दोस्त करीबी है। आपका जाने का मन नहीं है, लेकिन आप ये भी नहीं चाहते कि दोस्त को बुरा लगे। इसलिए आप उसके साथ ट्रिप पर जाने के लिए हां कह देते हैं। दूसरी ओर, इस ट्रिप पर जाने के लिए आपने ऑफिस में पहले से निर्धारित काम पूरा नहीं किया या किसी और से मिलने का वादा तोड़ दिया। ऐसे में एक को खुश करने के चक्कर में कई प्रोफेशनल और पर्सनल रिश्ते खतरे में आ जाते हैं, जिसका सीधा असर खुद पर भी पड़ता है। ये भी मुमकिन है कि आपको कोई और प्रोफेशनल या पर्सनल काम न रहा हो। आपका बस जाने का मन नहीं था। आप छुट्टी के दिन सोना और किताब पढ़ना चाहते थे या वो वक्त सिर्फ अपने साथ बिताना चाहते थे। लेकिन आपने अपने मन की नहीं सुनी, आप ह्न्न नहीं बोल पाए क्योंकि आप दोस्त को नाराज नहीं करना चाहते थे। ऐसा हम सबके साथ होता है, जब हम दिल से किसी चीज को लेकर इनकार करना चाहते हैं, लेकिन औपचारिकतावश अपने इनकार को जाहिर नहीं कर पाते। दुनिया को दिखाने के लिए खुद से समझौते करते हैं क्योंकि हममें 'नो' कहने की हिम्मत नहीं होती। हालांकि ऐसा करना अपनी सेहत, वेलबीइंग और बाकी रिश्तों के लिए भी नुकसानदेह साबित हो सकता है। हमारे आसपास ऐसे तमाम लोग मिल जाएंगे, जो बात-बात में अधिकार जताते हुए कहते हैं- 'मुझे 'ना' सुनने की आदत नहीं।' ऐसे लोगों की इच्छा पूरी करते-करते कुछ लोग 'ना' कहने की कला भी भूल जाते हैं। लेकिन ऐसा करके वे अपनी खुशियों और रिश्तों को बचा नहीं रहे होते, बल्कि उसे बर्बादी की ओर ले जा रहे होते हैं। बेस्टसेलर किताब 'द आर्ट ऑफ सेइंग नो' के लेखक डेमन जहरियाडेस ह्न्न कहने की कला को सफल रिश्ते और वेलबीइंग की बुनियाद बताते हैं। अपनी किताब में डेमन कुछ खास मौकों की बात करते हैं, जहां बेहिचक इनकार करना न सिर्फ बेहतर, बल्कि जरूरी होता है।

अनिर्णय की स्थिति में खुद से पूछें ये सवाल

1- कई बार ऐसे भी मौके आते हैं, जब हम किसी निर्णय पर पहुंच नहीं पाते। किसी बात पर हां कहना चाहिए या ना, इस बारे में उलझन होती है। ऐसे स्थिति में खुद से ये सवाल पूछकर निर्णय पर पहुंचना आसान हो सकता है-
2- क्या यह फैसला मेरे करियर और लाइफ गोल को सपोर्ट करेगा?
3- क्या मैं वाकई इसे करना चाहता हूं?
4- क्या यह मेरी सेहत, मेंटल वेलबीइंग और रिश्ते के लिए ठीक होगा?
5- इस काम को करने में कितना वक्त और कितनी ऊर्जा लगेगी। इसके लिए किन चीजों से समझौता करना होगा?
6- क्या यह काम मेरे स्वभाव का है। मेरी आंतरिक इच्छा क्या कहती है?
7- दिल के 'ना' को जुबां तक कैसे लाएं, मना करने का हेल्दी तरीका

संपूर्ण भारत दर्शन का देखते हैं सपना तो इस तरह बनाएं प्लान, बजट के हिसाब से करें खर्च

भारत में अनेक प्राचीन और आधुनिक स्थल हैं। ऐसे में जो भी लोग संपूर्ण भारत भ्रमण की इच्छा रखते हैं, वह सबसे पहले इसकी योजना और इस भ्रमण के दौरान होने वाले खर्च की जानकारी एकत्र कर एक अपने अनुरूप का बजट बना लें। भारत देश अत्यंत समृद्ध होने के साथ विविधताओं से भरा हुआ है। देश में कई विभिन्न भौगोलिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल हैं। जो भारत दर्शन के लिए यात्रा भौतिक होने के साथ आध्यात्मिक अनुभव करा सकती है। ऐसे में संपूर्ण भारत दर्शन की योजना बनाना और फिर उसे पूरा करना वाकई एक बड़ा कार्य हो सकता है। क्योंकि देश में कई राज्य और शहरों के बीच पर्टयन स्थलों की विविधताएं देखने को मिल जाएंगी।

आपको बता दें कि भारत में अनेक प्राचीन और आधुनिक स्थल हैं। ऐसे में जो भी लोग संपूर्ण भारत भ्रमण की इच्छा रखते हैं, वह सबसे पहले इसकी योजना और इस भ्रमण के दौरान होने वाले खर्च की जानकारी एकत्र कर एक

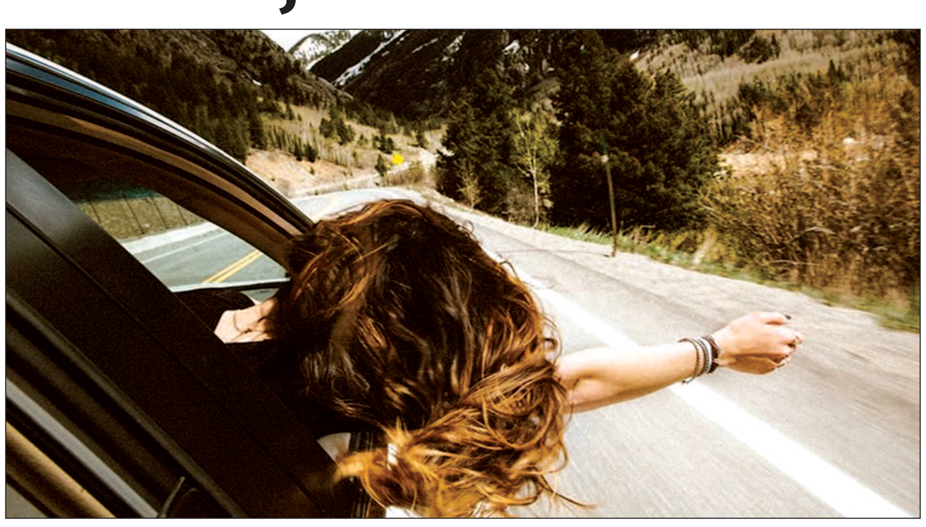

अपने अनुरूप का बजट बना लें। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत भ्रमण की शुरुआत करने के लिए कुछ आसान सुझाव देने जा रहे हैं।

स्थान का चयन : कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक कई प्राचीन, ऐतिहासिक, धार्मिक, आधुनिक और प्राकृतिक तौर पर विभिन्नताओं वाले स्थल हैं। ऐसे में यह आपको तय करना होगा कि किस राज्य या किस क्षेत्र से आपको अपनी यात्रा की शुरूआत करनी है। आप चाहें तो अपने सबसे नजदीकी शहर या राज्य के पर्यटन स्थलों की सैर के लिए निकल सकते हैं। इससे समय भी कम लगेगा और खर्च भी कम आएगा।

यात्रा की योजना : किस शहर या किस राज्य में कौन-कौन से स्थल हैं, जिनके आप दर्शन करना चाहते हैं। किन स्थलों को आप भारत भ्रमण में शामिल करना चाहते हैं। तो वहीं इन जगहों की सैर में कितना समय लग सकता है। कितने दिनों में आप कौन सा शहर या कौन से राज्य के पर्यटन स्थलों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इन सबकी पहले से योजना बनाकर तैयार कर लें।

परिवहन : भारत दर्शन के लिए परिवहन की आवश्यकता होती है। जैसे आप कहां यात्रा कर रहे है और वहां पर आपको किस तरह के परिवहन का उपयोग करना है। वहीं दूर की यात्रा के लिए आप ट्रेन से सफर कर सकते हैं। तो साइट सीकिंग के लिए बस, स्थानीय परिवहन या फिर प्राइवेट टैक्सी आदि ले सकते हैं। वहीं आसपास के शहरों को एक्सप्लोर करने के लिए आप खुद की शॉर्ट कार से भी टूर प्लान कर सकते हैं।

बजट : घूमने फिरने में अधिक खर्च आ सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप भारत दर्शन के दौरान कितना खर्च कर सकते हैं, इसके लिए अपना एक बजट बना लें। फिर बजट कि हिसाब से ही यात्रा की योजना बनाएं। जैसे ट्रेवल का खर्च, स्थानीय परिवहन, स्टे, भोजन आदि का खर्च पहले से ही निर्धारित कर लें।

तनाव करें दूर, अपनाएं ये आसान तरीके

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास खुद के लिए जरा सा भी समय नहीं है। ऐसे में स्ट्रेस और डिप्रेशन बेहद आम समस्या हो चुकी है। डिप्रेशन इन दिनों सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। इसकी वजह से कई तरह की बीमारियां बढ़ने का खतरा रहता है। इसका निगेटिव असर पर्सनल, प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही यह आपका रिलेशनशिप खराब कर सकता है। आजकल डिप्रेशन का शिकार होने की तादाद बहुत बढ़ गई है। सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में अवसाद ग्रस्त लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में कभी-कभी एंटीडिप्रेसेंट दवाएं भी लोग लेते हैं। पर इसका उपयोग बहुत दिनों तक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। इन दवाओं से बच्चों का इलाज नहीं किया जाना चाहिए।

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास खुद के लिए जरा सा भी समय नहीं है। ऐसे में स्ट्रेस और डिप्रेशन बेहद आम समस्या हो चुकी है। आइए आपको बताते हैं डिप्रेशन दूर करने के कुछ आसान तरीके।

ग्रीन टी पिएं

दूध वाली चाय की जगह ग्रीन टी का सेवन करना बेहद जरुरी है। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है।

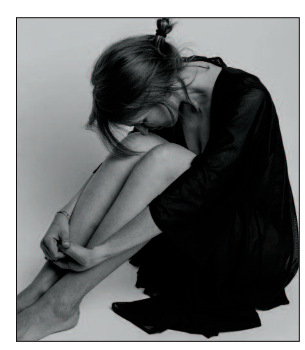

इसे पीने से आपको काफी रिलैक्स फील होता है। इससे आपकी मेंटल हेल्थ पहले से बेहतर होगी।

एक्सरसाइज जरुर करें

डिप्रेशन को दूर करने के लिए आपको कार्डियो एक्सरसाइज करनी चाहिए। इससे तनाव और डिप्रेशन से काफी आराम मिलता है। आप रोजाना कार्डियो एक्सरसाइज जरुर करें। यह सचमुच में आपको पॉजिटिव रहने में मदद करता है।

डीप ब्रीदिंग करें

डिप्रेशन को दूर करने के लिए आप डीप ब्रीदिंग की मदद ले सकते हैं। इससे आपका मन शांत रहता है और आप चिड़चिड़ेपन या गुस्से से बच सकते हैं। प्रतिदिन आप मेडिटेशन जरुर करें इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

नींद लेना बहुत जरुरी

किसी भी काम को ठीक करने से पहले शरीर में उर्जा की बहुत जरुरत होती है। ऐसे मे अगर आपको जरुरत के मुताबिक नींद नहीं मिल रही है तो ये अवसाद का रूप भी ले सकती है। सबसे पहले अवसाद को मिटाने के लिए कम से कम आठ घंटे की नींद लें। नींद पूरी होगी तो दिमाग में स्फूर्ति होगी और आपको पूरे दिन तरोताजा महसूस होता रहेगा। इस स्थिति मे आपको नकारात्मक भाव मन में कम आएंगे।

अपनी फेवरेट एक्टिविटी जरुर करें

तनाव या डिप्रेशन से आराम पाने के लिए आपको अपना मनपसंद काम करना चाहिए। इससे आपको काफी मदद मिलेगी। आप चाहे तो कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग और गार्डनिंग कर सकते हैं। अपनी फेवरेट एक्टिविटी करने से तनाव कम होता है। मन काफी खुश भी होता है।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

एक्टर नहीं क्रिकेटर बनना चाहते थे इरफान, अंतिम दिनों में मौत का हो गया था आभास

इरफान न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित थे और उन्होंने इस बीमारी से एक लंबी लड़ाई लड़ी, 29 अप्रैल 2020 को दुनिया से हुए अलविदा

दिवंगत एक्टर इरफान खान ने बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड तक में अपने अभिनय की छाप छोड़ी। उन्होंने अपने अभिनय से हर वर्ग के दर्शकों को प्रभावित किया। राजस्थान के जयपुर में इरफान का जन्म एक मुस्लिम पठान परिवार में 7 जनवरी 1967 को हुआ था। इरफान न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित थे और उन्होंने इस बीमारी से एक लंबी लड़ाई लड़ी। 29 अप्रैल 2020 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। आज इरफान खान की चौथी डेथ एनिवर्सरी पर जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ किस्से ।

मुंबई में आकर इरफान खान ने काफी स्ट्रगल किया। वो एक्टिंग से पहले इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे। इरफान को एक बार राजेश खन्ना के घर पर+ष्ट ठीक करने का काम मिला था। जब वो राजेश खन्ना के घर+ष्ट ठीक करने गए, तो राजेश खन्ना की दाई ने दरवाजा खोला था। उस समय इरफान ने पहली बार राजेश खन्ना को देखा था और उन्हें देखकर बहुत खुश हुए थे।

फिल्म में सीन कटा तो खूब रोए

एक्टर नहीं, क्रिकेटर बनना चाह रहे थे

इरफान खान एक्टर नहीं, क्रिकेटर बनना चाह रहे थे। इस बात का खुलासा इरफान ने खुद ही एक इंटरव्यू के दौरान किया था। एक्टर ने कहा था - 'एक वक्त था जब मैं क्रिकेट खेलता था। मेरा सिलेक्शन सीके नायडू टूर्नामेंट के लिए हुआ था। उसमें मेरे 26 साथी चुने गए थे जिन्हें एक कैंप में जाना था, लेकिन मैं नहीं जा पाया, क्योंकि कैंप में जाने के लिए मैं पैसे का इंतजाम नहीं कर पाया। मैंने डिसीजन लिया कि क्रिकेट छोड़ देना चाहिए, क्योंकि इसमें किसी न किसी के सहयोग की जरूरत होगी।

एक्टर का सपना देखना जीवन का सबसे बड़ा रिस्क था

इंडस्ट्री में आने के बाद इरफान ने काफी संघर्ष किया। इरफान ने कहा था- 'मैंने कुछ फिल्में देखीं और एक्टर बनने का सपना देख लिया। ये मेरे जीवन का सबसे बड़ा रिस्क था। मैं जिस परिवार से आता हूं उसमें कोई क्रिएटिव बैकग्राउंड नहीं था। जब ह्रस्ठ में दाखिला हुआ, उन्हीं दिनों पिता की मृत्यु हो गई। जिसके बाद घर से पैसे मिलने बंद हो गए। लिहाजा ह्रस्ठ से मिलने वाली फेलोशिप के जरिए कोर्स किया।'

छोटे परदे से की एक्टिंग की शुरुआत

इरफान खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत दूरदर्शन के सीरियल श्रीकांत से की। यह सीरियल साल 1985 में आया था। इसके अलावा उन्होंने 'भारत एक खोज, चाणक्य, चंद्रकांता, सारा जहां हमारा, बनेगी अपनी बात और संजय खान के धारावाहिक 'जय हनुमान' में काम किया। जय हनुमान में इरफान ने महर्षि वाल्मीकि की भूमिका निभाई थी। इस सीरियल में वाल्मीकि बनने से पहले डाकू वाले पार्ट को दिखाया गया था। जिसका पंजाब के वाल्मीकि समाज ने काफी विरोध किया था।

मीरा नायर ने इरफान से निभाया अपना वादा

सलाम बॉम्बे में रोल कटने के बाद मीरा नायर ने इरफान से वादा किया था कि किसी अन्य फिल्म में लीड रोल देंगी। उन्होंने साल 2006 में रिलीज फिल्म 'द नेमसेक में उन्हें लीड रोल दिया। जब वे फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, तब मीरा नायर ने उन्हें अमेरिका में 6 महीने बिताने के लिए महज 10 लाख रुपए दिए थे। उस समय तक इरफान का संघर्ष खत्म नहीं हुआ था।

ये फिल्में हैं मील का पत्थर

इरफान खान ने अपने 32 साल के करियर ऐसी कई फिल्में की हैं, जो मील का पत्थर साबित हुईं। डायरेक्टर तिग्मांशु धूलिया की फिल्म हासिल के लिए उन्हें उस साल का बेस्ट विलेन का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। उसके बाद इरफान ने मकबूल, लाइफ ऑफ पाई, लंचबॉक्स, हैदर, पीकू और हिंदी मीडियम जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया। इरफान खान को फिल्म पान सिंह तोमर के लिए नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। साल 2011 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था।

टेलीविजन में करियर बनाने के दौरान ही मीरा नायर ने इरफान खान को फिल्म %सलाम बॉम्बे% में कैमियो रोल दिया था, लेकिन फिल्म में उनका सीन कट गया था। तब वे रघुवीर यादव के कंधे पर सिर रखकर खूब रोए। इरफान ने साल 1990 में फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत% से अपना डेब्यू किया। इस फिल्म में पंकज कपूर और शबाना आजमी की लीड भूमिका थी। इसमें इरफान ने एक बेबाक रिपोर्टर की भूमिका निभाई थी।

इरफान ने गुस्से में आकर तिग्मांशु को गालियां दीं तिग्मांशु धूलिया के साथ इरफान खान हासिल, पान सिंह तोमर और साहिब बीवी और गैंगस्टर रिटर्न्स जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तिग्मांशु ने इरफान से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। तिग्मांशु ने कहा - 'साहिब बीवी और गैंगस्टर रिटर्न्स की शूटिंग के दौरान जब मैं सेट पर पहुंचा तो देखा कि इरफान गुस्से में थे और मुझ पर बरस पड़े। तिग्मांशु ने कहा - मधुमक्खियों की वह मौत इरफान के दिमाग में किसी नरसंहार से कम नहीं थी। दरअसल, सेट पर मधुमक्खियों का एक छत्ता था। जिसे मैंने हटाने को कहा था, लेकिन उस शख्स ने उसमें आग लगा दी, जिससे इरफान काफी नाराज हुए। मैं जब सेट पर पहुंचा तो इरफान ने चार गाली देते हुए कहा कि ये क्या किया है तुमने, तुम्हें पता है मधुमक्खियां क्या चीज होती हैं?' मैंने बोला कि मधुमक्खियां मैंने हटाने के लिए कहा था, जलाने के लिए नहीं। मनोज बाजपेयी ने कभी भी इरफान खान के साथ काम नहीं किया। हाल

ही में एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने खुलासा किया कि वो मकबूल में इरफान वाली भूमिका निभाना चाहते थे। मनोज ने कहा- 'मैंने मकबूल के लिए विशाल भारद्वाज से संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि के के मेनन पहले भूमिका निभा रहे थे। इसके लिए उन्होंने अपने बाल भी लंबे कर लिए थे। फिल्म में देरी हुई और उनका पहले से अन्य प्रोजेक्ट पर कमिटमेंट था, इसलिए यह इरफान के पास गई। मैंने विशाल को 21 बार कॉल किया, लेकिन वे मना करते रहे।

डायरेक्टर विशाल भारद्वाज के साथ इरफान खान 'मकबूल', 'सात खून माफ' और 'हैदर' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।